THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 233 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.14, 2079 सोमवार, 7 नवंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कर्नाटक के बीदर में ऑटो रिक्शा-ट्रक की टक्कर, 7 की मौत

बीदर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बीदर में देर रात एक ऑटो रिक्शा और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इसमें 7 महिलाओं की मौत गई, जबकि 6 घायल हैं। हदासा चिट्टागुप्पा तालुक के एक गांव के पास हुआ। ये महिलाएं मजदूर थीं और काम करके ऑटो-रिक्शा में घर लौट रही थीं, तभी ऑटो-रिक्शा बेमालाखेड़ा सरकारी स्कूल के पास ट्रक से टकरा गई। मरने वाली महिलाओं की पहचान पार्वती (40), प्रभावती (36), गुंडम्मा (60), यदम्मा (40), जगम्मा (34) ईश्वरम्मा (55) और रुक्मिणी बाई (60) के रूप में हुई है।

मुनुगोडु में कड़ी टक्कर के बाद टीआरएस जीती

7 सीटों पर विधानसभा उपचुनाव के नतीजे

बिहार के मोकामा में बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी जीतीं, यूपी में आप कैंडिडेट की जमानत जब्त

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में प्रतिष्ठा की सीट बन चुकी मुनूगोडु विधानसभा सीट पर टीआरएस ने कड़े मुकाबले में भाजपा के कैंडिडेट को 10040 मतों से हरा दिया है। इन दोनों पार्टियों के बीच बेहद कड़ा मुकाबला देखा गया। यह सीट कांग्रेस विधायक कोमटीरेड्डी राज गोपाल रेड्डी के पार्टी से इस्तीफा देने के बाद खाली हुई थी। गोपाल रेड्डी अब बीजेपी के साथ हैं और उसी पार्टी से चुनाव लड़े। टीआरएस के प्रत्याशी पूर्व विधायक कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी थे, जिन्होंने कड़ी टक्कर के बाद जीत हासिल की। कांग्रेस से पलवई श्रावंथी भी मैदान में थे।

देश के 6 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के वोटों की काउंटिंग हुई भाजपा ने उत्तर प्रदेश की गोला गोकर्णनाथ, बिहार की गोपालगंज और हरियाणा की आदमपुर सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं, बिहार की मोकामा सीट पर राजद कैंडिडेट और बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी जीत गई हैं। इधर, तेलंगाना में तेरास ने भाजपा के कैंडिडेट को हरा दिया है। सभी सीटों पर 3 नवंबर को वोटिंग हुई थी।

मुनूगोडू में जीत के बाद प्रसन्न मुद्रा में के. प्रभाकर रेड्डी व अन्य।

सबसे ज्यादा 75.25% मतदान हरियाणा की आदमपुर सीट पर हुआ था। वहीं, महाराष्ट्र की अंधेरी ईस्ट सीट के लिए सबसे कम 31.74% मतदान हुआ था। जिन सात सीटों पर उपचुनाव हुआ, उनमें 2-2 सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस का कब्जा था। वहीं, तीन सीटों पर बीजेडी, शिवसेना और राजद थे।

गोला गोकर्णनाथ में बीजेपी जीती

लखीमपुर खीरी की गोला गोकर्णनाथ सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी कैंडिडेट अमन गिरी ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने सपा कैंडिडेट विनय तिवारी को 34,298 वोट के अंतर से हराया है। मार्जिन में उन्होंने अपने पिता अरविंद गिरी का रिकार्ड भी तोड़ दिया है। 2022 में अरविंद गिरी ने सपा के विनय तिवारी को 29294 वोटों के मार्जिन से हराया था।

>14

राज्यवार सीटों का ब्योरा

राज्य	सीट	जीत
बिहार	मोकामा	नीलम देवी (राजद)
बिहार	गोपालगंज	कुसुम देवी (बीजेपी)
हरियाणा	आदमपुर	भव्य बिश्नोई (बीजेपी)
उत्तर प्रदेश	गोलागोकर्णनाथ	अमन गिरी (बीजेपी)
तेलंगाना	**मुनुगोड़े**	**के. प्रभाकर रेड्डी (टीआरएस)**
महाराष्ट्र	अंधेरी ईस्ट (मुंबई)	ऋतुजा लटके (शिवसेना - उद्धव गुट)
ओडिशा	धामनगर	बीजेपी

जम्मू-कश्मीर को जल्द मिल सकता है राज्य का दर्जा

वित्त मंत्री ने पहले संकेत दिया, फिर बात को संभाला

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को संकेत दिया कि केंद्र जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा देने के बारे में विचार कर रहा है। वित्त मंत्री नई दिल्ली में एक ईवेंट में केंद्र की तरफ से राज्यों को दिए जाने वाले फंड के बारे में बता रही थीं, तभी उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर फिर से राज्य बन सकता है। हालांकि फिर उन्होंने अपनी बात को संभालते हुए कहा कि ऐसा आने वाले समय में हो सकता है।

शनिवार को सेंटर स्टेट रिलेशंस- कोऑपरेटिव फेडरलिज्म: द पाथ टुवडुर्स आत्म निर्भर भारत नाम के ईवेंट में निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14वें फाइनेंस कमीशन की रिपोर्ट को पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। इसलिए आज राज्यों को टैक्स में से 42% अमाउंट दिया जाता है। इसमें फिलहाल 41% कम

है क्योंकि जम्मू-कश्मीर अब राज्य नहीं रहा है। यह जल्दी राज्य बन जाएगा, हो सकता है कुछ समय बाद ऐसा हो।

मैं राज्यों में फर्क नहीं करती- सीतारमण

वित्त मंत्री ने कहा कि मैं बिना भ्रष्टाचार के पारदर्शिता के साथ अपना काम कर रही हूं। मैं भाजपा शासित प्रदेशों और गैर-भाजपा शासित प्रदेशों में फर्क नहीं करती हूं। सभी लोगों को सरकार में भरोसा होना चाहिए, उन्हें अपनी ताकत पर और सरकार की ताकत पर भरोसा होना चाहिए। प्रधानमंत्री हमेशा इस बात को प्रमोट करते हैं और इसीलिए हम सहयोगी संघवाद की चर्चा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले लोगों का भरोसा जीतना जरूरी है और इसमें कोई राज्य अलग नहीं है।

आप ऐसा नहीं कह सकते हैं कि मोदी जी आप ये काम गलत कर रहे हैं क्योंकि राज्य सरकार इस बात का समर्थन नहीं करती है। इसमें न मानने वाली कोई बात है ही नहीं। पीएम मोदी चीफ मिनिस्टर भी रहे हैं इसलिए उनकी अप्रोच सिर्फ पद पर बैठ जाने की नहीं बल्कि अपने हर काम से लोगों का भरोसा जीतने की रही है।

चिदंबरम ने कहा- राष्ट्रपति आधारित शासन लाना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निर्वाचन क्षेत्र आधारित संसदीय लोकतंत्र के आधार को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आरएसएस देश में राष्ट्रपति आधारित सत्ता लाने की कोशिश रहा है, जिसमें बहुसंख्यकवाद जड़ें जमा लेगा।

दरअसल, चिदंबरम की यह

टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हिमाचल प्रदेश की सोलन रैली के बाद आई है। इसमें मोदी ने कहा था कि वे कमल के फूल का समर्थन करें, उनका वोट मेरे लिए आशीर्वाद होगा। पीएम मोदी ने कहा था, लोगों को यह ध्यान रखने की जरूरत नहीं है कि उम्मीदवार कौन है? आपको केवल कमल को याद रखना है। मैं कमल लेकर तुम्हारे पास आया हूं। जब आप वोट देने जाते हैं और कमल देखते हैं, तो आपको पता होना चाहिए कि भाजपा और मोदी आपके पास आए हैं। कमल को आपका हर वोट, मोदी के लिए आपका आशीर्वाद होगा।

हिमाचल में यूनिफॉर्म सिविल कोड लाएगी भाजपा

चुनावी घोषणा पत्र में 8 लाख रोजगार, महिलाओं को फ्री सिलेंडर का वादा

शिमला, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने आज हिमाचल विधानसभा चुनाव 2022 के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसे शिमला में लॉन्च किया। भाजपा के संकल्प पत्र में 11 मुख्य बातें

शामिल हैं। वहीं घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष डॉ. सिकंदर कुमार ने बताया कि हर वर्ग को ध्यान में रखकर संकल्प पत्र तैयार किया गया है। यह जनता के विश्वास का संकल्प पत्र है। इसके लिए करीब 25 हजार लोगों से सुझाव लिए गए।

सरकारी नौकरी में महिलाओं को 33% आरक्षण

12 जिलों में बालिका छात्रावासों का निर्माण होगा

हिम केयर कार्ड से कवर न होने वाली बीमारियों के इलाज के लिए महिलाओं को स्त्री शक्ति कार्ड देंगे। 12वीं कक्षा में 5000 रैंक वाले छात्राओं को 2500 प्रतिमाह की छात्रवृत्ति मिलेगी। गरीब परिवार की 30 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को अटल पेंशन योजना में शामिल करेंगे। देवी अन्नपूर्णा योजना से गरीब महिलाओं को 3 फ्री रसोई गैस सिलेंडर मिलेंगे। मुख्यमंत्री शगुन योजना में बीपीएल परिवारों को 31000 की जगह 51000 देंगे। माता और नवजात की देखभाल के लिए महिलाओं को 25000 की राशि मिलेगी।

महिलाओं को होमस्टे चलाने के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा। स्कूल जाने वाली बच्चियों को साइकिल और स्कूटी मिलेगी।

पीएम मोदी ने शेयर किया कूनो के चीतों का वीडियो

8 में से 2 चीतों को बड़े बाड़े में छोड़ा 50 दिन से थे क्वारंटाइन

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के कूनो नेशनल पार्क में 8 में से 2 चीतों को बड़े बाड़े में छोड़ा गया। इन्हें नामीबिया से लाया गया था। पीएम मोदी ने अपने जन्मदिन 17 सितंबर को इन्हें कूनो पार्क में छोड़ा था। ये सभी चीते 50 दिन से क्वारंटाइन एरिया में रह रहे थे। 6 चीते अभी भी क्वारंटाइन हैं, जिन्हें बाद में छोड़ा जाएगा।

चीते को छोड़े जाने का वीडियो शेयर करते हुए पीएम ने खुशी जताई है। उन्होंने वीडियो ट्वीट में कहा कि मुझे यह जानकर खुशी हुई कि सभी चीते स्वस्थ हैं। अच्छी तरह से तालमेल बिठा रहे हैं। खास बात यह है कि एक मादा चीता का नाम पीएम ने आशा रखा है।

शिकार के लिए जानवरों की व्यवस्था

चीता टास्क फोर्स ने कहा कि इनको ज्यादा दिन छोटे बाड़े में रखना ठीक नहीं है। अब जल्द ही बाकी चीतों को भी छोड़ा जाएगा। डीएफओ पीके वर्मा ने बताया कि अभी केवल नर चीतों को बड़े बाड़े में छोड़ा गया है, जहां इनके शिकार के लिए हिरन, चीतल जैसे छोटे जानवर मौजूद हैं। भारत लाने से पहले इन चीतों को 30 दिनों के लिए नामीबिया में भी क्वारंटीन रखा गया था। इस तरह अब 80 दिन बाद इन्हें बड़े बाड़े में शिकार का मौका मिलेगा।

चीतों को खूंखार तेंदुए से खतरा

चीतों की जिस बड़े बाड़े में शिफ्टिंग हो रही है, उसमें एक तेंदुआ है। तेंदुए से चीतों को खतरा बताया जा रहा है। तेदुंए को पकड़ने की कई बार कोशिश की गई, लेकिन उसे अभी तक नहीं पकड़ा जा सका है। पहले 30 दिन में ही चीतों को रिलीज करना था। तेंदुए की वजह से ये प्लान अटक गया। तेंदुए को बाहर निकालने के लिए सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से नर-मादा हाथी के जोड़े को कूनो लाया गया है। तीन मौके ऐसे आए, जब हाथियों के साथ टीम ने तेंदुए की लोकेशन ट्रेस कर ली। जैसे ही, तेंदुआ हाथियों के सामने आया, वो इस तरह गुर्राया कि हाथियों के कदम भी ठिठक गए।

8 चीतों में 2 सगे भाई भी

दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया विश्वविद्यालय में प्रो. एड्रियन ट्रोडिफ ने बताया कि भारत आए 8 चीतों में दो सगे भाई हैं। इनकी उम्र ढाई से साढ़े पांच साल के बीच है। चीते की औसत उम्र 12 साल होती है।

बिना बताए चीते छोड़े जाने पर वन मंत्री विजय शाह नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि अफसरों ने जल्दबाजी में और मनमाने ढंग से यह फैसला किया है, इससे चीतों की जान खतरे में पड़ सकती है। वहां मौजूद तेंदुओं से टकराव की आशंका है। वन मंत्री ने कहा कि जिन चीतों के भारत की धरती पर लाने के लिए देश ने 70 साल लंबा इंतजार किया है, उनकी सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है। उनके बारे में जल्दबाजी और जनप्रतिनिधियों को सूचना दिए बगैर कोई काम करना गैर जिम्मेदाराना है। चीता प्रोजेक्ट से जुड़े एक्सपर्ट ने बताया कि सभी 8 चीते अब बड़े बाड़े में छोड़े जाने की स्थिति में हैं। यदि कोई बाधा नहीं आई तो कुछ और चीतों को रविवार को रिलीज किया जा सकता है।

आलोचक और वरिष्ठ लेखक प्रोफेसर मैनेजर पांडेय का निधन

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। हिंदी साहित्य के मशहूर आलोचक और वरिष्ठ लेखक प्रोफेसर मैनेजर पांडेय का 81 साल की उम्र में रविवार को निधन हो गया। गंभीर, विचारोत्तेजक मार्क्सवादी धारा के आलोचनात्मक लेखन के लिए जाने जाते रहे मैनेजर पांडेय के निधन से साहित्य जगत में संवेदनाओं की लहर है। बड़ी संख्या में लेखक, पत्रकार, संपादक, भाषा-साहित्य के अकादमिक जगत, साहित्यिक संगठनों और प्रकाशन संस्थानों से जुड़े लोगों ने मैनेजर पांडेय के निधन पर शोक जताया है। सबका कहना है कि मैनेजर पांडेय के निधन से भाषा साहित्य को कभी नहीं भरा जा सकने वाला नुकसान हुआ है।

प्रोफेसर मैनेजर पांडेय के निधन के बाद सोशल मीडिया पर भी उनको जानने और मानने वाले कई लोगों ने अपनी शोक और संवेदनाएं जाहिर की हैं। लोगों ने उनके साथ बिताए वक्त और उनके योगदानों का जिक्र करते हुए उन्हें याद किया है।

क्या आर्थिक आरक्षण संविधान के खिलाफ

सुप्रीम कोर्ट आज सुनाएगा फैसला, तमिलनाडु की डीएमके समेत कई संगठनों ने लगाई है याचिका

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग यानी ईडब्ल्यूएस को नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 10% रिजर्वेशन देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट सोमवार को फैसला दे सकता है।सीजेआई यूयू ललित की अध्यक्षता वाली 5 जजों की बेंच मामले की सुनवाई कर रही है। जनवरी 2019 में 103वें संविधान संशोधन के तहत ईडब्ल्यूएस कोटा लागू किया गया था। वहीं, तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डीएमके सहित कई लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर इसे चुनौती दी।

सुप्रीम कोर्ट ने 3 सवाल किए थे

याचिकाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण को संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ बताते हुए रद्द करने की मांग की गई। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पूछा, क्या ईडब्ल्यूएस आरक्षण

देने के लिए संविधान में किया गया संशोधन संविधान की मूल भावना के खिलाफ है? एससी/एसटी वर्ग के लोगों को इससे बाहर रखना क्या संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ है? राज्य सरकारों को निजी संस्थानों में एडमिशन के लिए ईडब्ल्यूएस कोटा तय करना संविधान के खिलाफ है क्या?

यह संविधान के खिलाफ नहीं: केंद्र

केंद्र सरकार ने कोर्ट में कानून का समर्थन किया। सरकार की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि यह कानून गरीबों के लिए आरक्षण का प्रावधान करता है। इस कानून से संविधान के मूल ढांचे को मजबूती मिलेगी। इसे संविधान का उल्लंघन नहीं कहा जा सकता।

27 सितंबर को कोर्ट ने सुरक्षित रखा था फैसला

बेंच ने मामले की साढ़े छह दिन तक सुनवाई के बाद 27 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि सीजेआई ललित 8 नवंबर यानी मंगलवार को रिटायर हो रहे हैं।

रिटायर होने से एक दिन पहले सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ इस मामले में फैसला सुना सकते हैं। इस पीठ में सीजेआई के अलावा जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, एस रवींद्र भट, बेला एम त्रिवेदी और जेबी पार्डीवाला शामिल हैं।

योग्य व्यक्ति जज बने, न कि वो जो कलीजियम की पहचान का होः कानून मंत्री

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने जजों का चुनाव करने के लिए बने सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा कलीजियम सिस्टम को अपारदर्शी बताया है। उन्होंने कहा कि जो सबसे योग्य है, उसी को जज बनाया जाना चाहिए, न कि ऐसे किसी को बना दिया जाए जिसे कलीजियम जानता हो। वह यहीं नहीं रुके। उन्होंने कलीजियम सिस्टम का जिक्र करते हुए कहा कि न्यायपालिका में बहुत राजनीति है। हालांकि यह बात जज जाहिर नहीं होने देते।

रिजीजू मुंबई में हुए एक कार्यक्रम में न्यायपालिका में सुधार के मसले पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में सरकारें ही जजों को नियुक्त करती आ रही हैं जबकि भारत में जज ही जज की नियुक्ति करते हैं।

>14

तिरुपति मंदिर के पास है 2.26 लाख करोड़ की संपत्ति

ट्रस्ट ने कहा- 10.3 टन सोना और 16 हजार करोड़ रुपए बैंकों में जमा

तिरुपति, 6 नवंबर (एजेंसियां)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने पहली बार मंदिर की कुल संपत्ति की घोषणा की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्वेत पत्र जारी किया गया है, जिसमें बताया गया कि मंदिर का करीब 5,300 करोड़ का 10.3 टन सोना और 15,938 करोड़ नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों में जमा है। मंदिर की कुल संपत्ति 2.26 लाख करोड़ की है।

2019 के बाद से सोना और नकद में हुई वृद्धि

ट्रस्ट के कार्यकारी अधिकारी एवी धर्म रेड्डी ने बताया है कि वर्तमान ट्रस्ट बोर्ड ने 2019 से अपने इन्वेस्टमेंट गाइडलाइंस को मजबूत किया है। 2019 में कई बैंकों में 13,025 करोड़ नकद था, जो बढ़कर 15,938 करोड़ हो गया है। पिछले तीन सालों की इन्वेस्टमेंट में 2,900 करोड़ की वृद्धि हुई है। वहीं ट्रस्ट के शेयर किए गए बैंक-वाइस इन्वेस्टमेंट में 2019 में टीटीडी के पास 7339.74 टन सोना जमा था, जो पिछले तीन सालों में 2.9 टन बढ़ गया।

आंध्र सरकार की सिक्योरिटीज पर फंड इन्वेस्ट करने का दावा

टीटीडी ने कुछ सोशल मीडिया रिपोर्ट्स को गलत बताया, जिसमें दावे किए जा रहे थे कि ट्रस्ट के चेयरमैन और बोर्ड ने फंड आंध्र प्रदेश सरकार की सिक्योरिटीज पर इन्वेस्ट किया है। टीटीडी ने कहा कि ऐसा नहीं किया गया, बल्कि बचे हुए फंड को शिड्युल्ड बैंकों में इन्वेस्ट किया जाता है। एक प्रेस रिलीज जारी कर ट्रस्ट ने कहा कि श्रीवारी के भक्तों से अनुरोध है कि वे इस तरह के झूठे प्रचार पर विश्वास न करें। बैंकों में जमा किया गया नकद और सोने का इन्वेस्टमेंट बहुत ही पारदर्शी और सही तरीके से किया जाता है।

7 हजार 123 एकड़ में फैली कुल 960 प्रॉपर्टीज

दान पाने के मामले में दुनिया का सबसे अमीर मंदिर आंध्र प्रदेश का तिरुमला तिरुपति मंदिर है। मंदिर के पास अलग-अलग जगहों पर 7 हजार 123 एकड़ में फैली कुल 960 प्रॉपर्टीज हैं। यहां चांदी से लेकर कीमती पत्थर, सिक्के, कंपनी के शेयर और प्रॉपर्टी जैसी चीजें भी दान की जाती हैं।

कंज्यूमर कोर्ट ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को एक व्यक्ति को वीआईपी दर्शन का टिकट दिलाने या फिर 45 लाख रुपए मुआवजा देने का निर्देश दिया था। इस व्यक्ति ने 2006 में मंदिर में विशेष सेवा के लिए टिकट खरीदा था। इसकी तारीख 2020 में पड़ी थी इसलिए वह इस सेवा में हिस्सा नहीं ले पाया। यही विवाद कंज्यूमर कोर्ट पहुंचा था, जिसमें आदेश दिया गया था।

मां ने बेटी को प्रेमी संग आपत्तिजनक हालत में देखने के बाद डांटा, नाबालिक ने फांसी लगाकर दे दी जान

सतना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सतना जिले की चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र के मझगंवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पटनी में 16 वर्षीय नाबालिग लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई। घटना बीते शुक्रवार शाम की है। जानकारी के अनुसार नाबालिग को उसकी मां ने उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था, जिसके बाद मां ने लड़की के प्रेमी को जमकर फटकार लगाई थी और बेटी को भी डांटा था। सारे घटनाक्रम के बाद नाबालिग की मां अपने कामों में व्यस्त हो गई, लेकिन नाबालिग को मां की बातें बुरी लगी और उसने खेत में जाकर एक पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने थाना मझगंवा पुलिस को सूचना दी गई।

भाजपा और शिंदे से क्यों बढ़ी मनसे की नजदीकी

महाराष्ट्र में बनते नए राजनीतिक समीकरण की वजह

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अचानक बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के गुट के साथ नजदीकी बढ़ती दिख रही है, जो मराठा मतों की अहम भूमिका वाले मुंबई निकाय चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकती है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार के जून में गिरने के बाद से उनके चचेरे भाई एवं धुर प्रतिद्वंद्वी राज ठाकरे की शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बढ़ती नजदीकियों ने महाराष्ट्र में आगामी चुनावों के लिए नए राजनीतिक गठजोड़ की चर्चा को जन्म दिया है।

शिंदे और फडणवीस ने दिवाली की पूर्व संध्या पर शिवाजी पार्क में मनसे के दीपोत्सव कार्यक्रम के लिए राज ठाकरे से मुलाकात की। तीनों के बीच बढ़ती नजदीकियां तब और स्पष्ट हुईं, जब वे मनसे प्रमुख के आवास से शिवाजी पार्क में कार्यक्रम स्थल पर एक साथ पहुंचे। राज ठाकरे ने पिछले महीने फडणवीस को एक पत्र लिखा था, जिसमें उनसे शिवसेना के दिवंगत विधायक रमेश लटके की पत्नी के पक्ष में अंधेरी पूर्व विधानसभा उपचुनाव से भाजपा उम्मीदवार का नाम वापस लेने का आग्रह किया गया था। भाजपा ने बाद में अपने उम्मीदवार का नाम वापस ले लिया था, जिसके लिए राज ठाकरे ने फडणवीस को धन्यवाद दिया।

क्या महाराष्ट्र में तैयार हो रहा नया राजनीतिक गठबंधन

शिवसेना के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार के दौरान राज ठाकरे ने मस्जिदों में लाउडस्पीकर का मुद्दा उठाया था और अयोध्या जाने की घोषणा की थी। महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा और शिंदे गुट के नेताओं ने राज ठाकरे से विभिन्न मौकों पर मुलाकातें कीं। शिंदे और फडणवीस ने भी मनसे प्रमुख से अलग-अलग मुलाकात कीं। राज ठाकरे ने अपने ''मित्र'' फडणवीस को एक पत्र भी लिखा था, जिसमें उन्होंने राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करके अपनी पार्टी के प्रति वफादारी और प्रतिबद्धता का उदाहरण स्थापित करने के लिए उनकी सराहना की। हालांकि, हर पक्ष ने राज्य में संभावित गठजोड़ पर आधिकारिक तौर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। मनसे के एकमात्र विधायक राजू पाटिल ने कहा कि फडणवीस के बाद शिंदे ने दीपोत्सव कार्यक्रम में राज ठाकरे से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वे दिल से और करीब आए हैं लेकिन नेतृत्व के कहे अनुसार ही काम करेंगे।

भाजपा से गठबंधन कर सकती है मनसे

शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ गठबंधन करने के बाद भाजपा और मनसे के बीच एक नए राजनीतिक गठजोड़ की बातें जोर पकड़ रही हैं। इस परिदृश्य की संभावना ऐसे समय में दिखी है, जब नगर निगम चुनाव खासकर महत्वपूर्ण बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव नजदीक हैं। 'हिंदू हृदय सम्राट- कैसे शिवसेना ने मुंबई को हमेशा के लिए बदल दिया' की लेखिका सुजाता आनंदन ने कहा कि यह स्पष्ट है कि राज ठाकरे की मनसे भाजपा के साथ जाएगी क्योंकि वह पार्टी के लिए कोई खतरा नहीं है। आनंदन ने कहा कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि 2006 में शिवसेना से अलग होने के बाद से राज ठाकरे की राजनीति ने उद्धव ठाकरे के खिलाफ काम किया है। मुंबई विश्वविद्यालय के साठये कॉलेज में सहयोगी प्रोफेसर केतन भोसले ने कहा कि राज ठाकरे का दो साल पहले हिंदुत्व की ओर झुकाव हुआ था, जो भाजपा और शिंदे गुट की समान विचारधारा है।

बाल ठाकरे का राजनीतिक उत्तराधिकारी कौन होगा, इस मुद्दे पर राज ठाकरे द्वारा शिवसेना छोड़ने के बाद 2006 में मनसे की स्थापना हुई थी। उन्होंने धरती पुत्र का मुद्दा उठाया, जिस एजेंडे पर शिवसेना का गठन 1966 में हुआ था। मनसे ने 2007 में अपने पहले नगर निगम चुनावों में मुंबई में सात सीटें जीतीं, उसके बाद 2012 में 27 सीटें जीतीं। हालांकि, 2017 में उसे केवल सात सीटें मिलीं।

दबंगों से परेशान दलित दिव्यांग ने कलेक्ट्रेट में केरोसिन डाला

मुरैना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुरैना कलेक्ट्रेट में दबंगों से परेशान दलित दिव्यांग रामसिया ने केरोसिन डालकर आत्महत्या करने की कोशिश की है। पीड़ित दलित परिवार पिछले दो साल से दबंगों से परेशान है। वहीं, थाना प्रभारी शिवकुमार शर्मा पर पैसे ले कर कार्रवाई नहीं करने का भी आरोप लगाया है। दिव्यांग का कहना है कि पिछले कई वर्षों से वह दबंगों से परेशान है और वह आये दिन उसे परेशान करते हैं। दरअसल पूरा मामला सराय छोला थाना क्षेत्र के पीपर खेड़ा गांव का है। पीड़ित एसपी ऑफिस में भी दो बार आवेदन दे चुका है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़ित रामसिया पहले भी इच्छा मृत्यु के लिए कलेक्ट्रेट में आवेदन दे चुका है। लेकिन कहीं कोई कार्रवाई नहीं होने पर वह केरोसिन लेकर कलेक्ट्रेट आया और परिसर में दिव्यांग ने मिट्टी का तेल डालकर आत्मदाह की कोशिश की,

650 माओवादियों के समर्थकों ने किया सरेंडर हिंसक वारदातों में करते थे मदद

भुवनेश्वर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा में पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया, ओडिशा व आंध्र प्रदेश की सीमा पर रहने वाले माओवादियों के 650 समर्थकों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। इनमें से ज्यादातर मलकानगिरी जिले के स्वाभिमान अंचल की स्थानीय ग्राम समितियों या चेतना नाट्य मंडली के सदस्य हैं। बता दें, चेतना नाट्य मंडली भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) (भाकपा-माओवादी) से जुड़ा एक सांस्कृतिक संगठन है। डीआईजी राजेश पंडित ने बताया, आत्मसमर्पण करने वाले माओवाद समर्थक हिंसक गतिविधियों के अलावा माओवादियों की सहायता भी करते थे। आत्मसमर्पण करने से पहले उन सभी ने माओवादी मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस दौरान उन्होंने माओवादियों की वर्दी भी जला दी। उन्होंने बताया, स्वाभिमान अंचल में 182 गांव शामिल हैं। इससे पहले साल की शुरुआत में भी स्वाभिमान अंचल में सैकड़ों माओवाद समर्थकों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण

इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के लिए पुलिस को दिया जाए प्रशिक्षण, हाईकोर्ट ने जारी किया आदेश

बेंगलुरू, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को लेकर अहम आदेश जारी किया है। उच्च न्यायालय ने राज्य के डीजीपी और अन्य अधिकारियों को पुलिस अधिकारियों को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को संभालने, उनके भंडारण व उपयोग संबंधी प्रशिक्षण दिए जाने का आदेश दिया है। अदालत का यह आदेश हत्या के एक मामले में सुनवाई के बाद आया है। मामले में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को पेश करने में विफल रहने के कारण आरोपी को अदालत ने बरी कर दिया था। हालांकि, 2018 के इस मामले में उच्च न्यायालय ने उसके द्वारा दिए गए निर्देशों का सख्ती से पालन किए जाने का आदेश दिया। जस्टिस सूरज गोविंदराज और जस्टिस जी बसवराज की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि मधुकरा बनाम कर्नाटक राज्य और वीरेंद्र खन्ना बनाम कर्नाटक राज्य मामलों में जारी अदालत के निर्देशों का पालन करें।

महाराष्ट्र में कभी भी हो सकते हैं मध्यावधि चुनाव

उद्धव ठाकरे ने कार्यकर्ताओं से कहा- तैयार रहो

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना अध्यक्ष और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र में मध्यावधि चुनाव के संकेत दिए हैं। विधानसभा चुनाव में संपर्क प्रमुखों को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा ने कहा कि राज्य में कभी भी मध्यावधि चुनाव हो सकते हैं। लिहाजा आप सब अपनी तैयारियों में जुट जाएं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि जिस तरह के हालात महाराष्ट्र में नजर आ रहे हैं। वो साफ तौर पर मध्यावधि चुनाव की तरफ इशारा कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र में कई बड़े प्रोजेक्ट को देने का ऐलान किया है। इस तरह के बयान और प्रलोभन चुनाव के समय में अक्सर दिए जाते हैं। ऐसे में महाराष्ट्र में कभी भी मध्यावधि चुनाव करवाए जा सकते हैं। लिहाजा हमें अपनी तैयारियों में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए।

अरविंद सावंत ने भी उद्धव ठाकरे को दोहराया

सांसद अरविंद सावंत ने भी उद्धव ठाकरे की बात को दोहराते हुए कहा कि राज्य मध्यावधि चुनाव की तरफ जा रहा है। अरविंद सावंत ने कहा कि महाराष्ट्र से कई प्रोजेक्ट बाहर जाने के बाद प्रदेश के लिए सवा 200 करोड़ों रुपए के प्रोजेक्ट मंजूर किए गए हैं। जिसमें से कुछ प्रोजेक्ट राज्य के अंदर के ही हैं। जब-जब प्रोजेक्ट की घोषणा होती है तब तक मध्यावधि चुनाव या चुनाव के संकेत मिलते हैं।

'बाला साहेब भी दिया करते थे ऐसे संकेत'

शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे गुट के शिवसेना नेता मनीषा कायंदे ने कहा कि पार्टी प्रमुख की तरफ से कई सारे आदेश दिए जाते हैं जिनमें से एक यह भी है। दिवंगत बालासाहेब ठाकरे भी इस तरह के संकेत दिया करते थे। बात चुनावक्षेत्र की हो या फिर इस चुनाव की छोटी से छोटी बात भी बात वरिष्ठों तक पहुंचाई जाती है। बीते 50 सालों से यही दस्तूर चला आ रहा है।

सैन्य कमांडर कॉन्फ्रेंस में भारत-चीन संबंधों पर तैयार होगी कार्ययोजना

अधिकारी बना रहे नई रणनीति

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी तनाव के बीच सेना के शीर्ष अधिकारी भारत-चीन के सामयिक संबंधों पर नई रणनीति तैयार कर रहे हैं। दिल्ली में सोमवार से शुरु होने वाली पांच दिवसीय सैन्य कमांडर कॉन्फ्रेंस में इसकी कार्ययोजना तय की जाएगी। साथ ही सुरक्षा परिप्रेक्ष्य में तकनीक की बढ़ती चुनौतियों से निपटने का ब्लू प्रिंट भी तैयार किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 7 से 11 नवंबर तक सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के नेतृत्व में सभी कमानों के कमांडर, डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर और डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस के प्रमुख तथा वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षा के विभिन्न आयाम पर मंथन करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी इस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। साथ ही थलसेना, वायुसेना और नौसेना प्रमुखों के साथ अलग से बैठक करेंगे। साल में दो बार होने वाली यह कॉन्फ्रेंस प्रशासनिक-सामरिक नीति और रणनीति तय करने का उच्चस्तरीय मंच है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि सेना उत्पादन में आत्मनिर्भरता, मानव संसाधन व प्रशिक्षण संबंधी नए नीतिगत फैसले लिए जाएंगे। कॉन्फ्रेंस में सेना के तीनों अंगों के अधिकारियों की रूस-यूक्रेन युद्ध पर किए जा रहे अध्ययनों पर भी लंबे विमर्श की योजना है। पूर्वी लद्दाख के मौजूदा हालात के साथ समुद्र में चीन की हरकतों पर भी कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

खाने में जहर देकर मां को मार डाला, पिता के खिलाफ सबूत इकट्ठा करके थाने पहुंची बेटी

इंदौर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। एक बेटी ने अपने पिता पर मां को जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। महिला की 18 सितंबर को अपने इंदौर स्थित घर में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। दिल्ली में रहने वाली महिला अपनी मां की मौत की खबर मिलते ही इंदौर पहुंच गई। शव देखने के बाद उसने पोस्टमार्टम पर जोर दिया। लड़की ने शक जाहिर किया है कि शायद उसके पिता ने मां की हत्या कर दी है, क्योंकि लड़का पैदा ना करने को लेकर वो मां को पीटते और गाली देते रहते थे। महिला ने कहा, मां के दाह संस्कार के बाद, 'पुलिस ने मेरे पिता को बुलाया और फिर जाने दिया। दो दिन बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई जिसमें पता चला कि उन्हें जहर दिया गया था। मैंने पुलिस से मामले की जांच करने का अनुरोध किया क्योंकि मेरे पिता ने पहले मेरी मां को धमकी दी थी। पुलिस ने हमारे अनुरोध पर कोई खास ध्यान नहीं दिया, इसलिए मैंने खुद सबूत इकट्ठा करने का फैसला किया।' बेटी को पता चला कि मृत्यु वाले दिन मां ने पिता द्वारा बनाया हुआ खाना खाया था। बेटी ने कहा, 'खाना खाने के बाद उन्होंने बेचैनी की शिकायत की और मेरी छोटी बहन को फोन किया क्योंकि मैं यहां मौजूद नहीं थी।

उप राज्यपाल ने की आईपीसी की धारा 375 के अपवाद 2 को हटाने की सिफारिश

गृह मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने गृह मंत्रालय को एक प्रस्ताव भेजा है। इसमें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 375 के अपवाद 2 को हटाने की सिफारिश की गई है।

जिसके तहत यदि 15-18 वर्ष की उम्र के बीच लड़की की शादी हो जाती है और पति गैर सहमति से पत्नी के साथ यौन संबंध बनाता है तो यह दुष्कर्म की श्रेणी में आएगा और आईपीसी के तहत दंड के योग्य होगा। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक उपराज्यपाल ने गृह मंत्रालय से आईपीसी की धारा 375 के अपवाद 2 को खत्म करने की सिफारिश की है। अपवाद 2 में अभी यह प्रावधान है कि यदि 15 से 18 वर्ष के बीच की लड़की की शादी हो जाती है तो उसका पति गैर सहमति से यौन संबंध बना सकता है।

आईपीसी के तहत उसे दंडित करने का प्रावधान नहीं है। उपराज्यपाल की सिफारिश के बाद अगर आईपीसी में संशोधन होता है तो 15 से 18 वर्ष के बीच की पत्नी के साथ गैर-सहमति से यौन संबंध दुष्कर्म की श्रेणी में आएगा। यदि उपराज्यपाल की सिफारिश मानी जाती है तो यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण करने संबंधी अधिनियम (पोक्सो) की विसंगतियां भी दूर होंगी।

आईपीसी की धारा 375 का अपवाद 2 भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन करता है और पोक्सो अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। यह विषय आपराधिक कानून समवर्ती सूची में है और इसे राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा लागू किया जाता है। इसके दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखते हुए गृह मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों से इसपर राय मांगी थी।

यहां बेटी होने पर अस्पताल का पूरा पैसा होता है माफ 'बेटी बचाओ' की मिसाल पेश कर रहा यह डॉक्टर

पुणे, 6 नवंबर (एजेंसियां)। पुणे का एक अस्पताल 'बेटी बचाओ मिशन' का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ अभियान के तहत यहां बेटी होने पर डिलीवरी का पूरा पैसा माफ होता है। इसके अलावा यह अस्पताल लोगों को भ्रूण हत्या के खिलाफ जागरूक भी कर रहा है। दअअसल, पुणे के हडपसर स्थित मैटरनिटी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में बीते 11 सालों में 2400 से अधिक बच्चियों की डिलीवरी मुफ्त में की गई है। अस्पताल के डॉ गणेश राख का दावा है कि उन्होंने प्रसूता के परिवारीजनों से इसके लिए एक भी पैसा नहीं लिया। डॉक्टर गणेश राख बताते हैं कि कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ हमारी यह पहल 2012 में शुरू हुई थी। बाद में कई राज्य व अफ्रीकी देश इससे जुड़ते गए। उन्होंने बताया, अगर किसी परिवार में लड़की पैदा होती है तो हम पूरा चिकित्सा शुल्क माफ करते हैं। वह कहते हैं कि इस सकारात्मक पहल का यह नतीजा है कि आसपास के क्षेत्रों में कन्या भ्रूण हत्या के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है। डॉ। गणेश बताते हैं अस्पताल के शुरुआती दिनों में जब भी किसी के यहां लड़की पैदा होती थी, तो परिवार वाले उसे देखने तक नहीं आते थे। लड़की होने पर अस्पताल की फीस देने से भी इनकार करते थे। वहीं जब लड़का पैदा होता था तो वे खुशी-खुशी सब करते थे।

नोएडा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुरक्षा में बड़ी चूक

15 पुलिसकर्मी रहे गैर-हाजिर

नोएडा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में चल रहे वाटर वीक कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ समापन समारोह में शिरकत करने पहुंचे थे। इस दौरान सुरक्षा को लेकर पुलिस की बड़ी चूक सामने आई। सुरक्षा में तैनात किए गए 15 पुलिसकर्मी गैर-हाजिर पाए गए।

पुलिसकर्मियों को सख्त हिदायत

ग्रेटर नोएडा के डीसीपी अभिषेक वर्मा ने उपराष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की जांच की, तो इसमें दो थाना प्रभारी, एक आईटी सेल में पोस्टेड निरीक्षक, एक उपनिरीक्षक, महिला उपनिरीक्षक, छह हेड कांस्टेबल, चार महिला कांस्टेबल गैर-हाजिर पाए गए। सभी पुलिसकर्मी तय समय सीमा से बहुत लेट अपनी ड्यूटी पर पहुंचे। इन पुलिसकर्मियों को सख्त हिदायत देकर सभी की गैर-हाजिरी दर्ज की गई है।

सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे

उपराष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर ग्रेटर नोएडा पुलिस के आला अधिकारियों की ओर से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। इंडिया एक्सपो मार्ट के आस-पास भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। इस मौके पर ग्रेटर नोएडा के डीसीपी अभिषेक वर्मा और एडिशनल डीसीपी विशाल पांडेय सुरक्षा को लेकर खुद मॉनिटर करते रहे।

इस दौरान जब डीसीपी अभिषेक वर्मा ने पुलिस फोर्स का निरीक्षण किया, तो पाया कि कुछ पुलिसकर्मी समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंचे थे। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में वाटर वीक कार्यक्रम का उद्घाटन देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया था। समारोह के समापन के दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिरकत की। समापन समारोह कार्यक्रम में कई केंद्रीय मंत्री भी शामिल हुए।

कश्मीर में आतंक की कमर टूटी

खोई कमान को बहाल करने के लिए पाक ने बदली रणनीति

श्रीनगर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में अमन शांति को भंग करने के लिए पाकिस्तान दशकों से अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। इस वर्ष आतंकवादी विरोधी ऑपरेशनों में आतंकी संगठनों की लीडरशिप के खात्मे के बाद लोकल कैडर नहीं मिलने पर पाकिस्तान ने रणनीति बदल दी है। इसके तहत ज्यादा से ज्यादा पाकिस्तानी आतंकियों को इस पार धकेलने की कोशिश की जा रही है। इसका मकसद लीडरलेस आतंकी संगठनों की कमान एक बार फिर अपने हाथों में लेना चाहता है। लेकिन जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान के नापाक मंसूबों विफल करने के लिए तैयार है। कश्मीर जोन पुलिस के अनुसार वर्ष 2022 में अभी तक 165 से अधिक आतंकियों को ढेर किया गया है, जिनमें 40 से अधिक पाकिस्तानी आतंकवादी थे। आतंकियों की अधिकतर लीडरशिप का खात्मा कर दिया है। इस कारण उनके पास कमान संभालने के लिए अधिक विकल्प नहीं हैं। अब पाकिस्तान में बैठे आतंकी आका लीडरलेस ग्रुप पर दोबारा से पकड़ बनाने की फिराक में हैं। इतना ही नहीं, उनके पास स्थानीय कैडर की भी कमी है। जो स्थानीय युवा आतंकवाद में शामिल हो रहे हैं, ट्रेनिंग के अभाव में उनकी 'शेल्फ लाइफ' बहुत कम है।

डीजीपी बोले, नौजवानों को गुमराह करने वालों पर फोकस

डीजीपी दिलबाग सिंह के अनुसार ज्यादातर आतंकी तंजीमें जो कश्मीर में ऑपरेट कर रही थीं, उनका स्ट्रक्चर काफी हद तक नष्ट हो चुका है। लीडरशिप बहुत हद तक खत्म हो चुकी है। पाकिस्तानी एजेंसियों खासकर लश्कर और जैश की कोशिश है कि आतंकियों की कमांड उनके ही हाथों में रहे ताकि वह उनके इशारों पर दहशत फैला सकें।

'दिल्ली दंगों में हिंदुओं को सबक सिखाने के लिए दूसरों को उकसा रहा था ताहिर हुसैन'; आप के पूर्व पार्षद पर आरोप तय

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 2020 के दंगों से जुड़े एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व नेता ताहिर हुसैन के खिलाफ हत्या के प्रयास और आपराधिक साजिश के शनिवार को आरोप तय कर दिए हैं। अदालत शिकायतकर्ता अजय गोस्वामी के एक बयान के आधार पर एक मामले की सुनवाई कर रही थी,

जिसे 25 फरवरी, 2020 को मेन करावल नगर रोड पर दंगों के दौरान गोली लगी थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमचला ने कहा कि मुझे लगता है कि सभी आरोपी व्यक्ति भारतीय दंड संहिता की धाराओं 307 (हत्या का प्रयास), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 149 (गैर-कानूनी सभा का प्रत्येक सदस्य सामान्य उद्देश्य के अभियोजन में किए गए अपराध का दोषी) के तहत दंडनीय अपराधों के लिए मुकदमा चलाने के लिए उत्तरदायी हैं। ताहिर हुसैन सहित आठ लोगों को आरोपी बनाया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि छह आरोपियों- ताहिर हुसैन, शाह आलम, नाजिम, कासिम, रियासत और लियाकत पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 505 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है क्योंकि वे "हिंदुओं को सबक सिखाने के लिए दूसरों को उकसा रहे थे।" अदालत ने दो आरोपियों गुलफाम और तनवीर को धारा 505 के तहत अपराध के लिए आरोपमुक्त करते हुए कहा कि यह दिखाने के लिए कोई सबूत नहीं है कि उन्होंने दूसरों को भी उकसाया। अदालत ने कहा कि कई गवाहों के बयानों से दंगाइयों के बीच आरोपियों की मौजूदगी साबित हुई।

अदालत ने कहा कि सभी आरोपी हिंदुओं को निशाना बनाने में शामिल थे और उनके इस तरह के कृत्य मुसलमानों और हिंदुओं के समुदाय के बीच सद्भाव के लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल थे और उन्होंने सार्वजनिक शांति को भी भंग कर दिया। विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडे ने सुनवाई के दौरान कहा कि सभी आरोपी व्यक्तियों पर आईपीसी की धारा 149 के तहत कथित अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है। दयालपुर पुलिस थाने में आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज है।

सु वि चा र

गुणी पुरुष को उचित है कि जिस गुण के द्वारा उसकी प्रतिष्ठा होती है, उसकी वह रक्षा करे।

रेवंत ने पार्टी कार्यकर्ताओं से किया राहुल के भारत जोड़ो गर्जना को सफल बनाने का आह्वान

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और पार्टी सांसद ए. रेवंत रेड्डी ने आज अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से पार्टी नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की सोमवार की विदाई जनसभा को राज्य में एक शानदार सफलता बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल में जनसभा कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य में यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई और कहा कि पूरे तेलंगाना समाज ने इसे एक बड़ी सफलता दिलाई। उन्होंने कहा कि किसानों, श्रमिकों और बुद्धिजीवियों ने बड़ी संख्या में यात्रा में भाग लिया और राहुल गांधी के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की। सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क के साथ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, रेवंत ने कहा कि राहुल, जिन्होंने राज्य में हर दिन सुबह 6 बजे अपनी यात्रा शुरू की, ने राज्य के विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ बातचीत करके इसे शाम तक जारी रखा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और उनके पिता राजीव गांधी से प्रेरणा लेकर यात्रा शुरू की थी।

टीपीसीसी प्रमुख ने यह भी कहा कि राहुल ने पदयात्रा करने के अपने फैसले से पीछे नहीं हटे, जबकि खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी थी कि अगर उन्होंने पदयात्रा की तो उनकी जान को खतरा है, इसके अलावा सीबीआई और ईडी द्वारा छापेमारी की धमकी दी गई थी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के नेता ने देश के व्यापक हितों के लिए पदयात्रा शुरू की थी, न कि लोगों के वोटों के लिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की नेता सोनिया गांधी ने इस तथ्य को जानने के बाद भी अलग तेलंगाना राज्य दिया कि पार्टी के गठन के बाद तेलुगु भाषी राज्यों में बहुत नुकसान होगा, जो राज्य के लोगों का 60 साल का सपना था। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी लोगों को सोनिया गांधी और राहुल गांधी को अपना समर्थन देना चाहिए, चाहे उनकी विचारधारा और पार्टी संबद्धता कुछ भी हो। उन्होंने कहा कि राज्य के 119 विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को भारत जोड़ो जनसभा में भाग लेना चाहिए।

सीएलपी नेता विक्रमार्क ने आरोप लगाया कि राज्य और देश के शासक विभाजनकारी राजनीति में लिप्त हैं और क्रोनी पूंजीपतियों की मदद के लिए देश को लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने एक महान लक्ष्य के साथ पदयात्रा शुरू की थी और कहा कि यह यात्रा देश के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण होगी।

आत्मदाह करने वाले इंजीनियरिंग छात्र की मौत

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इब्राहिमपट्टनम के एक निजी कॉलेज में बुधवार दोपहर खुद को आग लगाने वाले इंजीनियरिंग के एक छात्र की रविवार को शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

इंजीनियरिंग सीएससी तृतीय वर्ष का कोर्स कर रहे वामशी पाटिल बुधवार को सेनेटाइजर की बोतल लेकर कॉलेज परिसर में आए। उसने खुद को तरल पदार्थ से डुबोया और खुद को आग लगा ली। यह देखते ही कॉलेज स्टाफ उनके बचाव के लिए दौड़ा और आग पर काबू पाने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। रविवार को उसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पूछताछ के दौरान हमें पता चला कि वामशी की एक लड़की से दोस्ती थी और कुछ बातों को लेकर उनके बीच मतभेद हो गए थे। इब्राहिमपट्टनम के इंस्पेक्टर जी रामा कृष्णा ने कहा कि वह डिप्रेशन में जाने के कारण ऐसा कदम उठा सकता है।

मंत्री जगदीश रेड्डी ने भाजपा नेताओं पर जताया रोष

भाजपा पर लगाया मीडिया संगठनों को गलत जानकारी देने का आरोप

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने मुनुगोडु विधानसभा उपचुनाव में मतगणना के दौरान अति उत्साह दिखाने के लिए प्रतिद्वंद्वी भाजपा नेताओं पर आज अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता भारत के चुनाव आयोग को धमकाकर उपचुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं। यह कहते हुए कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी ने मतगणना के हर दौर में स्पष्ट बढ़त दिखाई, श्री रेड्डी ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने कुछ मीडिया संगठनों को गलत जानकारी देकर गुमराह किया, क्योंकि वे अपनी पार्टी की बढ़त को पचा नहीं पाए। उन्होंने भाजपा नेताओं से इस तरह की हरकतों को रोकने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र की जनता टीआरएस पार्टी और सीएम केसीआर के साथ है। उन्होंने कहा कि मुनुगोडु के लोगों ने अपनी पार्टी की सिंबल कार के लिए वोट किया और कहा कि चुनाव आयोग के अधिकारियों को परिणाम घोषित करने में कुछ समय लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ केंद्रीय मंत्रियों ने चुनाव आयोग पर दबाव बनाने और उसे प्रभावित करने की कोशिश की। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा नेताओं के प्रयासों का निर्वाचन क्षेत्र में कोई परिणाम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर और ऑब्जर्वर मौजूदा नियमों के अनुसार पूरी मतगणना प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही परिणाम घोषित करें। उधर, तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के नेता ने रविवार सुबह शुरू हुए मुनुगोड़े उपचुनाव की मतगणना की घोषणा में देरी पर गुस्सा जताया। राज्य के ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने मुनुगोड़े उपचुनाव के राउंड-वाइज चुनाव परिणामों की घोषणा में देरी पर अपना गुस्सा व्यक्त किया। मंत्री ने देरी की शिकायत की और अधिकारियों से हर दौर की मतगणना के बाद परिणाम घोषित करने को कहा।

सीईओ ने मतगणना विवरण साझा करने में देरी के आरोपों को किया खारिज

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने मतगणना विवरण घोषित करने में जानबूझकर देरी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सभी विवरणों की पूरी तरह से जांच की जा रही है और रिटर्निंग अधिकारी, पर्यवेक्षक और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से पुष्टि के बाद, विवरण जनता में साझा किया जा रहा है। मुनुगोडु उपचुनाव में मतगणना के लिए 15 राउंड हुए हैं। उन्होंने रविवार को यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक दौर की मतगणना और आधिकारिक पुष्टि में करीब 25 से 30 मिनट का समय लग रहा है।

अन्य राज्यों में जहां उपचुनाव चल रहे हैं, वहां परिणाम जल्दी घोषित होने पर सीईओ ने कहा कि यह ध्यान में रखना चाहिए कि उन राज्यों में केवल पांच से छह उम्मीदवार हैं, लेकिन मुनुगोडु में 47 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा, उम्मीदवारों को मिले वोटों के बावजूद, विशेष रूप से स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने वालों को, सभी विवरणों को क्रॉस-चेक करना होगा और उनके साथ साझा करना होगा। उन्होंने कहा कि इसमें समय लगता है। सीईओ ने कहा कि प्रत्येक दौर में लगभग 30 मिनट लगते हैं, अंतिम परिणाम घोषित होने में लगभग 7.5 घंटे लगेंगे।

मलकाजगिरी में डंप यार्ड हटाने पर केंद्र के खिलाफ टीआरएस का धरना

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र के टीआरएस (अब बीआरएस) नेताओं ने केंद्र सरकार द्वारा मलकाजगिरी में गांधी सामुदायिक हॉल में डंपिंग यार्ड को हटाने की मांग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र प्रभारी मर्री राजशेखर रेड्डी ने कहा कि हम छावनी क्षेत्र में मुद्दों को हल करने के लिए लगातार लड़ रहे हैं और इसके एक हिस्से के रूप में विरोध का आयोजन किया गया है। इसमें छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जक्कुला महेश्वर रेड्डी, पूर्व छावनी बोर्ड के सदस्य-श्याम कुमार, प्रभाकर, नलिनी, लोकनाथम, पांडु यादव, नरसिम्हा और अन्य ने कार्यकर्ताओं और मलकाजीगिरी संसदीय क्षेत्र के निवासियों के साथ विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

नशे के आदी युवाओं के लिए पुनर्वास कार्यक्रम आयोजित करेगी हैदराबाद पुलिस

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में कुछ छात्र नियमित रूप से ड्रग्स का इस्तेमाल कर रहे हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से उनसे संपर्क करने के बाद पेडलर्स से सोर्सिंग कर रहे हैं, इसकी जानकारी नगर पुलिस को 'ड्रग चॉकलेट बार' मामले की हालिया जांच के दौरान पता चला है। नगर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चार से पांच प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के छात्र पार्टियों और मिलन समारोहों के दौरान नियमित रूप से ड्रग्स खरीदते और खाते पाए गए। अधिकारी ने कहा कि हमारे पास उनका विवरण है और जल्द ही हम स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ और उनके परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में उनके लिए एक पुनर्वास कार्यक्रम आयोजित करेंगे। पुलिस ने शनिवार को नरसिंगी निवासी ऋषि संजय मेहता (22) को गिरफ्तार कर 48 बार नशीला चॉकलेट और 40 ग्राम हैश ऑयल जब्त किया था। पुलिस सूत्रों ने कहा कि कुछ ग्राहक शहर के जाने-माने परिवारों से हैं और उनमें से कुछ लड़कियां हैं। संचार प्रतीकों के माध्यम से होता है न कि शब्दों के माध्यम से, ताकि कोई तीसरा व्यक्ति इसे न समझे। केवल पेडलर और खरीदार ही संकेतों को समझते हैं। इस बीच,

हैदराबाद के पुलिस आयुक्त, सीवी आनंद पुलिस अधिकारियों और शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन के साथ एक बैठक करेंगे, ताकि ड्रग-विरोधी समितियों (एडीसी) के लिए प्रोटोकॉल का मसौदा तैयार करने में उनके सुझाव मांगे जा सकें। हैदराबाद पुलिस ने हाल ही में एक अधिसूचना जारी कर सभी कॉलेजों में 'ड्रग-विरोधी समितियों' का गठन करना अनिवार्य कर दिया है। उच्च शिक्षण संस्थानों में इन समितियों में संकाय और छात्रों से कम से कम पांच सदस्य शामिल होंगे और परिसर में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए काम किया जाएगा।

एडीसी (एंटी-ड्रग कमेटी) शहर की पुलिस द्वारा विकसित मार्गदर्शक सिद्धांतों के तहत काम करेंगे और विभिन्न डिजिटल अभियानों, कार्यशालाओं, सेमिनारों के माध्यम से नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए यह सुनिश्चित करने के लिए उनके परिसरों को इस संकट से मुक्त करने के लिए सौंपा गया है। मादक पदार्थ कई मामलों में युवा पकड़े जाते हैं, पुलिस विशेषज्ञ की निगरानी में उनके पुनर्वास पर अधिक जोर दे रही है।

Box

पुलिस ने गोवा ड्रग सरगना के खिलाफ पीडी अधिनियम लागू करने की प्रक्रिया शुरू की

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में शनिवार को गिरफ्तार किए गए एडविन नून्स उर्फ एडविन के खिलाफ हैदराबाद पुलिस ने पीडी एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। वह कथित तौर पर शहर में दर्ज तीन मामलों में शामिल है।

एडविन, जिसे पूरे भारत में लगभग 50,000 लोगों के साथ संबंध रखने वाले मादक पदार्थों की तस्करी नेटवर्क का सरगना माना जाता है, को हैदराबाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और रामगोपालपेट पुलिस द्वारा एक समन्वित अभियान में गिरफ्तार किया गया था। वह तीन महीने से गिरफ्तारी से बच रहा था। एक वेटर से ड्रग किंगपिन का विदेशी ड्रग तस्करी सिंडिकेट के साथ अच्छे संपर्क होने के कारण, एडविन कथित तौर पर गोवा में अंजुना से संचालित सबसे प्रभावशाली ड्रग तस्करों में से एक है।

हैदराबाद पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उनके खिलाफ पीडी अधिनियम लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद आदेश जारी किए जाने की संभावना है।

इस बीच, पुलिस आगे की जांच के लिए एडविन की हिरासत की मांग करते हुए अदालत के समक्ष एक याचिका दायर करेगी। पुलिस नेटवर्क की पहचान करने और तेलंगाना में एडविन से जुड़े सभी लोगों को पकड़ने और उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की कोशिश कर रही है।

मुझे दो सत्ताधारी दलों का सामना करना पड़ा : पलवई श्रावंती

नलगोंडा, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोड़े उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार पलवई श्रावंती ने रविवार को कहा कि उन्हें चुनाव में दो सत्तारूढ़ दलों के उम्मीदवारों का सामना करना पड़ा है। मतगणना पूरी होने के बाद मतगणना केंद्र में मीडिया से बात करते हुए, श्रावंती ने कहा कि वह मुनुगोड़े के लोगों के फैसले का सम्मान करेंगी। उपचुनाव में सत्ता और धन के दुरुपयोग का बोलबाला था। उन्होंने कहा कि उपचुनावों में उनकी हार के अलग-अलग कारण थे। उन्होंने अपने खिलाफ प्रचार करते हुए दो सत्तारूढ़ दलों, यानी केंद्र में भाजपा और राज्य में टीआरएस का सामना किया था। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही अपने भविष्य की कार्रवाई की घोषणा करेंगी।

पूर्णिमा कवि सम्मेलन चिल्कूर बालाजी में कल

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी द्वारा प्रतिमास आयोजित होने वाला कवि सम्मेलन कार्तिक पूर्णिमा मंगलवार, 8 नवंबर को सूर्य ग्रहण होने के कारण प्रातः 10-30 बजे से नगर से 20 किमी दूर स्थित ऐतिहासिक चिल्कूर बालाजी मंदिर, गंडीपेट के पिछले किनारे पर संपन्न होगा। गीत चाँदनी के सह-कार्यदर्शी, संचालक व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि प्रातः 10 बजे गण्डीपेट के किनारे गंगा मैया की पूजा और दीप प्रज्ज्वलित किये जाएँगे। तत्पश्चात् विश्व-शांति, विश्व-बधुत्व, राष्ट्रीय एकता और सद्भावना के निमित्त चिल्कूर बालाजी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना का कार्यक्रम संपन्न होगा। कवि सम्मेलन में नगर के कविगण जीवन से जुड़ी विभिन्न कविताएँ, मुक्तक, गीत और ग़ज़लों के साथ-साथ हास्य-व्यंग्य की रचनाएँ और देश की समसामयिक परिस्थितियों पर अपनी कविताओं का पाठ करेंगे। कवि सम्मेलन की संयोजिका रत्नकला मिश्रा रहेंगी।

तुलसी-सालिगराम भगवान का कल्याणोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोलिटेयर हारमोनी, माधापुर में तुलसी-सालिगराम भगवान के विवाह का आयोजन किया गया। विवाह में शामिल माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, मुख्य आयोजक सरोज ने कन्यादान, पूजन-अर्चन कर तुलसी विवाह संपन्न किया। इसमें शिरिषा, भाग्यलक्ष्मी, मीता, नम्रता, वीनू, नीलिमा, श्रावंति एंव अन्य लोगों ने शादी में शामिल होकर तुलसी सालिगराम भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।

पुलिस ने चादरघाट में चलाया तलाशी अभियान, 10 गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर की चादरघाट थाने की पुलिस ने पद्मनगर में रविवार को घेराबंदी कर घंटो तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान में करीब 500 पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया। पुलिस ने कॉलोनी में घरों की तलाशी ली और 10 संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। वाहनों का दस्तावेज ने दिखा पाने पर पुलिस ने 45 बाइक जब्त कर लिया। अवैध बिक्री और रिफिल में इस्तेमाल किए गए सात एलपीजी सिलेंडर, एक बेल्ट की दुकान पर छापेमारी के बाद 65 शराब की बोतलें और एक दुकान से मिलावटी तेल के डिब्बे मिले। ऑपरेशन का नेतृत्व डीसीपी (पूर्व) सुनील दत्त ने किया।

नगर में अलग-अलग मामलों में दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में अलग-अलग मामलों में शनिवार रात दो लोगों ने अपनी जान दे दी। राजेंद्रनगर में एक 32 वर्षीय व्यक्ति ने अंबेडकरनगर स्थित अपने घर में फांसी लगा ली। टी. श्रीकांत, जो एक सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता था, पिछले कुछ महीनों से अपने कर्तव्यों में शामिल नहीं हो रहा था और घर पर रह रहा था। शनिवार की शाम वह शराब के नशे में घर आया और परिजनों से झगड़ा कर लिया। राजेंद्रनगर पुलिस ने कहा कि बाद में वह बेडरूम में गया और पंखे से लटक गया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

दूसरे मामले में, छत्रीनाका के अंबिकानगर के एक बढ़ई, एम. रमेश (55) की उसके घर पर आत्महत्या करने से मौत हो गई।

पारगी में आदमी ने पिता को मार डाला

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद में शनिवार रात एक बुजुर्ग व्यक्ति को उसके बेटे ने पारिवारिक मुद्दों के चलते मार डाला।

65 वर्षीय मल्लैया अपनी पत्नी और बेटे महेश के साथ विकाराबाद जिले के परगी मंडल के नस्कल गांव में रहते थे। शनिवार की रात महेश नशे की हालत में घर आया और पारिवारिक किसी बात को लेकर अपने माता-पिता से झगड़ा कर लिया। गुस्से में, महेश ने एक छड़ी ली और अपने पिता के सिर पर प्रहार किया। मलैया के सिर में चोट लगी और वह मौके पर ही गिर गया। डॉक्टरों ने उसकी जाँच की, उसे मृत घोषित कर दिया, परगी पुलिस ने कहा कि जब उसने हस्तक्षेप करने की कोशिश की तो उस व्यक्ति ने अपनी माँ पर भी हमला किया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया, जबकि मल्लैया के शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया. मामला दर्ज किया गया है।

श्रीमद्भागवत कथा के संदर्भ में बंगारू मैसम्मा माता मंदिर में बैठक

फरवरी में होने वाली कथा की तैयारी पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले वर्ष की तरह पुनः इस वर्ष 2 फरवरी गुरुवार 2023 से 8 फरवरी बुधवार 2023 तक श्रीमदभागवत कथा एवं श्री लक्ष्मीनारायण पंचकुंडी महायज्ञ के संबंध में इमलीबन पार्क स्थित श्री बंगारू मैसम्मा माता मंदिर में सभा का आयोजन मंदिर के पुजारी मंत्री अनील पाण्डेय के सान्निध्य में किया गया है। इसमें सुखेन्द्र शास्त्री जी (चित्रकूट धाम) को कथावाचक एवं रामनरेश शास्त्री को यज्ञ आचार्य नियुक्त किया गया और कार्यक्रम के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित कार्यक्रम के लिए पं. अनील पाण्डेय महाराज तथा उत्तर भारती नागरिक संघ के चेयरमैन एन.के. सिंह को आयोजक नियुक्त किया गया एवं सरला आशोक यादव, रमेश यादव, शंकर (कार्पोरेटर), श्रीशैलम यादव, अंजनेयलु यादव, भगवान दास, एसके वर्मा, गजानंद चौधरी, रघुनंदरन गोप, मनोहर सिंह, राजू श्रीवास्तव, नंदकिशोर अहीर, महेन्द्र पाण्डेय, गजेन्द्र शुक्ला, दिनेश शुक्ला, रामनरेश तिवारी आदि इस बैठक में उपस्थित हुए।

CLASSIFIEDS

LOSS OF DOCUMENT

I Sanjeev Kumar B S/o Binod Kumar Agarwal R/o P.No.126, G.R Nagar, Vampuguda, Kapra - 62, MM Dist. (TS), would like to inform that I have misplaced my ORIGINAL AGREEMENT OF SALE CUM GENERAL POWER OF ATTORNEY WITH POSSESSION bearing No.1854/2012 Registered at SRO, Keesara. If any one finds it, kindly contact at 9566510154.

(Ro.No.061578)

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवाहन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अनंत सिंह की पत्नी 16707 वोटों से जीतीं

गोपालगंज में बीजेपी की कुसुम विजयी

पटना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। उपचुनाव में महागठबंधन और बीजेपी की लड़ाई बराबर पर रही। मोकामा में आरजेडी के प्रत्याशी और गोपालगंज में बीजेपी की प्रत्याशी की जीत हुई है। मोकामा में बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी ने बीजेपी की सोनम देवी को 16707 वोटों से हराया है। यहां आरजेडी को 79646 और भाजपा को 62939 वोट मिले। हालांकि पिछली बार की जीत से इस बार की जीत की मार्जिन कम हुई है।

गोपालगंज में बीजेपी की कुसुम देवी ने आरजेडी के मोहन गुप्ता को आखिरी राउंड में 2183 वोट से हरा दिया। आखिरी राउंड तक यहां पर कांटे की टक्कर रही। भास्कर ने 3 नवंबर को वोटिंग खत्म होने के बाद ही बता दिया था कि गोपालगंज सीट पर बीजेपी की प्रत्याशी जीतेंगी, जबकि मोकामा में अनंत सिंह का राज कायम रहेगा।

गोपालगंज में बीजेपी की कुसुम देवी शुरू से ही बढ़त बना ली थीं। 20वें राउंड में आरजेडी

कुसुम देवी

के मोहन गुप्ता आगे निकल गए। उन्होंने 1135 वोट की बढ़त ले ली, लेकिन 22वें राउंड में फिर बीजेपी आगे निकल गई। आखिरी 24वें राउंड तक बीजेपी ने बरकरार रखी और जीत दर्ज की।

गोपालगंज में 18वें राउंड में काउंटिंग लगभग एक घंटे तक रुकी रही। वहां के डिप्टी कलेक्टर के मुताबिक इलेक्शन कमीशन और फिजिकल काउंटिंग में अंतर होने के कारण गोपालगंज में काउंटिंग रोकी गई थी। मोकामा उपचुनाव के लिए वोटों की गिनती पटना के मीठापुर आर्यभट्ट यूनिवर्सिटी में हुई। वहीं गोपालगंज वोट की गिनती थावे डायट केंद्र में हुई। चुनाव के नतीजे आने से पहले ही मोकामा के लिए पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने राजद को बधाई दे दी थी। उन्होंने इसे लेकर ट्वीट किया है और जीत की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

पिछले 17 सालों से बाहुबली नेता अनंत सिंह लगातार मोकामा से जीतते आ रहे हैं। 4 बार से इस सीट पर उनका कब्जा रहा है। कोर्ट से सजा होने के बाद अनंत सिंह को विधायकी छोड़नी पड़ी तो राजद ने अनंत की पत्नी नीलम देवी को उम्मीदवार बना दिया। इनका मुकाबला बीजेपी प्रत्याशी और ललन सिंह की पत्नी सोनम देवी से था। आखिरकार नीलम देवी अपने पती अनंत सिंह की जीत कायम रखी। हालांकि जीत की मार्जिन कम हो गई।

कुसुम देवी को मिली सहानुभूति

पूर्व मंत्री सुभाष सिंह के निधन के बाद गोपालगंज सदर विधानसभा खाली होने के बाद बीजेपी ने उनकी पत्नी कुसुम देवी को उम्मीदवार बनाया था। कुसुम देवी को यहां सहानुभूति वोट से आखिरकार जीत गई हैं। कुछ हद तक खेल लालू यादव के साले साधू यादव ने अपनी पत्नी इंदिरा यादव को चुनाव में उतार कर आरजेडी का बिगाड़ दिया।

संजय जयसवाल ने कहा कि हमने दोनों जगह पर बेहतर प्रदर्शन किया। गोपालगंज सीट हम लोगों ने दोबारा जीती है। मोकामा में 27 साल बाद बीजेपी चुनाव लड़ी। अब तक के इतिहास में विपक्षी पार्टी को इससे बेहतर वोट नहीं मिले हैं।

इस बार हम लोगों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इस बार 8 दलों के खिलाफ अकेले भाजपा ने चुनाव लड़ा था और हमारा प्रदर्शन शानदार रहा है।

ओमप्रकाश राजभर बोले- सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी समाजवादी पार्टी के नेता

मऊ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार अंसारी के पुत्र व मऊ सदर विधानसभा सीट से विधायक अब्बास अंसारी की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रहीं। जहां प्रयागराज में आय से अधिक संपत्ति के मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया है। वहीं रविवार को सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने उन्हें पार्टी का नहीं बल्कि समाजवादी पार्टी का नेता बताया। ओमप्रकाश राजभर नगर के गाजीपुर तिराहा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती एक युवक को देखने पहुंचे थे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मऊ सदर से अब्बास अंसारी सुभासपा के सिंबल पर चुनाव जरूर लड़े, लेकिन वे समाजवादी पार्टी के नेता और प्रत्याशी थे। उन्होंने बताया कि गठबंधन के तहत समाजवादी पार्टी ने उन्हें 12 सीटें दी थी। जिनमें से एक अब्बास अंसारी का भी था । ऐसे में अब्बास को पार्टी से निकालने के सवाल पर कहा

कि यह हमारा काम नहीं, चुनाव आयोग का काम है। बाकी समाजवादी पार्टी क्या करती है इस बारे में कुछ नहीं कहना है। अपने बयानों से हमेशा चर्चा में बने रहने वाले ओमप्रकाश राजभर ने फिर ऐसा बयान दे दिया जिससे सियासी पारा चढ़ना तय है। मालूम हो कि माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को ईडी ने गिरफ्तार किया है।

इसके बाद ओमप्रकाश राजभर ने पलटी मारते हुए अपने ही विधायक अब्बास अंसारी से किनारा करना शुरू कर दिया है। टिकट के लिए पैसे लेने के आरोप पर उन्होंने कहा कि सुभासपा में किसी भी प्रत्याशी से कोई पैसा नहीं लिया गया।

अलबत्ता कई प्रत्याशी ऐसे थे जो बेहद गरीब थे। उन्हें पार्टी द्वारा पैसा देकर चुनाव लड़ाया गया। भारतीय जनता पार्टी से नजदीकियों के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारा संबंध से सभी दलों और उनके नेताओं से है। समय-समय पर संबंधों का निर्वहन भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि सुभासपा लोकसभा चुनाव 2024 के लिए तैयारी में जुटी हुई है। कहा लोकसभा चुनाव काफी रोचक होने वाला है।

सार्वजनिक मंच पर छलका अनुप्रिया पटेल का दर्द

लखनऊ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अपना दल सोने लाल की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने 69 हजार शिक्षक भर्ती में हुई गड़बड़ियों के मामले को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को घेरा और कहा कि हम मुद्दे के साथ हैं इस पर सकारात्मक फैसला लेकर रहेंगे।

उन्होंने कहा, "69 हजार शिक्षक भर्ती प्रकरण में आरक्षण संबंधी विसंगतियों को दूर करके पिछड़ों के साथ न्याय होना चाहिए। इसमें कुछ समाधान हुआ था, लेकिन अभी संपूर्ण समाधान होना बाकी है और इस बात को हम निरंतर उत्तर प्रदेश की सरकार के मुखिया के समक्ष भी रख रहे हैं। इसके अलावा, अपने सहयोगी दल की टॉप लीडरशिप के साथ भी बात कर रहे हैं और इस मसले पर हम लगातार आवाज उठाते रहेंगे।" वह अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में बोल रही थीं, जहां उन्होंने वह दर्द भी साझा किया, जिसे वह लेकर जीने को मजबूर हैं। अनुप्रिया ने अपने ही परिवार

पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि उन्होंने डॉक्टर सोने लाल पटेल के रास्ते पर चलने का फैसला लिया, जिसके बाद उन्हें और उनकी बहन को संपत्ति से बेदखल कर दिया गया।

अनुप्रिया पटेल ने कहा कि उनकी पुत्री होने के नाते, पिता के रूप में उन्होंने जो कुछ भी मेरे लिए बनाया, उस संपत्ति से ही मैंने खुद को अलग कर लिया। मेरी छोटी बहन ने भी पिता के रास्ते पर चलने का फैसला लिया और संपत्ति से बेदखल हो गईं।

उन्होंने आगे कहा, "सोने लाल पटेल साहब कहते थे कि जब भी आप समाज में परिवर्तन करने के लिए आगे बढ़ेंगे, तो पहले लोग आपको अपमानित करेंगे। आप नहीं रुकोगे तो आपका उपहास करेंगे, आप फिर भी नहीं रुकोगे और अपने लक्ष्य से नहीं भटकोगे निरंतर आपका कारवां बढ़ता रहेगा तो आपका विरोध शुरू होगा।"

इतना ही नहीं उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को राजनीतिक साजिशों से भी बचने की सलाह दी। अनुप्रिया ने कहा, "जब अपना दल की सफलता सामने आई तो षडयंत्र-साजिशें सबकुछ शुरू हो गया। मेरे लिए सबसे ज्यादा पीड़ा की बात यह रही कि विरोध के स्वर सबसे पहले अपनों के बीच से ही उठने लगे, मेरे मन को बहुत कष्ट हुआ और मैं सालों से इस कष्ट के साथ जी रही हूं, लेकिन अपना दल का जो लक्ष्य है और डॉ सोने लाल पटेल जी का जो सपना है, उसको पूरा किए बिना मैं पीछे हटने वाली नहीं। अपने मन में मैंने ये संकल्प लिया कि शेर बाप की बेटी कभी पीछे नहीं हट सकती। अपना दल करोड़ों कार्यकर्ताओं के संघर्ष और तपस्या से बना हुआ है।"

बीएचयू हॉस्पिटल में डॉक्टर को थप्पड़ मारकर भागे

वाराणसी, 6 नवंबर (एजेंसियां)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सर सुंदरलाल अस्पताल में शनिवार रात 1 बजे कुछ लड़कों ने डॉक्टरों को पीट दिया। जमकर बवाल के बाद भारी संख्या में पुलिस फोर्स को बुलाना पड़ गया। इसके बाद मारपीट करने वाले कुछ लड़के भाग निकले। वहीं, डॉक्टरों ने काफी देर तक इलाज को रोक दिया।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें मारपीट दिख रही है। कुछ लोग गालियां देते हुए बोल रहे कि मार-मार-मार। इसके बाद मामला काफी आगे बढ़ जाता है और वीडियो वहीं पर बंद हो जाता है। बताया जा रहा है कि लंका के पास सामने घाट क्षेत्र में रहने वाला एक युवक अपने दोस्तों और परिजनों के साथ रात 1 बजे अस्पताल पहुंचा था। उल्टी और बुखार होने की समस्या को लेकर वह इमरजेंसी वार्ड में आया था। अस्पताल में अटेंडेंट की डॉक्टर से स्ट्रैचर और दवा की बात को लेकर काफी कहासुनी होने लगी। युवक का आरोप है कि इसी दौरान डॉक्टर ने उसे गाली दे दी। यह सुन वह आपा खो बैठा और डॉक्टर को जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। मामला बिगड़ने लगा तो मौका देख मरीज को छोड़कर वहां से निकल गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने मरीज और उसके परिवार के लोगों की पिटाई कर दी। वहीं, इसके बाद डॉक्टरों ने मरीजों के इलाज संबंधी कामों को पूरी तरह से रोक दिया। इमरजेंसी में इलाज काम बाधित होने से गंभीर मरीजों और उनके अटेंडेंट की हालत खराब होने लगी। मरीज जहां-तहां स्ट्रेचर पर ही बिना दवा-पट्टी के पड़े थे।

अखिलेश-जयंत कर सकते हैं नया प्रयोग

सपा-रालोद की मिशन 2024 और निकाय चुनाव को लेकर चल रही तैयारी

लखनऊ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव तक अपना गठबंधन बनाए रखने के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) एक नया प्रयोग करने की तैयारी में हैं। निकाय चुनाव में ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ताओं को चुनाव लड़ने का मौका देने के लिए दोनों दल सर्वमान्य फारमूला तैयार करने में जुटे हैं। इससे गठबंधन की गांठें भी नहीं खुलेंगी और कार्यकर्ताओं के मन की साध भी पूरी हो सकेगी। सूत्रों के अनुसार दोनों दलों के बीच इस मुद्दे पर बातचीत चल रही है कि नगर निगमों में मेयर और नगर पालिका परिषदों व नगर पंचायतों में चेयरमैन के पदों पर साझा उम्मीदवार उतारे जाएं, जबकि पार्षद व सदस्य के पदों पर दोनों दलों के प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने की छूट दी जाए। इससे दोनों दलों का संगठनात्मक ढांचा भी मजबूत होगा और कार्यकर्ताओं में नाराजगी भी नहीं होगी। दलों दलों के झंडे-बैनर वार्ड-वार्ड लगने से पार्टी को फायदा ही होगा। राजनीतिक दल

आमतौर पर निकाय चुनावों में गठबंधन से परहेज करते हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि निचले स्तर पर पार्टी का संगठन कमजोर पड़े। निकाय चुनाव अक्सर नगरीय क्षेत्रों में पार्टियों के लिए जनाधार बढ़ाने में सहायक होते हैं। महापौर व चेयरमैन का चुनाव भी सीधे मतदान के जरिए होने की व्यवस्था से पार्षदों या सदस्यों की संख्या का कोई खास मतलब नहीं रह जाता है। पिछले विधानसभा चुनाव में दोनों दल साथ-साथ चुनाव लड़कर उसका फायदा देख चुके हैं। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव भी साथ लड़ने की प्रतिबद्धता जाहिर कर चुके हैं। इसी प्रतिबद्धता के तहत सपा ने रालोद मुखिया जयंत चौधरी को राज्यसभा भेजने में मदद की थी।

लोकसभा से पहले नगर निकाय चुनाव आ जाने के कारण दोनों दल किसी तरह के बिखराव का संदेश नहीं देना चाहते। इसके तहत पश्चिमी यूपी में कुछ नगर निगमों में मेयर और निकायों के चेयरमैन के पद पर रालोद प्रत्याशियों को मौका मिल सकता है।

यूपी के 700 शिक्षकों को झटका

रोक दिया गया वेतन

कुशीनगर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के कुशीनगर के जिलाधिकारी ने नगर निकाय चुनाव के लिए डाटा फीडिंग नहीं कर रहे 700 शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन रोक दिया है। जिला प्रशासन की ओर से रविवार को दी गयी जानकारी के मुताबिक जिले के 50 माध्यमिक और 20 संस्कृत विद्यालयों के लगभग 700 शिक्षक एवं कर्मचारियों के विरुद्ध वेतन रोकने की कार्रवाई की गई है। कुशीनगर जिले में 55 वित्त पोषित और 20 संस्कृत विद्यालय संचालित होते हैं। नगर निकाय चुनाव में मतदान और मतगणना में बतौर कार्मिक ड्यूटी के लिए शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का डाटा फीडिंग कराने के लिए जिला प्रशासन की तरफ से निर्देश दिया गया था। कई बार के निर्देशों के बावजूद अभी तक जिले के केवल 05 माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी ने नगर निकाय चुनाव के लिए डाटा फीडिंग करा सके हैं।

बंदर भगाने में जुटी यूपी पुलिस

पीआरडी जवानों का वीडियो वायरल

पीलीभीत, 6 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में लंगूर बंदरों ने आफत मचाई हुई है। अस्पताल हो या रेस्टोरेंट सब जगह बंदरों ने आसमान सिर पर उठाया हुआ है। इतना ही नहीं ये बंदर कभी भी आप पर हमला कर सकते हैं। ऐसे में प्रशासन ने इनके आतंक को रोकने के लिए कदम उठाए हैं। अब बंदरों को भगाने के लिए पुलिस जुट गई है और पीआरडी के जवानों को इस काम के लिए लगाया गया है। इस दौरान पीआरडी के एक जवान पर बंदर ने हमला कर दिया और उनको जख्मी कर दिया।

सड़कों पर खाकी वर्दी पहनकर यूपी पुलिस के जवान बंदरों को भगाने में जुटे हैं। धान मंडी में बंदरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए प्रशासन ने ठोस कदम उठाए हैं। पहला तो ये कि शहर में बंदर छाप पोस्टर लगाए गए और बंदरों को भगाने के लिए पीआरडी के जवानों को लगाया गया। इसी दौरान बंदरों को भगाने में जुटे पीआरडी के एक

जवान महेंद्र पर एक बंदर ने हमला कर दिया और उसके पैर पर काट लिया। इतना ही नहीं बंदरों ने जवान को दौड़ा-दौड़ा कर हमला किया। इसके बाद जवान ने इंजेक्शन लगवाया।

महेंद्र ने बताया कि विभाग ने बंदरों के पोस्टर लगवाए थे, जिन्हें देखकर बंदर भाग जा रहे थे और अब स्थिति काफी राहत में है। उन्होंने यह भी बताया कि इंफेक्शन से बचने के लिए उन्होंने भी इंजेक्शन लगवा लिया है और अब कोई दिक्कत नहीं है।

उधर, छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर में भी इसी तरह का मामला सामने आया है। यहां भी लोग बंदरों से परेशान हैं। यहां तीन बंदरों ने खूब उत्पात मचाया हुआ है और ये अभी तक 10 लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं। ओडिशा से आई एक महिला को भी इन बंदरों ने अपना शिकार बनाया और उसके पैर का मांस नोच ड़ाला।

घायल महिला को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां के डॉक्टरों ने आशंका जताई कि अगर जल्द ही महिला को इलाज नहीं दिया गया तो उनके पैर भी काटने पड़ सकते हैं। वहीं, दुर्ग के डीएफओ शशि कुमार ने बताया कि तीनों बंदर नर हैं और बंदरों के झुंड ने उन्हें अलग कर दिया था, जिसके बाद वो हिंसक हो गए। शशि कुमार ने कहा कि कसारीडीह क्षेत्र में कुछ लड़कों ने बंदरों को पत्थरों से मारा और काफी परेशान भी किया। इस वाकिए के बाद ये बंदर इतने ज्यादा हिंसक हो गए कि लोगों पर हमला शुरू कर दिया। वन विभाग, राजनांदगांव और रायपुर की विशेष टीम ने तीनों बंदरों को पकड़ लिया।

लखनऊ की हवा में जहर बरकरार

गाजियाबाद-नोएडा में हालात हद से ज्यादा खराब

लखनऊ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में शनिवार को भले ही 74 अंकों की गिरावट आई हो, लेकिन हवा निरंतर जहरीली बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की शनिवार शाम की रिपोर्ट के मुताबिक एक्यूआई 216 रहा। ऐसी हवा एक्यूआई मानकों के हिसाब से ऑरेंज जोन यानी खराब श्रेणी में है। तालकटोरा, लालबाग की हवा शनिवार भी बेहद खराब श्रेणी में रही। यहां अधिकतम एक्यूआई 350 के पार रहा। पीसीबी के नोटिस पर औद्योगिक क्षेत्र की दो फैक्ट्रियां बंद हो गई हैं।

लालबाग-तालकटोरा की हवा सर्वाधिक दमघोंटू घने यातायात, टूटी सड़कों से लालबाग और औद्योगिक इकाइयों, भवन निर्माण सामग्री की दुकानों से तालकटोरा की हवा सुधरने का नाम नहीं ले रही है। तालकटोरा का एक्यूआई 334 दर्ज किया गया, यहां अधिकतम एक्यूआई 379 दर्ज किया गया।

नीतीश-ललन पर बरसे आरसीपी

चाचा से बचके रहे भतीजा, ललन सिंह का जनाधार नहीं, सीएम मस्ती कर रहे थे स्टीमर में!

मुंगेर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और जनता दल यूनाइटेड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने एक बार फिर नीतीश कुमार और ललन सिंह पर करारा प्रहार किया है। मुंगेर में एक कार्यक्रम के दौरान आरसीपी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को मजदूरों की मंडी बनाकर रख दिया। ललन सिंह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भले ही बन गए, लेकिन उनका अपना कोई जनाधार नहीं है। इशारों इशारों में आरसीपी ने भतीजा तेजस्वी यादव को चाचा से सतर्क रहने की सलाह दी।

जमालपुर में पटेल सेवा संघ द्वारा आयोजित सरदार वल्लभ भाई पटेल की 146 वी जयंती में बतौर मुख्य अतिथि आरसीपीसी मुंगेर पहुंचे थे। उन्होंने खुले मंच से नीतीश कुमार और ललन सिंह दोनों की क्लास लगाई।

आरसीपी ने कहा कि एनडीए कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत ललन सिंह चुनाव जीते। अबकी बार वे जमानत भी नहीं बचा पाएंगे। क्योंकि उनका कोई जनाधार नहीं है। खुद ललन सिंह को भी अपनी औकात अच्छी तरीके से पता है।

संबोधन के दौरान आरसीपी ने बिहार की महागठबंधन सरकार पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि चाचा की फितरत सभी जानते हैं। भतीजा संभल कर रहे वरना चाचा कभी भी पलट जाएंगे। आरसीपीसी ने नीतीश कुमार के उप चुनाव प्रचार में नहीं जाने पर भी तंज कसा।

राज्य में विकास के सरकारी दावों पर आरसीपी ने कहा कि एक भी ढंग का होटल राज्य में नहीं है। आज तक कोई फाइव स्टार होटल बिहार में नहीं बना। राज्य मजदूरों की मंडी बनकर रह गया है। यहां से देशभर में मजदूर बुलाए जाते हैं।

आरसीपी ने नीतीश कुमार पर छठ घाट के निरीक्षण दौरान स्टीमर में मौज-मस्ती का भी आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि बिहार में जब मुख्यमंत्री सुरक्षित नहीं है तो राज्य में कौन सुरक्षित हैं? मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि जरूर स्टीमर के अंदर भुजा पार्टी चल रही होगी। इसी वजह से स्टीमर टकरा गई और मुख्यमंत्री को चोट लग गई।

तेजस्वी की मामी इंदिरा और ओवैसी ने डुबोई आरजेडी की नैया

गोपालगंज में बीजेपी की जीत के बड़े कारण

गोपालगंज, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की गोपलगंज विधानसभा सीट पर आरजेडी को बीजेपी से करीबी मुकाबले में हार मिली है। बीजेपी प्रत्याशी कुसुम देवी ने आरजेडी के मोहन प्रसाद गुप्ता को महज 1789 वोटों से हराया। महागठबंधन में शामिल जेडीयू-कांग्रेस समेत अन्य पार्टियों के समर्थन के बावजूद आरजेडी उम्मीदवार की हार होने का मुख्य कारण बीजेपी नहीं बल्कि कोई और है। गोपालगंज में आरजेडी की नैया डुबोने वाले डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के मामा साधु यादव और असदुद्दीन ओवैसी हैं।

24 राउंड की काउंटिंग के बाद गोपालगंज में बीजेपी उम्मीदवार कुसुम देवी को 41.6 फीसदी यानी 70053 वोट मिले। दूसरे नंबर पर रहे आरजेडी प्रत्याशी मोहन प्रसाद गुप्ता को भी 40.53 फीसदी यानी 68,259 मत हासिल हुए। हार का अंतर महज 1789 वोट रहा। इस सीट पर तीसरे नंबर पर असदुद्नी ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के प्रत्याशी अब्दुल सलाम को 12 हजार वोट मिले। इसके बाद बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ीं साधु यादव की पत्नी इंदिरा यादव को भी 8854 मत हासिल हुए।

गोपालगंज में आरजेडी की हार का प्रमुख कारण डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की मामी इंदिरा देवी रहीं। बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ीं इंदिरा ने महागठबंधन के वोटबैंक में सेंध लगाई और 8800 से ज्यादा वोट काटे। इस वजह से आरजेडी को बहुत कम अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

इसी तरह ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के प्रत्याशी ने भी 12 हजार से ज्यादा वोट हासिल कर आरजेडी का खेल बिगाड़ दिया। एआईएमआईएम ने भी आरजेडी के वोटों में सेंधमारी की और बीजेपी करीबी मुकाबले में जीत गई। वोटिंग से पहले तेजस्वी यादव ने ओवैसी को बीजेपी की बी टीम बताया था।

डेंगू के ज्यादा मरीजों वाले क्षेत्र हॉट स्पॉट बनेंगे

अभियान चलाकर किए जाएंगे ये काम

लखनऊ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में डेंगू से निपटने के लिए प्रशासन ने नई रणनीति तैयार की है। अब जिस इलाके से डेंगू के ज्यादा मरीज आएंगे उसे हॉट स्पॉट घोषित किया जाएगा। शनिवार को डीएम ने डेंगू-मलेरिया समेत अन्य संचारी रोगों के खिलाफ चल रहे अभियान की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि डेंगू के ज्यादा मरीज वाले क्षेत्रों को हॉट स्पॉट घोषित कर वहां फॉगिंग, एंटी लार्वा, चूने के छिड़काव का लगातार बड़े पैमाने

पर अभियान चलाया जाए।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया कि अब तक 950 डेंगू के मरीज मिले हैं। नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने डीएम सूर्य पाल गंगवार को बताया कि चिह्नित इलाकों में फॉगिंग कराई जा रही है। डीएम ने कहा कि अगले दो दिनों में ऐसे सभी क्षेत्रों में अभियान चलाएं जहां मरीज ज्यादा मिल रहे हैं। बैठक में प्लेटलेट की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। बैठक में डीएम ने संचारी रोगों के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने का भी निर्देश दिया।

स्कूलों में सुबह 15 मिनट चलेगा जागरूकता वीडियो बैठक में डीएम ने निर्देश दिया कि सभी स्कूलों में संचारी रोगों से बचाव के लिए पोस्टर लगाए जाएं। जिन स्कूलों में स्मार्ट क्लास की व्यवस्था है वहां सुबह नौ से सवा नौ बजे के बीच 15 मिनट का जागरूकता वीडियो चलाएं। साथ ही यू ट्यूब के माध्यम से भी छात्रों को जानकारी दें। वहीं शनिवार को 40 लोग डेंगू की जद में आ गए हैं। सबसे ज्यादा छह लोग आलमबाग में डेंगू की चपेट में आ चुके हैं। अब तक 150 से अधिक लोग यहां डेंगू की जद में आ चुके हैं। छावनी कैंट में डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है।

आर-पार के मूड में केरल सरकार

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद के खिलाफ जाएगी सुप्रीम कोर्ट

तिरुवंतपुरम, 6 नवंबर (एजेंसियां)। केरल की पिनाराई विजयन सरकार राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ अपने नवीनतम बचाव में सर्वोच्च न्यायालय का रुख कर सकती है। मामले के जानकार अधिकारियों का कहना है कि सरकार का कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञों के साथ परामर्श पहले से ही चल रहा था। राज्य सरकार के एक अधिकारी का कहना है कि राज्यपाल खान के हस्तक्षेप ने कई विश्वविद्यालयों के कामकाज को प्रभावित किया है और प्रमुख विधेयकों पर हस्ताक्षर करने में उनकी देरी ने राज्य में एक प्रशासनिक शून्य पैदा कर दिया है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका में किन-किन मुद्दों को उठाएगी।

इससे पहले अगस्त में सरकार द्वारा लाए गए 11 अध्यादेशों पर राज्यपाल द्वारा हस्ताक्षर कर दिया था। जिसके बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और पिनाराई विजयन सरकार के बीच रिश्ते असहज हो गए ते। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार ने बाद में उन विधेयकों को पारित करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया। हालांकि बाद में

खान ने अधिकांश विधेयकों पर हस्ताक्षर किए, लेकिन फिर भी दो पर रोक जारी रखी। इन दो विधेयकों में एक लोकायुक्त की शक्तियों को कम करने के लिए था और दूसरा विश्वविद्यालयों के कुलपति के रूप में राज्यपाल की शक्तियों को कम करने के लिए। राज्य सरकार के अधिकारी ने एचटी को बताया कि सरकार अन्य विपक्षी शासित राज्यों से भी संपर्क करने की योजना बना रही है, जो संबंधित राज्यपालों के साथ हैं। अगस्त के बाद से, राज्य सरकार के नेताओं ने अक्सर खान पर आरोप लगाया है कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा को राज्य के शिक्षा क्षेत्र में लाने की कोशिश कर रहे थे, एक आरोप जिसे उन्होंने साबित करने के लिए कहा है। राज्य में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार का नेतृत्व करने वाली भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, हम इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की योजना बना रहे हैं। शनिवार को, पत्रकारों के बीच लीक हुए सरकारी रिकॉर्ड से पता चलता है कि सरकार ने संवैधानिक और कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करने के लिए अब तक 46.90 लाख रुपये खर्च किए हैं। एचटी ने पहले बताया था कि सरकार 15 नवंबर को राजभवन के बाहर विरोध प्रदर्शन की भी योजना बना रही है। सरकार पर राज्यपाल के हमले जारी

दूसरी ओर, राज्यपाल खान ने सरकार के खिलाफ अपना हमला जारी रखा है। अक्टूबर के मध्य में, उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि उन्हें उस महीने की शुरुआत में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की विदेश यात्रा के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई थी। पत्र में, खान ने कहा कि उन्हें इस बारे में भी कोई जानकारी नहीं है कि विजयन की अनुपस्थिति के दौरान सरकार के प्रबंधन का काम किसे सौंपा गया था। पिछले हफ्ते, उन्होंने सीएम के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनका कार्यालय राज्य में तस्करी गतिविधियों को संरक्षण दे रहा है। उन्होंने हाई प्रोफाइल तस्करी मामले में मुख्य आरोपियों में से एक स्वप्ना सुरेश द्वारा लिखी गई एक किताब के अंश भी उद्धृत किए। सुरेश ने अक्टूबर में जारी किताब में विजयन और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कई आरोप लगाए थे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- तुला	में	कन्या...	02-47 बजे
चंद्र- मेष	में	तुला-	04-53 बजे
मंगल मिथुन	में	वृश्चिक	07-03 बजे
बुध- तुला	में	धनु---	09-16 बजे
गुरु- मीन	में	मकर-	11-22 बजे
शुक्र- तुला	में	कुंभ-	13-13 बजे
शनि- मकर	में	मीन...	14-51 बजे
राहु- मेष	में	मेष--	16-27 बजे
केतु- तुला	में	वृष--	18-12 बजे
		मिथुन..	20-13 बजे
		कर्क...	22-24 बजे
		सिंह...	00-37 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पूर्व -कांच में मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी **- 16-16** तक उपरान्त, पूर्णिमा
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष , सोमवार **07 Nov**
नक्षत्र - अश्विनी-**00 -37** - राततक उपरान्त, भरणी
योग - सिद्ध - **22 - 35** - तक उप- व्यतिपात
करण- वणिज **- 16 - 16** - तक,उप- विष्टि
विशेष:- पूर्णिमाव्रत,मंगल को चंद्रग्रहण
व्रत -त्योहार -भद्राकाल ~१६~१६ से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
07:44 से
09:09 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:20 - 07:44	शुभ	चंचल	17:41 - 19:16	शुभ
काल	07:44 - 09:09	अशुभ	रोग	19:16 - 20:51	अशुभ
शुभ	09:09 - 10:34	शुभ	काल	20:51 - 22:25	अशुभ
रोग	10:34 - 11:59	अशुभ	लाभ	22:25 - 23:59	शुभ
उत्पात	11:59 - 13:25	अशुभ	उत्पात	23:59 - 01:35	अशुभ
चंचल	13:25 - 14:50	शुभ	शुभ	01:35 - 03:09	शुभ
लाभ	14:50 - 16:16	शुभ	अमृत	03:09 - 04:44	शुभ
अमृत	16:16 - 17:38	शुभ	चंचल	04:44 - 06:20	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आज ग्रह स्थिति पहले से बेहतर है। किसी बड़े व्यक्ति का सहयोग मिल सकता है।यदि आप नौकरी पेशा है तो कुछ नये प्रस्ताव आज आपके समने आ सकते हैं।किसी नई योजना में निवेश करने से बचें। व्यवसाय वर्ग वालों को आज साझेदारी के मामलों में लाभ होने के संकेत हैं।संतान के लिए दिन उत्तम है,किसी वर्ग में संतान को नई उपलब्धि प्राप्त हो सकती है।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज काम-काज के क्षेत्र में काफी कुछ नया करने का विचार लायेंगे, हो सकता है इसमें आपको यात्रा भी करनी पड़े जो कि आपके लिये लाभकारी सिद्ध होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है तथा दवाइयों पर पैसा खर्च होने के भी संकेत हैं।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आज का दिन सामान्य सा व्यतीत होने वाला है।महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज के दिन टालें। शादी-विवाह की बातें यदि घर-परिवार में चल रही है तो कुछ समय के लिये उसे टाल दें अन्यथा बात बिगड़ सकती है। यदि आप नौकरी करते हैं तो आज आप नौकरी बदलने का मानस बना सकते हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली सिद्ध होगा। कामकाज में गति लाने के उद्देश्य से न केवल दिन की शुरुआत जल्दी करेंगे,बल्कि रात में भी देर तक कार्यों को करेंगे।सहकर्मियों तथा अधिकारियों की मदद भी आज आपको प्राप्त हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के भी योग बन रहे हैं।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज दिन की शुरुआत घर के सार-संभाल से शुरु करेंगे।घर की मरम्मत पर भी आज ध्यान दे सकते हैं।स्वास्थ्य समस्याएं आज आपको परेशान कर सकती हैं।पित्त विकार व वायु विकास रह सकते हैं।यदि आप नौकरी पेशा हैं तो कार्यालय में नया यंत्र या उपक्रम मिलने के संकेत हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज आप अपने ही विचारों में उलझ कर रह जाएंगे।नाहीं किसी से सहयोग ले पाएंगे और न ही किसी से राय ले पायेंगे। किसी भी निर्णय को पूर्ण करने से पहले शाम तक का इन्तजार करें।कई दिनों से अटका हुआ धन आज प्राप्त हो सकता है। घर-परिवार में कुछ खुशी का माहौल रहेगा।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज समय लाभप्रद बना हुआ है।धन कमाने के नये-नये स्रोत आज आपके सामने आयेंगे।हो सके तो लालच को अपने ऊपर हावी न होने दें।आज सोच विचार करके ही किसी नये कार्य में हाथ डालें।जीवन साथी के लिए समय उत्तम है यदि वे नौकरी पेशा हैं तो कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी उन्हें प्राप्त हो सकती हैं।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आज का दिन कुल मिलाकर अच्छा रहेगा। यदि आप व्यवसाय करते हैं तो साझेदारी के कार्यों में लाभ प्राप्त होगा। यदि नौकरी पेशा हैं तो आज आपके कार्य क्षेत्र में सुधार दिखाई देगा।आज के दिन यात्रा करना ठीक नहीं अन्यथा सोच से ज्यादा खर्चा हो सकता है। यदि लेखन कार्य से जुड़े हैं।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आपके सामाजिक स्तर में बढ़ोत्तरी होगी तथा किये गए कार्यों की प्रसन्नता या सराहना होगी।किसी बड़े वर्ग से आज सहयोग मिलने के संकेत हैं। आपका प्रभाव तेजी से बढ़ेगा। यदि आप प्रेम प्रसंग में हैं तो दिन उत्तम रहेग तथा आज आप अपने प्रेम-विवाह की बात भी अपने परिवारजनों के सामने रख सकते हैं।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आज दिन उत्तम है। कोई पुश्तैनी जमीन या जायदाद को लेकर परिवार में चर्चा हो सकती है।पिता के लिये दिन अच्छा रहेगा।छोटे बहन-भाई से किसी बात को लेकर अनबन हो सकती है। दोपहर बाद खर्चों की अधिकता बढ़ेगी।यदि यात्रा का विचार मन में है तो कर डाले यात्रा आज लाभकारी सिद्ध होगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आज आप अपने बुद्धि-कौशल से ऐसे निर्णय लेंगे जो आपके सहकर्मियों और आपको कार्य-प्रणाली में मदद देंगे। जीवन साथी के साथ सम्बन्धों में मधुरता आयेगी तथा कुछ समय साथ व्यतीत करने का सोचेंगे।वहन सम्बन्धी सुख सुविधा बढ़ सकती है।आज आपके सामने ऐसी कोई बात आ सकती हैं

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आज किसी भी कार्य में मन नहीं लगेगा।चाह कर भी आप किसी कार्य को पूर्ण नहीं कर पाएंगे।पैसों का दबाव आप पर बन रह सकता है।हर व्यक्ति से आप मदद की उम्मीद करेंगे परन्तु मदद मिलना मुश्किल है। आज किसी महत्त्वपूर्ण कार्य को ना करें अन्यथा नुकसान हो सकता है।घर परिवार में भी माहौल कुछ ठीक नहीं रहेगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

अंग्रेजी शब्द का मतलब नहीं बता पाया पहली क्लास का बच्चा, टीचर ने डंडे से बुरी तरह पीटा

मुरैना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में एक मासूम छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। जिले के अंबाह तहसील में स्थित सरस्वती स्कूल में पहली कक्षा के मासूम छात्र अयान खान की शिक्षक ने पिटाई कर दी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी शिक्षक भूरा शर्मा के खिलाफ मारपीट व गाली देने का मुकदमा दर्ज किया है। छात्र के कान में अंदरूनी चोट के कारण रक्तस्त्राव होने से दर्द है। जानकारी के मुताबिक कस्बा के पूठ रोड पर रहने वाले शौकत खां का नौ साल का छोटा बेटा अयान सरस्वती स्कूल में पढ़ने गया था। अंग्रेजी विषय के शिक्षक भूरा शर्मा ने अयान को इंग्लिश मीनिंग सुनाने को कहा तो पहली कक्षा के छात्र ने मीनिंग में स्पेलिंग मिस्टेक कर दी। इसी बात पर गुस्साए शिक्षक ने छात्र अयान पर डंडे बरसा दिया। डंडे की चोट के निशान छात्र की बांह से लेकर गाल, पीठ व कान पर साफ दिखाई दे रहे हैं। स्कूल की छुट्टी होने के बाद छात्र, घर पहुंचा तो बेटे को चोटिल देखकर उसकी मां रो पड़ी। मां ने अपने पति को दुकान से घर बुलाकर बेटे का हाल बताया तब थाने पहुंचकर पीड़ित ने पुलिस से मारपीट की शिकायत की।

शराब के नशे में चूर टीचर पहुंचा स्कूल छात्रों और ग्रामीणों को दीं जमकर गालियां

सिंगरौली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। एक ओर मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार प्रदेश में शिक्षा के स्तर को बेहतर करने के लिए कई बेहतर प्रयास कर रही है। शासकीय विद्यालयों में सुविधा उपलब्ध करा रही है। वहीं दूसरी ओर सिंगरौली जिले के करसुआ राजा मलगा विद्यालय से एक वीडियो वायरल हुआ है जो शिक्षा विभाग की लापरवाही बयां करती है। खुलेआम एक हेड मास्टर शराब के नशे में धुत होकर स्कूल पहुंचता है और नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ रसोईया को खुलेआम गालियां देता है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई ऐसे शिक्षक को गलत ठहरा रहा है। सिंगरौली जिले के शासकीय प्राथमिक पाठशाला मलगा में पदस्थ हेड मास्टर रामलल्लू साकेत शनिवार को नशे में धुत होकर स्कूल पहुंचे। उन्होंने बच्चों और रसोइया को अभद्र गालियां दीं। इस दौरान गांव के ही एक युवक ने पूछ लिया कि आप शराब पीकर क्यों आए हैं तो शिक्षक का हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। शिक्षक ने सभी को गालियां देना शुरू कर दिया और स्कूल की कुर्सियों पर गिर पड़े। शिक्षक शराब के इतने नशे में थे कि खुद को भी नहीं संभाल पा रहे थे। गांव के ही एक युवक ने शिक्षक की इस हरकत को अपने मोबाइल में कैद कर लिया।

अब 12वीं पास ही बन सकेंगे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, जिला और राज्य स्तर से भरी जाएंगी सीटें

देहरादून, 6 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में अब 12वीं पास ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बन सकेंगे। पहले भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 10 वीं पास थी। आरक्षित सीटों के लिए ब्लॉक स्तर से अभ्यर्थी न मिलने पर जिला एवं राज्य स्तर से इन सीटों को भरा जाएगा। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक प्रस्ताव पर मंत्री की ओर से अनुमोदन कर दिया गया है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सेवा नियमावली में संशोधन के प्रस्ताव को विभागीय मंत्री का अनुमोदन मिल चुका है। महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक एसके सिंह ने बताया कि प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती में ओबीसी के लिए 14 प्रतिशत, एससी के लिए 19 और एसटी के लिए चार प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। आरक्षित सीटों के लिए ब्लॉक स्तर पर अभ्यर्थी न मिलने से पूर्व में कई सीटें खाली रह जाती थीं। अब ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर से कोटे की सीटों को भरा जाएगा।

आंगनबाड़ी से सुपरवाइजर के पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू

महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग में आंगनबाड़ी से सुपरवाइजर के पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभाग के उप निदेशक एसके सिंह के मुताबिक इसके 121 पदों के लिए 58875 आवेदन आए हैं। शनिवार से इनके प्रमाण पत्रों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

गुरुग्राम को केंद्र के स्मार्ट सिटी मिशन में क्यों शामिल नहीं किया गया?

सीएम खट्टर ने बताई वजह

गुरुग्राम, 6 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि गुरुग्राम को केंद्र के 'स्मार्ट सिटी' मिशन में शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि राज्य सरकार चाहती है कि यह स्मार्ट सिटी नहीं, बल्कि 'स्मार्टेस्ट सिटी' बने। खट्टर शनिवार को एक फ्लाईओवर और अंडरपास के उद्घाटन कार्यक्रम के बाद लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 141 करोड़ रुपये की लागत से बसई चौक पर फ्लाईओवर और मुख्य बस स्टैंड के पास महावीर चौक पर अंडरपास बनाया गया है, जिससे शहर में यातायात सुगम होगा और लोगों को जाम से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुरुग्राम को एक विकसित शहर बनाने के लिए आठ साल पहले शुरू हुई यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ा गया है। खट्टर ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने गुरुग्राम का दोहन किया है और इसके विकास की ओर कभी ध्यान नहीं दिया, पिछली सरकारों की विभिन्न विकास योजनाएं कागजों पर ही रहीं और उन्हें क्रियान्वित नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब केंद्र सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन लागू किया था, तब गुरुग्राम को इसमें शामिल नहीं किया गया था, क्योंकि हमारा लक्ष्य गुरुग्राम को सिर्फ स्मार्ट नहीं, बल्कि सबसे स्मार्ट शहर बनाना है।

उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के लिए केंद्र सरकार 500 करोड़ रुपये आवंटित करती है, जबकि गुरुग्राम में 1,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और कई अन्य परियोजनाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि हुडा सिटी सेंटर से गुरुग्राम तक मेट्रो लाइन बिछाने, पालम विहार क्षेत्र को द्वारका सेक्टर-21 तक जोड़ने की परियोजना को मंजूरी मिल गई है। उन्होंने गुरुग्राम महानगर विकास अधिकरण (जीएमडीए) के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही 542 करोड़ रुपये की परियोजना मल्टी-स्पेशियलिटी शीतला माता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में बादशाहपुर विधायक राकेश दौलताबाद, गुरुग्राम विधायक सुधीर सिंगला और जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधीर राजपाल शामिल हुए। इस अवसर पर बसई गांव और उसके आसपास के क्षेत्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को पगड़ी भेंट कर सम्मानित किया।

मैहर में सड़क हादसा, ओवरब्रिज पर बस की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत

सतना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मैहर में एक सड़क हादसे में स्कूल से घर लौट रहे एक छात्र की मौत हो गई जबकि दो अन्य छात्रों को भी चोटें आई हैं। मामले में मैहर सिविल अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही बरतने और मृत को जीवित बताकर रेफर करने के आरोप भी लग रहे हैं। जानकारी के अनुसार मैहर में फ्लाई ओवर पर कामदगिरि बस सर्विस की बस ने दोपहर लगभग साढ़े 3 बजे बाइक नंबर एमपी19 एनसी 6489 को सामने से टक्कर मार दी। बाइक चालक ने बचने की कोशिश भी की, लेकिन उसका सिर बस से टकरा गया और वह सड़क पर गिर पड़ा। इस हादसे में बाइक चालक गगन पांडे निवासी कटिया मैहर की मौत हो गई। उसके साथ बाइक पर बैठे अभिषेक पांडे एवं एक अन्य को भी चोटें आईं हैं। गगन को मैहर सिविल अस्पताल लाया गया जहां से डॉक्टर विक्रम सिंह ने उसे सतना रेफर किया गया। सतना में उसे बिरला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गगन मैहर सरस्वती स्कूल का कक्षा 12वीं का छात्र था। शनिवार की दोपहर स्कूल की छुट्टी होने के बाद वह घर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस की टक्कर लगने के कारण गगन की मौके पर ही मौत हो गई थी। जिस एम्बुलेंस से उसे सिविल अस्पताल मैहर लाया गया था, उसके स्टाफ ने भी वहां पहुंचने पर डॉक्टर को बताया था कि सांसें थम चुकी हैं, बावजूद इसके डॉ। विक्रम सिंह ने मृत को जीवित बता कर उसे सतना रेफर कर दिया।

पुलिस अफसर बनने के सपनों पर बिजनेसमैन ने फेरा पानी

गोमांस खिलाकर धर्म बदलवाया, नाम रखा आयशा

भोपाल, 6 नवंबर (एजेंसियां)। ये दर्दभरी दास्तां सिंगरौली की एक युवती की है, जो पुलिस ऑफिसर बनने का सपना लेकर भोपाल आई थी। लेकिन यहां एक बिजनेसमैन ने उसके सपनों पर पानी फेर दिया। उसने शादी का झांसा देकर युवती को 9 साल तक लिव इन में रखा। फिर अपने वादों से मुकर गया। 27 साल की युवती का आरोप है कि आरोपी बिजनेसमैन ने बिना बताए गोमांस खिलाकर उसका धर्म परिवर्तन करा दिया। साथ ही हिंदू नाम बदलकर आयशा रख दिया। इसके बाद बंधक बनाकर रखा। इस दौरान ना केवल उसने मारपीट की, बल्कि गोली खिलाकर गर्भपात भी कराया। युवती ने इस मामले में शनिवार को कलेक्टर अविनाश लवानिया समेत तलैया थाना पुलिस से शिकायत की है। 9 साल पुराना मामला होने की वजह से फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया है। जांच के बाद ही एफआईआर की जाएगी।

युवती के साथ हुए अत्याचार की पूरी कहानी।

मेरी उम्र 27 साल है। मूलतः सिंगरौली की रहने वाली हूं। पिता कोल माइंस में जॉब करते थे। 2012 में पिता का निधन हो गया। 2012 में ही भोपाल आ गई। तब मैं 17 साल की थी। यहां शासकीय महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज में एडमिशन लिया। पापा का सपना था कि मैं पुलिस अधिकारी

बनूं। उनका सपना पूरा करने के लिए तैयारी भी शुरू कर दी थी। इसके लिए कॉलेज में एनसीसी भी जॉइन किया। पैसों की जरूरत थी, तो बाइक शोरूम में जॉब करने लगी। शोरूम में गाड़ी खरीदने आए रायसेन के रहने वाले खलील से पहचान हो गई। खलील बीड़ी कारखाना चलाता है। कोटेशन में मेरा नंबर डला था। गाड़ी खरीदने के बहाने वह रोजाना मुझे फोन करने लगा। उसने छह-सात गाड़ियां रिश्तेदारों को दिलवाई भी थीं। मददगार बनकर वह करीब आता गया। वह जब भी भोपाल आता, तब मेरे लिए गिफ्ट लेकर आता। मुझे लगा कि वह अच्छे इरादे से मदद कर रहा है।

इसी बीच, मुझे होस्टल का किराए देने के लिए पैसों की जरूरत पड़ी। तब खलील ने 6 हजार रुपए भी दिए। बाद में उसने हॉस्टल खाली करवा दिया। खलील ने तलैया थाने के पास फ्लैट किराए से लिया। मुझे उसमें शिफ्ट कर दिया। तीन-चार दिन बाद खलील फ्लैट पर पहुंचा। उसके साथ उसका साथी शाहरुख था। यहां खलील ने मेरे साथ रेप किया। शाहरुख ने इसका वीडियो बना लिया। जब मैं प्रेग्नेंट हो गई, तो खलील ने शादी का वादा किया। बाद में गोली खिलाकर अबॉर्शन करा दिया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर शोषण करता रहा। कुछ दिन बाद मुझे अपने घर रायसेन ले गया। वहां गोमांस खिलाकर धर्म परिवर्तन कराया। उसकी पत्नी ने मेरा नाम बदलकर आयशा रख दिया। दिसंबर 2021 तक मैं उसके फ्लैट में रही। बाद में मुझे जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। मैं अपने भाई के पास दिल्ली चली गई। 10 दिन पहले ही भोपाल शिकायत करने आई हूं। यहां किसी ने सुनवाई नहीं की। सीएम, गृहमंत्री तक को भी ट्वीट कर चुकी हूं। इसके अलावा, पुलिस को आवेदन दिया है। कार्रवाई नहीं होगी, तो मैं सुसाइड कर लूंगी।

मटन के नाम पर गोमांस खिलाया

पीड़िता ने बताया कि खलील उसे परिजन से मिलवाने के बहाने रायसेन लेकर गया था। घर में सभी से दोस्त के रूप में परिचय करवाया। खलील का भाई जमील उसे रायसेन में एक कारखाने के पास लेकर गया। वहां आबिद नाम का व्यक्ति मिला। उसने मटन के नाम पर गोमांस खिला दिया। जब वह लौटकर खलील के घर गई, तो उसकी पत्नी ने उसे बताया कि गोमांस खिलाकर तुम्हारा धर्म परिवर्तन कराया गया है। जब वह भोपाल लौटी, तो खलील ने गोली खिलाकर उसका गर्भपात कराया। इसके बाद एक बैंक में नौकरी करने लगी। उससे मतलब रखना छोड़ दिया। खलील फ्लैट पर आकर धमकी देने लगा। खलील और उसके परिवार के डर से भोपाल छोड़कर दिल्ली चली गई।

अब बेटा कर रहा ब्लैकमेल

पीड़िता का कहना है कि खलील का बेटा अब भी वीडियो सोशल मीडिया पर भेजकर ब्लैकमेल कर रहा है। वह कहता है कि संबंध बनाओ, नहीं तो वीडियो वायरल कर देगा। असिस्टेंट सीपी नागेन्द्र सिंह पटेरिया ने बताया कि युवती का आवेदन मिला है। मामला पुराने होने की वजह से जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पंजाबी महिला से लव जिहादः 9 बच्चों के बाप ने धर्म बदलवाकर रेप किया

इंदौर में 9 बच्चों के बाप ने एक पंजाबी महिला को सहारा बनने के सपने दिखाकर लव जिहाद में फंसाया। जब राज खुला तो आरोपी बोला- धर्मांतरण करवाने और एक से ज्यादा औरतें रखने पर जन्नत मिलती है। अब महिला ने हाईकोर्ट से न्याय की गुहार लगाई है।

चलती कार में युवती को पीटने के मामले में नया मोड़

पीड़िता बोली-पीटने वाला मेरा भाई है

इंदौर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर के एक पॉश इलाके में चलती कार में युवती से मारपीट करने वाले वीडियो के वायरल होने के बाद युवती खुद के साथ हुई प्रताड़ना की कोई शिकायत नहीं चाहती है। शनिवार रात उसे विजय नगर थाने बुलाया गया था तो उसने पुलिस को बयान दिया कि कार में उसके साथ उसका भाई था और हम एक पब से लौट रहे थे और मैं कार चलाने की जिद कर रही थी। वीडियो नौ महीने पुराना है। युवती ने वीडियो वायरल करने वाले युवकों के खिलाफ एक्शन लेने की मांग पुलिस से की है। पता चला है कि युवती ब्यूटीशियन है और विजय नगर क्षेत्र में ही रहती है। उधर युवती ने थाने से बाहर निकल रहे एक मीडियाकर्मी को थप्पड़ मार दिया था। मीडियाकर्मी ने युवती के खिलाफ थाने में आवेदन दिया है कि इस घटना के मामले में पुलिस युवती पर प्रकरण दर्ज करे। बता दें, कि सोशल मीडिया पर शनिवार को एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें महंगी नीले रंग की कार में एक युवती चीख रही थी और पीछे बाइक सवार दो युवक कार का वीडियो बना रहे थे। कार धीमी हुई तो युवती ने दरवाजा खोला और कार से उतरकर भागने लगी थी। इस मामले में पुलिस ने कार नंबर ट्रेस कर वाहन मालिक का पता लगाया था। इसके बाद युवती ने थाने पहुंचकर कहा था कि उसके साथ कोई मारपीट नहीं हुई और कार में सवार युवक उसका मुंहबोला भाई है और वह मुझे कार नहीं चलाने दे रहा था तो मैं चीख रही थी और कुछ लोगों ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 7 नवंबर, 2022

पाक का आतंकी मंसूबा

आतंकवाद पाकिस्तान के लिए ही भस्मासुर बन गया है। हालात यहां तक खराब हो चुके हैं कि वहीं की सेना और खुफिया एजेंसियां तक आतंकवाद को एक प्रमुख हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं। अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ तो ये एजेंसियां आतंकवाद का इस्तेमाल कर ही रही हैं भारत के खिलाफ भी इनका यही अभियान बदस्तूर जारी है। पाक सेना और खुफिया एजेंसियों की इस तरह की हरकतों से न सिर्फ भारत की बल्कि कई बार पाकिस्तान की भी स्थिति असहज हो जाती है। ताजा उदाहरण वहां के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर गोलियों से हमला है। यह तो सभी जानते हैं कि इमरान खान और सेना प्रमुख के बीचे काफी समय से मनमुटाव चल रहा था, जिसके चलते उनकी सरकार को पलट दिया गया था। इमरान हाल ही में सत्ता के खिलाफ विरोध मार्च निकाल रहे थे जो वहां के हुक्मरानों के साथ ही वहां के सेनाधिकारियों और खुफिया एजेंसी आइएसआइ को बुरी तरह खटक रही थी। आरोप है कि यह हमला उन्हीं के इशारे पर किया गया है। गनीमत है कि हमले से पहले इमरान खान के एक समर्थक ने हमलावर को देख लिया और लपक कर उसकी बंदूक नीचे कर दी, जिससे गोली इमरान के पैर में लगी और वे बच गए। जिस व्यक्ति ने गोली चलाई, वह उनके काफिले में पहले से ही शामिल था और उनके वाहन के करीब से अत्याधुनिक स्वचालित हथियार से गोली दागी। यह किसी के भी समझ में नहीं आ रहा है कि उस काफिले की सुरक्षा व्यवस्था में इस तरह की खामी कैसे रखी गई कि कोई हथियारबंद आदमी पूर्व प्रधानमंत्री के वाहन के करीब तक पहुंच गया। इसके पहले पाकिस्तान अपने एक प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो को इसी तरह के हमले में खो चुका है। इसके बाद भी पाकिस्तान ने उक्त हमले से सबक क्यों नहीं लिया यह सवाल आज भी बना हुआ है। बहरहाल, इस हमले के बाद हैरानी इसलिए नहीं हो रही है कि जिन लोगों पर इमरान खान की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी, जब वही उनसे असहज महसूस कर रहे हैं, तो किसी हमलावर का उनके काफिले में घुस जाना कोई मुश्किल काम नहीं था। बता दें कि इमरान खान अब तक के प्रधानमंत्रियों से थोडा अलग मिजाज के हैं। वे अपने काम में किसी की दखलंदाजी बर्दाश्त नहीं कर पाते। अब तक वहां के प्रधानमंत्री एक तरह से सेना और आइएसआइ के इशारे पर ही चलने के आदी हो चुके हैं। लोकतंत्र की कमजोरी का फायदा उठा कर वहां की सेना किस कदर ताकतवर हो चुकी है, यह सब जानते हैं। उसकी वहां समांतर सत्ता काम करती है। जिस भी प्रधानमंत्री ने उसके विरुद्ध जाने का प्रयास किया, उसी का तख्ता पलटने में देर नहीं लगाई। यह सब जानते हुए भी इमरान खान ने अनेक मौकों पर सेना की सलाह मानने से इनकार कर दिया, जिसकी वजह से सेनाध्यक्ष और उनके बीच तल्खी बढ़ती चली गई। इमरान खान पाकिस्तान की तरक्की के लिए योजनाएं बना रहे थे और इस क्रम में वे उन देशों से भी रिश्ते बेहतर करने का प्रयास कर रहे थे, जिनसे कड़वाहट बनी रहती है। पाकिस्तानी सेना चूंकि अपनी सत्ता इसीलिए कायम रखे हुए है कि वह हर समय हिंदुस्तान से जंग का माहौल बनाए रखने को आतुर दिखती है। यही माहौल वहां के हुक्मरानों को भी भाता है, इससे वहां के लोगों को देश की बदहाली की तरफ देखने का मौका नहीं मिल पाता। इमरान खान देश के बुनियादी ढांचे को बदलना चाहते थे। यदि वे सफल हो जाते तो सेना की ताकत कम हो जाती। इसीलिए इमरान खान की सरकार समय से पहले ही गिरा दी गई। अब जब उन्होंने देश की अवाम को सत्ता और सेना की हकीकत बताने के मकसद से विरोध मार्च निकाला, तो उन्हें रास्ते से ही हटा देने की योजना बनाई गई थी। हालांकि हमलावर गिरफ्तार हो चुका है और उसका कहना है कि इमरान खान की बातों से वह परेशान हो उठा था। लेकिन दुनिया के सामने पाक के निजाम की हकीकत खुल चुकी है। पता नहीं वहां की सेना और खुफिया एजेंसी कब इस बात को समझ पाएगी कि आतंकवाद का यह भस्मासुर उसके सिर पर भी हाथ रख सकता है। जिसमें उसे जलने के अलावा और कोई रास्ता नहीं सूझेगा।

आधुनिक मशीनें है पराली का उपाय

ऋषभ मिश्रा

इस समय दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी 18 से 20% है, जबकि पीएम 2.5 से होने वाले वायु प्रदूषण में इसकी हिस्सेदारी 26% है। समस्या ये है कि दिल्ली की हवा में पराली के धुएं का ये स्तर अभी और भी बढ़ने वाला है। पंजाब में अब तक 45% खेतों में ही धान की कटाई हुई है, और बाकी खेतों में अब भी फसलों को काटा जाना बाकी है। यानी कि जब इन खेतों में फसलों की कटाई होगी, तब वहां पर भी पराली जलाई जायेगी और अगर पराली जलाई जायेगी तो फिर दिल्ली और उसके आस पास के इलाक़ों में रहने वाले लोगों की साँसों में और भी ज्यादा ज़हर घुलेगा। इसके अलावा वर्ष 2021 में पंजाब में लगभग 29.61 लाख हेक्टेयर की ज़मीन पर धान की खेती हुई थी। इस बार वर्ष 2022 में 31 लाख हेक्टेयर से ज्यादा की ज़मीन पर धान की फसल उगाई गयी है। यानि कि ज्यादा फसल है तो पराली भी ज्यादा जलाई जायेगी, और इसके लिए हमे तैयार रहना होगा। वहीं दूसरी तरफ पंजाब के किसानों का कहना है, कि खेतों में आग लगाना उनकी बहुत बड़ी मजबूरी है क्योंकि सरकार ने जो आधुनिक मशीनें और तकनीक मुहैय्या करायी हैं (सुपर सीडर इत्यादि) वो काफी महंगी है और किसानों पर वैसे भी बहुत क़र्ज़ है जिससे किसानों के ऊपर बोझ बढ़ता चला जाता है। अब बड़ा सवाल ये है कि आखिर किसान पराली को जलाते क्यों हैं, और क्या इसका कोई दूसरा समाधान नहीं है, बहुत ही कम लोग जानते हैं कि आज से 6 दशक पहले तक हमारे देश में पराली जलाने का कोई मुद्दा ही नहीं था, क्योंकि उस ज़माने में किसान अपनी फसलों की कटाई हाथों से किया करते थे। और जब हाथ से फसलों को काटा जाता था तब खेतों में उसके अवशेष बचते ही नहीं थे। लेकिन वर्ष 1970 में पहली बार कंबाइन हार्वेस्टर मशीन का इस्तेमाल शुरू हुआ जिसकी मदद से फसलों को मशीन से काटा जाता था। हालाँकि ये टेक्नोलॉजी भी वर्ष 2000 के बाद ही ज्यादातर किसानों के पास पहुंची, लेकिन इससे एक बड़ी समस्या ये पैदा हुई कि जब इस हार्वेस्टर मशीन से फसलों को काटा जाता है तो इससे खेतों में फसलों का कुछ हिस्सा मिटटी में ही रह जाता है, जिसे पराली कहते हैं, और क्यूंकि किसानों को नयी फसल की बुआई करनी होती है और इसे हटाने के काम में समय भी लगता है और पैसा भी लगता है, इसलिए किसान इसे जलाना बेहतर समझते हैं। जबकि नोट करने वाली बात ये है कि पराली को बिना जलाये भी खेतों से हटाया जा सकता है, और ये मुमकिन है जैसे इसके लिए बायो डीकम्पोज़र टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हो सकता है इसके आलावा एक और मशीन है, जिसका इस्तेमाल किया जाता है जिसे हैप्पी सीडर कहते हैं। इस मशीन की खासियत ये है कि इसकी मदद से पराली को काटे या जलाये बिना ही उसके साथ नयी फसल की बुआई हो सकती है, और पराली को फ़र्टिलाइज़र (खाद) की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन ये सब भी नहीं हो पाता और इसके पीछे का कारण है हमारे देश की राजनीति। पंजाब के पास 1 लाख 20 हज़ार मशीनें हैं जिनकी मदद से पराली को जलाने से रोका जा सकता है, लेकिन किसानों का आरोप है कि उन तक न तो ये मशीनें पहुँचती हैं, और न ही सरकार से उन्हें मुआवज़ा मिलता है।

अब कैंसर से डरने की जरूरत नहीं

निरंकार सिंह

अब भारत में भी हर साल 7 नवंबर को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया जाता है। इसका लक्ष्य कैंसर के लक्षणों और उपचार के बारे में जागरूकता फैलाना है। 2014 में पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने घोषणा की कि सात नवंबर को हर साल राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा ताकि एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक के योगदान को उजागर किया जा सके जो उन सभी लोगों के लिए महत्वपूर्ण और रोल मॉडल है और कैंसर से लड़ रहे हैं। कैंसर आज भी दुनिया की सबसे अधिक भयावह बीमारियों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट में 10 भारतीयों में से एक को अपने जीवनकाल में कैंसर होने और 15 में से एक की इस बीमारी से मौत होने की आशंका जतायी गई है. । रिपोर्ट के अनुसार 2018 में भारत में कैंसर के 11.6 लाख नए मामले सामने आए थे. । पिछले साल डब्ल्यूएचओ और उसके साथ काम करने वाली एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) ने दो रिपोर्ट जारी की थी।. एक रिपोर्ट बीमारी पर वैश्विक एजेंडा तय करने पर आधारित है और दूसरी रिपोर्ट इसके अनुसंधान एवं रोकथाम पर केन्द्रित है।वलर्ड कैंसर रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2018 में कैंसर के लगभग 11.6 लाख मामले सामने आए और कैंसर के कारण 7,84,800 लोगों की मौत हो गई। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और दवाओं ने हैजा, प्लेग, पोलियो, टीबी जैसे कई असाध्य रोगों पर विजय प्राप्त कर ली है और कुछ को रोक दिया है। पर खतरनाक कैंसर सभी चिकित्सा विधियों को चकमा देकर आगे बढ़ने वाला रोग साबित हुआ है। शरीर में विष बेल की तरह जिस तेजी से फैलने वाली यह बीमारी बढ़ रही है, वहीं इससे लड़ने और इस पर विजय पाने के चिकित्सीय उपाय भी दुनिया भर में हो रहे हैं। भारत सहित दस देशों के वैज्ञानिकों की अलग अलग टीमें कैंसर के जीनों के रहस्य जानने में जुटी हैं। इसका पता ही तब चलता था जब यह बीमारी अपना भयंकर रूप ले लेती थी। अब वक्त रहते इसका पता लगाकर इलाज के

इस समारोह में मुम्बई के कई अस्पतालों के कैंसर विशेषज्ञों ने भाग लिया।इसमें वाराणसी के डीएस रिसर्च सेंटर के प्रमुख वैज्ञानिक प्रो. शिवाशंकर त्रिवेदी को खासतौर से बुलाया गया।

जरिए लोगों की जान बचाने की दिशा में वैज्ञानिकों ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस टेस्ट के जरिए लाल रक्त कोशिकाओं की सतह पर मौजूद प्रोटीन में होने वाले परिवर्तन को डिटेक्ट किया जाता है। एक स्वस्थ इंसान में इस तरह का परिवर्तन औसतन प्रति मिलियन (दस लाख) पर पांच का होता है। लेकिन कैंसर से पीड़ित किसी इंसान में यह परिवर्तन प्रति मिलियन पर औसतन 50 से 100 के बीच होता है। कैंसर के मोर्चे पर भारतीय वैज्ञानिकों को भी बड़ी कामयाबी मिली है। डीएस रिसर्च सेंटर कोलकाता के वैज्ञानिकों ने खाद्य पदार्थो की पोषक ऊर्जा से उस औषधि को तैयार कर लिया है जो कैंसर कोशिकाओं पर लगाम लगाकर उसका उन्मूलन करने में सक्षम है। वैज्ञानिक परीक्षणों में भी इस औषधि के नतीजे बेहतर पाये गये हैं। कोलकाता के जाधवपुर विश्वविद्यालय के नैदानिक अनुसंधान केन्द्र (सीआरसी) के निदेशक डा. टी.के. चटर्जी के अनुसार- रिसर्च सेंटर की पोषक ऊर्जा से तैयार की गई औषधि सर्वपिष्टी के पशुओं पर किये गये परीक्षण के परिणाम उत्साहजनक पाये गये हैं। यदि पशुओं के शरीर पर सर्वपिष्टी का प्रयोग किये जाने के बाद सीआरसी ने उत्साहजनक परिणाम प्राप्त किये हैं तो ऐसे ही परिणाम इसे मानव शरीर पर प्रयोग करने से भी प्राप्त किये जा सकते हैं, जो कैंसर उपचार के इतिहास में युगान्तकारी घटना होगी। सीआरसी विभिन्न रोगों के लिए दवाईयों का नैदानिक परीक्षण करता है। इसी सिलसिले में उन्होंने सर्वपिष्टी का भी नैदानिक परीक्षण किया था। ये परीक्षण आयातित सफेद चूहों पर किये गये। पशु शरीर में कैंसर कोशिकाओं को प्रविष्ट कराया गया और जब ट्यूमर निर्मित हो गया तब हमने दवा देना शुरू किया। ऊर्जा के परीक्षण की स्थिति में 14 दिनों बाद जो प्रतिक्रियायें देखी गयीं उनमें कोशिकाओं की संख्या स्पष्ट रूप से कम होना शुरू हो गई थीं।

पशु शरीर में कोई अल्सर पैदा नहीं हुआ। ट्यूमर विकास दर 46 प्रतिशत तक कम हो गई थी और दवाई की विषाक्तता लगभग शून्य थी। ऐसे सकारात्मक परिणाम हाल के समय में नहीं देखे गये थे। इस औषधि में कैंसर को रोकने और उससे लड़ने की अपरिमित संभावनाएं हैं। औषधियों के परिणाम-परीक्षण की एक सुनिश्चित वैज्ञानिक पद्धति है। औषधियां प्रायः विषों और ड्रगों से बनती है अतएव पहला परीक्षण किया जाता है कि वे स्वास्थ्य और जीवन को खतरे में तो नहीं डाल देंगी।

लेकिन डीएस रिसर्च सेंटर ने तो मानवीय भोज्य पदार्थो में सन्निहित पोषक ऊर्जा को प्राप्त करके औषधियां तैयार की थी इसलिए वे औषधियां मानव स्वास्थ्य के लिए सर्वथा अनुकूल थी। यहां तक कि औषधि के सेवन का माध्यम भी दुग्ध शर्करा को बनाया गया था जो एक मानवीय भोज्य है और स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। सन1982 में सेंटर ने कैंसर की औषधि तैयार की। इस औषधि के परीक्षण के लिए प्रारम्भ से ही नीति बनी कि केवल ऐसे रोगियों की तलाश की जाए जिन्हें अस्पताली चिकित्सा के धर्मकांटे ने चिकित्सा के लिए अयोग्य मानकर अन्तिम रूप से छोड़ दिया हो। खोजबीन करके इस तरह के रोगियों तक पोषक ऊर्जा की खुराकें पहुँचायी जाने लगी। उन्हें यह भी कह दिया गया कि अपने कष्टों के लिए और स्वास्थ्य के विकास के लिए जो भी औषधियां वे लेते रहे हैं उन्हें लेते रहें। सेंटर के वैज्ञानिक डा. उमाशंकर तिवारी के निर्देशन में परीक्षण अभियान शुरू हुआ। अन्ततः औषधि की सफलता और उसके प्रभाव-परिणाम की सकारात्मकता, रोगियों के अपने अनुभवों तक सीमित नहीं रही, वह जांच रिपोर्टो से भी प्रमाणित हुई और पारम्परिक चिकित्सा के वर्तमान सूत्रपातों को अक्सर विस्मित भी करती रही। अब डा. चटर्जी के परीक्षण से यह साबित हो गया है कि यह औषधि कैंसर रोगियों के लिए बहुत कारगर है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस सफलता की सूचना केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को भेजी गई है। अब तक 926 रोगियों की सूचना डब्ल्यूएचओ को उनके सभी वितरण और उपचार प्रलेखों के साथ तीन चरणों में भेजी गई है।

सूची में उन रोगियों के नाम शामिल हैं जो कभी मस्तिष्क, अग्राशय, यकृत, रक्त, गर्भाशय, स्तन लगभग सभी प्रकारों के कैंसर से पीड़ित रह चुके हैं- और अब सामान्य और स्वस्थ जिंदगी जी रहे हैं। इस औषधि के बारे में दुनिया को पता तब चला जब उसने भारतीय मूल के अमेरिकी कैंसर वैज्ञानिक के ही कैंसर से ग्रस्त हो जाने पर उनका इलाज हुआ। न्यूयार्क हास्पिटल मेडिकल सेंटर आफ क्वींस के रेडिएशन आंकोलाजी के क्लीनिकल डाइरेक्टर तथा वेल मेडिकल कालेज आफ कोरनेल यूनिवर्सिटी के रेडिएशन आंकोलाजी के एसोसिएट प्रोफेसर डा0 एस. पारिख ने कैंसर से ठीक होने के बाद इस औषधि पर चर्चा के लिए मुम्बई के जुहू स्थित होटल सी प्रिंसेस में एक समारोह आयोजित किया था। इस समारोह में मुम्बई के कई अस्पतालों के कैंसर विशेषज्ञों ने भाग लिया।इसमें वाराणसी के डीएस रिसर्च सेंटर के प्रमुख वैज्ञानिक प्रो. शिवाशंकर त्रिवेदी को खासतौर से बुलाया गया। तमाम जीते जागते प्रमाणों के बावजूद आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जुडा कोई भी व्यक्ति यह मानने को तैयार नहीं था कि जिस कैंसर पर विजय पाने में पूरी दुनिया के चिकित्सा वैज्ञानिक असफल ही रहे हैं, उस पर विशुद्ध भारतीय पद्धति से विजय पायी जा चुकी है।

एमपी में बढ़ती तेंदुओं की आबादी को संरक्षण की जरूरत

नरेंद्र तिवारी

देश के हृदय प्रदेश में तेंदुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन तेंदुओं को संरक्षण की आवश्यकता है। भौगोलिक परिवर्तन की वजह से सघन वन में रहने वाले तेंदुओं का मॉनव बस्तियों के समीप आ जाना चिंता का कारण है। मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव की बात है, कि तेंदुओं की संख्या के लिहाज से सम्पूर्ण भारत देश में प्रदेश अव्वल है, किन्तु प्रदेश में बढ़ी संख्या में पाए जाने वाले इस वन्यजीव को सुरक्षित वनों की तलाश है। जहां वह आजादी से रह सकें, स्वयं का जीवन सुरक्षित रख सकें और मॉनव जीवन के लिए भी खतरा न बन सकें। तेंदुओं के मॉनव बस्तियों के समीप आ जाने, शिकारियों की कुदृष्टि का शिकार होने, जंगल मे घायल होकर मौत को गले लगाने के बहुत से वाकिये हैं। तेंदुए के सामान्य तरह से घायल होने ओर उपचार के दौरान मौत हो जाने का बिल्कुल सामान्य किन्तु चिंतनीय मामला बड़वानी जिले के पानसेमल क्षेत्र का है, जिसे सिलसिलेवार समझने की आवश्यकता हैं। पानसेमल के राजस्व ग्राम जाहूर टांडा फल्या स्थित नाले के समीप 2 नवम्बर को कृषक भावसिंह पिता सत्या ठाकुर ने नाले के समीप तेंदुए को घायल अवस्था मे देखकर इसकी सूचना वनविभाग को दी। सेंधवा वनमण्डलाधिकारी अनुपम शर्मा के अनुसार वन अमले ने पाया 4 वर्षीय नर तेंदुआ अर्ध बेहोशी की हालत में धीरे-धीरे गुर्रा तो रहा है, किंतु वह चल फिर नही पा रहा था। वन अमले ने तेंदुए को पिंजरे में लेकर वनपरिक्षेत्र कार्यालय पानसेमल में पहुंचाया। वहां पशु चिकित्सकों ने उसे दवाइयों का घोल देने की कोशिश की, पांच घण्टे बाद तरल दवाईया देने से तेंदुए की स्थिति में सुधार देखा जा रहा था। डीएफओ अनुपम शर्मा के अनुसार शेड्यूल एक के वन्यप्राणी होने के चलते घटना के बारे में भोपाल स्थित प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी को सूचित किया। उक्त तेंदुए को आगामी उपचार के लिए इंदौर प्राणी संग्रहालय लेकर जाया गया। जहां पँहुचने के पूर्व ही इस तेंदुए ने दम तोड़ दिया। इंदौर प्राणी संग्रहालय के पशु चिकित्सक के अनुसार तेंदुए के शरीर के निचले हिस्से में लकवा, फेफड़ो में संक्रमण व यूरिनरी सिस्टम में समस्या होने की वजह से उसकी मौत हुई है। प्राणी संग्रहालय में ही पोस्टमार्टम के बाद तेंदुए का दाह संस्कार किया गया। जैसा कि वन विभाग के अधिकारियों ने कहा उक्त तेंदुए की मौत संभवत पेड़ से कूदने या छलांग लगाने के दौरान असंतुलन की वजह से अंदरूनी चोट लगने से होना माना जा रहा हैं। तेंदुए की मौत की वजह वही है, जो वनविभाग द्वारा बताई गई है। किंतु यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि बड़ी संख्या में तेंदुए गुजरात और महाराष्ट्र के जंगलों से मध्यप्रदेश की सीमा में शिकार की तलाश में आ जातें है। यह स्थिति तेंदुओं के सुरक्षित वनक्षेत्र नहीं होने की वजह से बनी है। बीते 10 बरसों में तेंदुओं के मॉनव बस्तियों के निकट आ जाने की घटनाओं में बहुत वृद्धि हुई हैं। जिसका कारण सरदार सरोवर के निर्माण से वन्य क्षेत्रो के डूब में आना भी माना जा रहा हैं। सम्पूर्ण बड़वानी जिले में तेंदुओं की आमद बढ़ने का कारण शिकार ओर पेयजल भी हो सकता हैं। बीते पांच बरसों में अकेले सेंधवा वनमण्डल के अंतर्गत वन विभाग द्वारा 14 तेंदुओं का रेस्क्यू किया गया। इन तेंदुओं को वनमण्डल खंडवा के वनपरिक्षेत्र चाँदगढ़ एवं वन परिक्षेत्र बड़वाह के सघन वनों में छोड़ा गया। बड़वानी जिले के दूरस्थ अंचल पाटी एव अन्य स्थानों से भी तेंदुओं के मॉनव बस्ती के निकट आ जाने एवं रेस्क्यू कर सघन वनों में छोड़े जाने की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। इन तेंदुओं के हमलों से अकेले सेंधवा वनमंडल में बीते 7 बरसों में 2 लोगो की मौत और 6 से अधिक लोगो के घायल होने की घटनाएं भी घटित हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तेंदुओं की संख्या में सिरमौर बने मध्यप्रदेश में वन्यजीवी तेंदुओं की मौत के आंकड़े भी सबसे ज्यादा है। वर्ष 2020 में 48 तेंदुओं की मौत हुई है। इसमे 17 तेंदुओं का शिकार हुआ है। उन्हें जहर देकर या करंट और फंदा लगाकर मारा गया हैं। वर्ष 2021 में 22 तेंदुए की मौत हुई हैं। जिनमे शिकार के घटनाक्रम भी शामिल हैं। शिकार के मामलों में वनविभाग द्वारा कार्यवाहीं भी की गई। किंतु सबसे बड़ा सवाल यह है की तेंदुओं की बढ़ती संख्या के हिसाब से संरक्षित वनक्षेत्र का अभाव क्यों है? इस अभाव को दूर करने के लिए सरकार ने अब तक क्या कदम उठाए है? एमपी में संख्या के लिहाज से 2017-18 की स्थिति में प्रदेश में 3421 तेंदुए पाए गए थे। यह आंकड़े पांच बरस पूर्व के हैं 2022 में इन तेंदुओं की आबादी तेजी से बढ़ी हैं। इनकी आमद 16 उन जिलों में भी देखी गयी जहां तेंदुएं दुर्लभ प्रजाति हुआ करतें थे। इनकी बढ़ती संख्या के बीच आश्चर्य की बात यह है, कि तेंदुओं के संरक्षण को लेकर सक्रिय वनविभाग की चौकस देखरेख के बीच तेंदुओं के शिकार के मामले भी सामने आतें रहते है। शिकार की घटनाएं सामान्य ओर संरक्षित दोनों ही वन क्षेत्रों में हुई हैं। सेंधवा ओर बालाघाट में दो मामलों में आरोपितों से तेंदुओं के अंग भी जप्त किये गए थे। इनमें से एक का शिकार गोली मारकर किया गया था। अपने आप मे अनेको विशेषता लिए इन वन्यजीवी तेंदुओं का अपना एक अलग संसार है। जानकारी के मुताबिक मादा तेंदुआ 2 से 6 बच्चे एक साथ जन्म देती है। जन्म के बाद करीब 8 हफ़्तों तक इन शावकों को छुपा कर रखती है। तेंदुओं की आंखों में इंसान से 7 गुणा अधिक अंधेरे में देखने की क्षमता होती है, कानों से सुनने की क्षमता भी इंसान से पांच गुणा अधिक होती है। यह घात लगाकर शिकार करते है, अपने शिकार को बचने का मौका नही देतें इस वन्यप्राणी की एक विशेषता यह भी है कि यह अपने से अधिक वजन को लेकर पेड़ पर चढ़ सकता है। यह बड़ा रहस्यमयी भी है। रात में शिकार ओर दिन में आराम करता है। मध्यप्रदेश में तेंदुओं की संख्या लगातार बढ़ रहीं है, यह निश्चित रूप से गौरव की बात हो सकती है, किंतु दुख की बात यह है कि सरकार इनकी बढ़ती आबादी के अनुसार सरक्षण को लेकर उतनी गम्भीर नही दिखती। वन्यप्राणी तेदुओं को स्वतन्त्र माहौल में रहने के लिए जंगलों को संरक्षित किये जाने की आज सबसे अधिक आवश्यकता दिखाई दे रहीं है। शायद जंगल से भटक कर इन तेंदुओं को अपनी अपेक्षा अनुरूप माहौल का न मिल पाना भी इनके स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालने, मॉनव बस्ती के समीप आने पर शिकारियों की कुदृष्टि पड़ने, तेंदुओं के नरभक्षी होने की संभावना जैसे बहुत से कारण जुड़ जाते है। तेंदुओं के संरक्षण के लिए संरक्षित वन्य क्षेत्र का होना बहुत जरूरी है।

हर साल जहरीली धुंध से क्यों घिर जाता है एनसीआर?

विनीत नारायण

हर साल दिवाली के आ स पा स पं जा ब , हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा पराली जलाने से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र जहरीली धुंध से घिर जाता है। हमेशा की तरह इस साल भी इस धुंध ने यहाँ के रहने वालों के होश उड़ा दिए हैं। दिल्ली और उसके नजदीकी दूसरे शहरों में हाहाकार मचा हुआ है। आंखों को उंगली से रगड़ते और खांसते लोगों की तदाद बढ़ती जा रही है। सबसे ज़्यादा ख़तरा तों छोटे बच्चों के लिये हो गया है। केंद्र और दिल्ली सरकार किमकर्तव्य विमूढ़ हो गई है। वैसे यह कोई पहली बार नहीं है। कई साल पहले 1999 में ऐसी ही हालत दिखी थी। तब क्या सोचा गया था और अब क्या सोचना चाहिए? इसकी जरूरत एक बार फिर से आन पड़ी है। पर्यावरण विशेषज्ञ, नेता और संबंधित सरकारी विभागों के अफसर हर साल की तरह इस साल भी इस समस्या को लेकर सिर खपा रहे हैं।उन्होंने अब तक के अपने सोच विचार का नतीजा यह बताया है कि खेतों में फसल कटने के बाद जो ठूंठ बचते हैं उन्हें खेत में जलाए जाने के कारण ये धुंआ बना है जो एनसीआर के उपर छा गया है। लेकिन सवाल यह उठता है कि यह तो हर साल ही होता है तो नए जवाबों की तलाश क्यों हो रही है? दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को हम कई सालों से सुनते आ रहे हैं। एक से एक सनसनीखेज वैज्ञानिक रिपोर्टो की बातों को हमें भूलना नहीं चाहिए। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि दिल्ली से निकलने वाले गंदे कचरे, कूड़ा करकट को ठिकाने लगाने का पुख्ता इंतजाम अब तक नहीं हो पाया। सरकार यही सोचने में लगी है कि यह पूरा का पूरा कूड़ा कहां फिंकवाया जाए या इस कूड़े का निस्तार यानी ठोस कचरा प्रबंधन कैसे किया जाए। जाहिर है इस गुत्थी को सुलझाए बगैर जलाए जाने लायक कूड़े को चोरी छुपे जलाने के अलावा और क्या चारा बचता होगा? इस गैरकानूनी हरकत से उपजे धुंए और जहरीली गैसों की मात्रा कितनी है इसका कोई हिसाब किसी भी स्तर पर नहीं लगाया जा रहा है। हवा के माणकों में 0-50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51-100 को 'संतोषजनक', 101-200 को 'मध्यम', 201-300 को 'खराब', 301-400 को 'बहुत खराब' और 401-500 को 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। पिछले गुरुवार सुबह छह बजे ही दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 408 के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया।यानि भयावह स्तर का प्रदूषण था। इसी से इस समय की गम्भीरता का अनुमान लगाया जा सकता है। सांख्यिकी की एक अवधारणा है कि कोई भी प्रभाव किसी एक कारण से पैदा नहीं होता। कई कारण अपना-अपना प्रभाव डालते हैं और वे जब एक साथ जुड़कर प्रभाव दिखने लायक मात्रा में हो जाते हैं तो वह असर अचानक दिखने लगता है। दिल्ली में रिकार्ड तोड़ती जहरीली धुंध इसी संचयी प्रभाव का नतीजा हो सकती है। खेतों में ठूंठ जलाने का बड़ा प्रभाव तो है ही लेकिन चोरी छुपे घरों से निकला कूड़ा जलाना, दिल्ली में चकरडंड घूम रहे वाहनों का धुंआ उड़ना, हर जगह पुरानी इमारतों को तोड़कर नई-नई इमारते बनते समय धूल उड़ना, घास और हिरयाली का दिन पर दिन कम होते जाना और ऐसे दर्जनों छोटे बड़े कारणों को जोड़कर यह प्राणांतक धुंध तो बनेगी ही बनेगी।

इस समस्या को लेकर होने वाली आपात बैठकें सोच विचार कर बड़ा रोचक नतीजा निकालती हैं। खासतौर पर लोगों को यह सुझाव कि ज्यादा जरूरत न हो तो घर से बाहर न निकलें। इस सुझाव की सार्थकता को विद्वान लोग ही समझ और समझा सकते हैं। वे ही बता पाएंगे कि क्या यह सुझाव किसी समाधान की श्रेणी में रखा जा सकता है। एक कार्रवाई सरकार ने यह की है कि कुछ दिनों के लिए निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है। सिर्फ निर्माण कार्य का धूल धक्कड़ ही तो भारी होता है जो बहुत दूर तक ज्यादा असर नहीं डाल पाता। कारों पर ओड-ईवन की पाबंदी फौरन लग सकती थी। लेकिन हाल का अनुभव है कि यह योजना कुछ अलोकप्रिय हो गई थी। सो इसे फौरन फिर से चालू करने की बजाए आगे के सोच विचार के लिए छोड़ दिया गया। हां कूड़े कचरे को जलाने पर कानूनी रोक को सख्ती से लागू करने पर सोच विचार हो सकता था। लेकिन इससे यह पोल खुलने का अंदेशा रहता हे कि यह कानून शायद सख्ती से लागू हो नहीं पा रहा है। साथ ही यह पोल खुल सकती थी कि ठोस कचरा प्रबंधन का ठोस काम दूसरे प्रचारात्मक कामों की तुलना में ज्यादा खर्चीले हैं।

भारत में शिक्षा की दुर्दशा

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत में शिक्षा की कितनी दुर्दशा है, इसका पता यूनेस्को की एक ताजा रपट से चल रहा है। 75 साल की आजादी के बावजूद एशिया के छोटे-मोटे देशों के मुकाबले भारत क्यों पिछड़ा हुआ है, इसका मूल कारण यह है कि हमारी सरकारों ने शिक्षा और चिकित्सा पर कभी समुचित ध्यान दिया ही नहीं। इसीलिए देश के मुट्ठीभर लोग अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाते हैं और निजी अस्पतालों में अपना इलाज करवाते हैं। देश के 100 करोड़ से भी ज्यादा लोगों के बच्चे उचित शिक्षा-दीक्षा से और वे लोग पर्याप्त चिकित्सा से वंचित रहते हैं। यूनेस्को ने भारत में खोज-पड़ताल करके बताया है कि देश के 73 प्रतिशत माता-पिता अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाना पसंद नहीं करते हैं, क्योंकि वहां पढ़ाई का स्तर घटिया होता है। वहां से पढ़े हुए बच्चों को ऊंची नौकरियां नहीं मिलती हैं, क्योंकि उनका अंग्रेजी ज्ञान कमजोर होता है। हमारी सरकारों के निकम्मेपन के कारण आज तक सरकारी नौकरियों में अंग्रेजी अनिवार्य है। अंग्रेजी माध्यम से पढ़े हुए बच्चे बड़े होकर या तो सरकारी नौकरियां हथियाने या फिर अमेरिका और कनाडा भागने के लिए आतुर रहते हैं। गैरसरकारी स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों की फीस 50-50 हजार रुपेय महीना तक है। आजकल अस्पताल और ये शिक्षा-संस्थाएं देश में ठगी के सबसे क्रूर ठिकाने बन गए हैं। देश के गरीब, ग्रामीण, पिछड़े और आदिवासी लोग समुचित शिक्षा और चिकित्सा के बिना ही अपना जीवन गुजारते रहते हैं। सरकारी स्कूल और अस्पताल भी उनकी सेवा सरल भाव से नहीं करते। देश के 90 प्रतिशत स्कूल फीस वसूली के दम पर जिन्दा रहते हैं। देश में 29600 स्कूल ऐसे हैं, जिन्हें मान्यता प्राप्त नहीं है। 4 हजार से ज्यादा मदरसे भी इसी श्रेणी में आते हैं। इन स्कूलों से निकलने वाले छात्र क्या नए भारत के निर्माण में कोई उल्लेखनीय योगदान कर सकते हैं? यदि हम शिक्षा के मामले में भारत की तुलना दक्षेस के हमारे पड़ोसी सातों देशों से करें तो उक्त पैमाने पर वह अफगानिस्तान के सबसे करीब है लेकिन वह श्रीलंका, भूटान और पाकिस्तान से भी बहुत पिछड़ा हुआ है। दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा राष्ट्र भारत है। प्राचीन भारत की शिक्षा-व्यवस्था जग प्रसिद्ध रही है।

कार्तिक पूर्णिमा पर 8 को लगेगा चंद्र ग्रहण

चंद्रग्रहण शाम 5.32 बजे शुरू होगा, जो शाम 6.19 बजे खत्म हो जाएगा। सूतक काल सुबह 8.10 बजे शुरू होगा, जो शाम 6.19 बजे समाप्त होगा। सूतक काल शुरू होने के बाद मंदिरों में दर्शन पर रोक रहेगी।

आठ नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा मनाई जाएगी। कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान का विशेष महत्व है। इसलिए बड़ी संख्या में लोग गंगा स्नान और दान के लिए नदी तटों पर पहुंचते हैं। इसी दिन देव दीपावली भी मनाई जाती है, लेकिन इस साल कार्तिक पूर्णिमा पर 8 नवंबर को साल का दूसरा चंद्र ग्रहण लग रहा है।

ग्रहण के 9 घंटे पहले सूतक काल शुरू हो जाता है। इससे किसी भी प्रकार के पूजन पाठ या धार्मिक कार्य पर रोक होती है। ऐसे में लोगों के बीच देव दीपावली मनाने पर संशय है। ज्योतिषाचार्य संतोष त्रिपाठी के अनुसार सूतक काल में किसी भी प्रकार के पूजा पाठ, देव दर्शन या स्पर्श पर रोक होती है, जिस कारण देव दीपावली इस बार 7 नवंबर को मनाई जाएगी।

कार्तिक पूर्णिमा पर दीप दान करना होता है शुभ

कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली के नाम से भी जाना जाता है। कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरी पूर्णिमा भी कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध किया था। इसके बाद देवताओं से प्रसन्न होकर काशी में सैकड़ों दीए जलाए थे। तभी से इसे देव दीपावली के नाम से भी जाना जाता है।

पूजा -विधि- इस पावन दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने का बहुत अधिक महत्व होता है। आप नहाने के पानी में गंगा जल डालकर स्नान भी कर सकते हैं। नहाते समय सभी पावन नदियों का ध्यान कर लें।

नहाने के बाद घर के मंदिर में दीप प्रज्वलित करें।

अगर संभव हो तो इस दिन व्रत भी रखें।

सभी देवी- देवताओं का गंगा जल से अभिषेक करें।

पूर्णिमा के पावन दिन भगवान विष्णु की पूजा- अर्चना का विशेष महत्व होता है।

इस दिन विष्णु भगवान के साथ माता लक्ष्मी की पूजा- अर्चना भी करें। भगवान विष्णु को भोग लगाएं। भगवान विष्णु के भोग में तुलसी को भी शामिल करें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी के बिना भगवान विष्णु भोग स्वीकार नहीं करते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि भगवान को सिर्फ सात्विक चीजों का भोग लगाया जाता है।

भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आरती करें।

इस पावन दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का अधिक से अधिक ध्यान करें।

पूर्णिमा पर चंद्रमा की पूजा का भी विशेष महत्व होता है।

चंद्रोदय होने के बाद चंद्रमा की पूजा अवश्य करें।

चंद्रमा को अर्घ्य देने से दोषों से मुक्ति मिलती है।

इस दिन जरूरतमंद लोगों की मदद करें।

अगर आपके घर के आसपास गाय है तो गाय को भोजन जरूर कराएं। गाय को भोजन कराने से कई तरह के दोषों से मुक्ति मिल जाती है।

मुहूर्त- पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ - नवम्बर 07, 2022 को 04:15 पी एम बजे

पूर्णिमा तिथि समाप्त - नवम्बर 08, 2022 को 04:31 पी एम बजे

देव दीपावली का मुहूर्त, ग्रहण का भी रखें ध्यान

कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को गंगा स्नान का पर्व पूरे उत्तर भारत में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस दिन वाराणसी सहित अन्य तीर्थ स्थानों में देव दीपावली का भी आयोजन किया जाता है। इस वर्ष कार्तिक पूर्णिमा को चंद्र ग्रहण पड़ रहा है। भारतीय समय के अनुसार चंद्र ग्रहण आठ नवंबर 2022 को 14:39 बजे से 18:19 बजे तक रहेगा जो बिहार, बंगाल, उड़ीसा, पूर्वोत्तर भारत में खग्रास और शेष भारत में खंडग्रास के रूप में दिखाई देगा।

शाम को चन्द्रमा उदय के समय पर ग्रस्त होता हुआ दिखाई देगा। इस ग्रहण को भारत के अलावा उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, एशिया, उत्तरी अटलांटिक सागर, पैसिफिक सागर, पश्चिमी ब्राजील, पाकिस्तान, पूर्वी रूस, अफगानिस्तान, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड एवं जापान आदि देशों में देखा जा सकेगा। 8 नवंबर को चंद्र ग्रहण का सूतक प्रातः 8:29 बजे से आरंभ हो जाएंगे। सूतकों में बाल, वृद्ध, रोगी को छोड़कर अन्य किसी को भोजन और शयन नहीं करना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को धारदार चाकू-छुरी से फल सब्जी नहीं काटनी चाहिए। सुई से कपड़ा न सिलें। ईश्वर आराधना करते रहें। यद्यपि उदय कालीन पूर्णिमा आठ नवंबर को है और इस दिन चन्द्र ग्रहण भी है।

सात नवंबर को पूर्णिमा शाम 4:16 बजे आरंभ होगी। इसीलिए देव दीपावली का पर्व सात नवंबर को मनाया जाएगा। वाराणसी आदि पवित्र घाटों पर श्रद्धालु अपने पितरों के निमित्त दीपदान करेंगे। इसके साथ-साथ अन्य श्रद्धालुजन भी दीप दान करके गंगा स्नान करेंगे। कार्तिक पूर्णिमा उत्तर भारत में गंगा स्नान पर्व के रूप में मनाया जाता है। लाखों लोग गंगा में स्नान करते हैं, किंतु इस बार प्रातः 8: 29 बजे से ग्रहण का सूतक आरंभ होगा और ग्रहण रात्रि 8:19 बजे समाप्त होगा।

इसलिए गंगा स्नान के इच्छुक श्रद्धालु प्रातः 8:30 बजे से पहले स्नान कर सकते हैं। उसके पश्चात शाम को 18:19 बजे के बाद ग्रहण के बाद गंगा स्नान कर पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। चंद्र ग्रहण आठ नवंबर को दोपहर 2:39 बजे से आरंभ होगा। उस समय मेष राशि और भरणी नक्षत्र पर चंद्रमा का संचरण होगा। मेष, मिथुन, कर्क, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन राशि के लिए चंद्र ग्रहण का फल बहुत शुभ रहेगा जबकि वृषभ और तुला राशियों के लिए चन्द्र ग्रहण का फल मध्यम रहेगा ।

इन राशि वालों को कभी नहीं पहनना चाहिए लाल धागा

कई लोग हाथ में लाल रंग का धागा धारण करते हैं। किसी भी मंगल या धार्मिक कार्य में कलावा या लाल धागा बांधने का रिवाज है। मान्यता के अनुसार, लाल धागे को शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, लाल धागा धारण करने के कई फायदे भी बताए गए हैं। लेकिन ये भी बताया गया है कि किन राशि के जातकों को लाल धागा धारण नहीं करना चाहिए। क्या हैं फायदे हिंदू मान्यताओं के मुताबिक, हाथ में कलावा या लाल धागा पहनने से माता लक्ष्मी खुश रहती हैं और बजरंग बली की कृपा भी हासिल होती है। हाथ में लाल धागा बांधने से कुंडली में मंगल ग्रह भी मजबूत होता है और आर्थिक लाभ होने की भी संभावना होती है। मान्यताओं के अनुसार, लाल धागा पहनने से शरीर में पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बना रहता है और जिंदगी पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। किन्हें लाल धागा नहीं पहनना चाहिए? ज्योतिष शास्त्र में ये भी बताया गया है कि किन लोगों को लाल धागा नहीं पहनना चाहिए। माना जाता है कि लाल धागा शनि देव को पसंद नहीं है। इसी वजह से काले तिल का दान शनिवार को किया जाता है। शनि महाराज कुंभ और मीन राशि के स्वामी हैं। ऐसे में दोनों राशि के लोगों को हाथ में कलावा या लाल रंग का धागा नहीं पहनना चाहिए। इन लोगों को नीले रंग का धागा बांधना चाहिए। किन लोगों को पहनना चाहिए लाल धागा? वृश्चिक, सिंह और मेष राशि वालों को लाल धागा या कलावा बांधना चाहिए। इन राशि के जातकों को लाल धागा बांधने से हनुमान जी की कृपा हासिल होती है। वैज्ञानिक कारण क्या हैं? कलाई में लाल धागा बांधने के वैज्ञानिक कारण भी बताए गए हैं। इससे ब्लड प्रेशर और हार्ट अटैक जैसी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

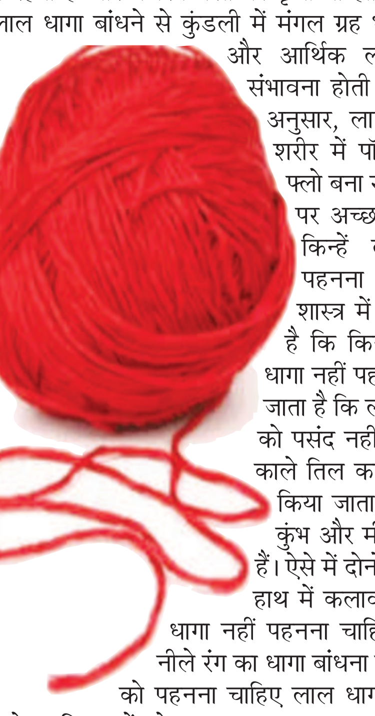

अनमोल वचन

पीठ हमेशा मजबूत रखनी चाहिए क्योंकि शाबासी और धोखा दोनो पीछे से ही मिलते हैं।

कोई कुछ भी बोले स्वयं को शांत रखो, क्योंकि धूप कितनी भी तेज हो समुद्र को नही सुखा सकती।

इंसान की संपत्ति ना दौलत है ना धन है
उसकी संपत्ति तो उसका हँसता हुआ परिवार और संतुष्ट मन है।

अच्छाई और सच्चाई चाहे पूरी दुनिया में ढूंढ लो अगर खुद में नही है तो कहीं नही मिलेगी

परेशानी में जो अनुभव और सीख मिलती है,
वो सीख दुनिया का कोई भी स्कूल नही दे सकता

माता-पिता वो हस्ती हैं जिसके पसीने की एक बूंद का कर्ज भी औलाद नहीं चुका सकती।।

बड़ा बनो पर उसके सामने नही जिसने तुम्हे बड़ा किया है।

भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए करें इस चमत्कारिक मंत्र का जप

रुद्राक्ष की माला से ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप 108 बार करने से भगवान भोलेनाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस मंत्र को काफी शक्तिशाली और चमत्कारी बताया गया है। 'ॐ नमः शिवाय' का मंत्र का जाप करने से संपूर्ण शास्त्र ज्ञान प्राप्त हो जाता है। इस मंत्र के जप करने से सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। शिवजी के पांच मुखों से हुई उत्पत्ति पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार माता पार्वती ने भगवान भोलेनाथ से पूछा कि कलियुग में समस्त पापों को दूर करने के लिए किस मंत्र का जप करना चाहिए? इस पर भगवान शिव ने कहा कि उन्होंने ही सबसे पहले अपने पांच मुखों से यह मंत्र ब्रह्माजी को प्रदान किया था। शिव हैं इस मंत्र के देवता सनातन धर्म में ॐ नमः शिवाय पंचाक्षर कहलाते हैं। शिव पुराण के अनुसार, इस मंत्र के ऋषि वामदेव हैं और स्वयं शिव इसके देवता हैं। इस मंत्र को शरणाक्षर मंत्र भी कहा गया है। ॐ नमः शिवाय का अर्थ है कि लोग घृणा, तृष्णा, स्वार्थ, लोभ, ईर्ष्या, काम, कोध्र, मोह, माया और मद से रहित होकर प्रेम और आन्नद से परिपूर्ण होकर परमात्मा का शानिध्य प्राप्त करें। जप करने की विधि इस मंत्र का जप शिव मंदिर, तीर्थ या घर में साफ, शांत व एकांत जगह में बैठकर करना चाहिए। इस मंत्र को रुद्राक्ष की माला से 108 बार जप करना चाहिए। मंत्र जप करते समय हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठें। योग मुद्रा में बैठकर ही इस मंत्र का जप करना चाहिए। शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से कृष्ण पक्ष की चतुर्थदशी तक इस मंत्र का जाप करें। इस दौरान खानपान, वाणी और इंद्रियों में संयम रखें। मंत्र के फायदे इस मंत्र का जप सूर्योदय और सूर्यास्त दोनों प्रहर में कर सकते हैं। इस मंत्र को जप करने से भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा मिलने लगती हैं। इस मंत्र के जप करने से धन लाभ होता है और शत्रुओं पर विजय मिलती है। इससे संतान प्राप्ति भी होती है और हर तरह की बाधाएं दूर होती हैं।

काफी चमत्कारिक है हवन की राख

सनातन धर्म में हवन को काफी महत्व दिया गया है। यह परंपरा आदिकाल से ही चली आ रही है। हवन करने से देवी-देवता जल्द प्रसन्न होते हैं और अपना आशीर्वाद बनाए रखते हैं। सनातन धर्म में हवन को काफी महत्व दिया गया है। यह परंपरा आदिकाल से ही चली आ रही है। हवन करने से देवी-देवता जल्द प्रसन्न होते हैं और अपना आशीर्वाद बनाए रखते हैं। हवन करने से वातावरण शुद्ध होता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। किसी खास मौके या पूजा-पाठ के दौरान हवन करवाना शुभ माना जाता है। इस दौरान कई सामग्रियों की आहूति दी जाती है, जिनमें कई गुण होते हैं। आर्थिक तंगी घर में अगर आर्थिक तंगी बने रहती है तो हवन की राख से उपाय किए जा सकते हैं। हवन की राख को ठंडी होने के बाद किसी लाल कपड़े में बांधकर घर की तिजोरी या पैसे रखने वाली जगह पर रख दें। ऐसा करने से घर में बरकत होती है और आर्थिक दिक्कतों से मुक्ति मिलती है।

नकारात्मक ऊर्जा -वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में हवन करने से निगेटिव एनर्जी बाहर चली जाती है। हवन की राख को घर और कारोबार करने वाले स्थान के चारों तरफ छिड़क दें, इससे वहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगेगा। डरावने सपने

रात को अगर डरावने सपने आते हैं, जिस वजह से नींद पूरी नहीं हो पाता है तो रात को हवन की राख का टीका लगाकर सोएं। ये प्रक्रिया चार रात तक लगातार करें। इससे डरावने सपनों से निजात मिलेगी।

बुरी नजर -लोग हवन की राख को अक्सर बेकार समझकर फेंक देते हैं, लेकिन यह बड़े काम की चीज है। यह नजर उतारने के काम भी आती है। घर के सदस्यों को अगर बुरी नजर से बचाना है तो हवन के राख का तिलक सभी लोगों को लगाएं।

जिन लोगों के नाक की बनावट होती है ऐसी, माने जाते हैं काफी लकी

नाक को इंसान के शरीर का काफी संवेदनशील अंग माना जाता है। इसके जरिए दुनिया के हर चीज के बारे में गंध ली जा सकती है। सामुद्रिक शास्त्र की बात करें तो इसके अनुसार, हर इंसान के नाक की बनावट से उसके बारे में बहुत कुछ अनुमान लगाया जा सकता है। नाक के जरिए इंसान के कई राज उजागर हो सकते हैं और उसके बिहेवियर के बारे में पता चल सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि किस टाइप की नाक किस बात की तरफ इशारा करती है।

छोटी नाक छोटी नाक वाले लोगों में बचपना होता है। ये लोग काफी मजाकिया होते हैं और दूसरों के साथ शरारत करने से भी नहीं चूकते हैं। इन लोगों को चालाक माना जाता है, लेकिन ये लोग जिन लोगों से संबंध बना लेते हैं, उनके साथ हमेशा खड़े रहते हैं।

पतली नाक जिस इंसान की नाक पतली होती है, उनके बारे में माना जाता है कि वह घमंडी स्वभाव के होते हैं। इन लोगों को काफी जल्द गुस्सा आता है। हालांकि, पतली नाक वाले काफी लकी माने जाते हैं। जीवन में खूब तरक्की करते हैं।

मोटी नाक ये लोग काफी मजाकिया किस्म के होते हैं, जिंदगी में खुश रहना इन्हें पसंद होता है। समाज की परवाह किए बिना, अपने अंदाज में जिंदगी को जीते हैं। लोगों से मिलना-जुलना इनको पसंद होता है। इनकी खुशमिजाजी की वजह से लोग इनकी तरफ जल्द आकर्षित होते हैं।

लंबी नाक ऐसे शख्स जिन लोगों की नाक लंबी होती है, ऐसे लोग कला के प्रति काफी रुचि रखते हैं। ये लोग धर्म के मार्ग पर चलते हैं, इन्हें घूमने-फिरने का काफी शौक होता है। लंबी नाक वाले जो भी काफी हाथ में लेते हैं, उसे पूरा करके ही छोड़ते हैं।

दबी नाक सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, दबी नाक वाले काफी संवेदनशील और भावुक होते हैं। ये लोग एक-दूसरे के प्रति काफी ईमानदार होते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि लेते हैं और किसी से दबकर रहना, इन लोगों को पसंद नहीं होता है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने बेबी गर्ल को जन्म दिया

आलिया रणबीर ने कहा - यह जिंदगी की सबसे अच्छी खबर

आलिया रविवार सुबह ही पति रणबीर के साथ अस्पताल पहुंची थीं। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने आज यानी 6 नवंबर को एक बेबी गर्ल को जन्म दिया है। फैंस से लेकर सेलेब्स तक आलिया-रणबीर को पेरेंट्स बनने की शुभकामनाएं दे रहे हैं। आलिया रविवार सुबह ही मुंबई के एचएन रिलायंस हॉस्पिटल में एडमिट हुई थीं। मुंबई के गोरेगांव इलाके में मौजूद इसी अस्पताल में कपूर फैमिली के नए मेंबर ने आंखें खोलीं।

सोशल मीडिया पर आलिया ने बेबी के आने की ऑफिशियल आनाउंसमेंट की है। आलिया ने पोस्ट किया, 'हमारी जिंदगी की बेस्ट न्यूज आ गई है। हमारा बेबी इस दुनिया में आ गया है और वो कमाल की लड़की है। इस खुशी को जाहिर करना मुश्किल है। हम एक ब्लेस्ड पेरेंट्स बन गए हैं। प्यार, प्यार, प्यार आलिया और रणबीर।'

आलिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बेबी गर्ल को जन्म देने की जानकारी दी है।

आज मैं सबसे ज्यादा खुश हूं- रिद्धिमा कपूर

रणबीर की बहन रिद्धिमा कपूर ने सोशल मीडिया पर आलिया-रणबीर की फोटो शेयर कर लिखा, 'आज मैं सबसे ज्यादा खुश हूं। सबसे प्यारी बेबी गर्ल के सबसे प्राउड पेरेंट्स। बुआ उसे पहले से ही प्यार करती है।'

पिछले महीने हुई थी आलिया की गोद भराई

हाल ही में आलिया की गोद भराई की रस्में हुई थीं। इस सेरेमनी में बी-टाउन के कई सेलेब्स शामिल हुए थे। रस्मों में भट्ट और कपूर खानदान कपल और उनके होने बच्चे को आशीर्वाद देने लिए पहुंचा। इस गोद भराई की कई फोटोज आलिया ने खुद सोशल मीडिया पर शेयर की थीं।

शादी के 2 महीने बाद की थी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट

27 जून को आलिया ने प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। आलिया ने हॉस्पिटल की फोटो शेयर कर लिखा था, 'हमारा बेबी..जल्द आ रहा है।' फोटो में वो अल्ट्रासाउंड करवाती नजर आ रही थीं, जिसमें उनके पति रणबीर भी साथ नजर आ रहे थे। रणबीर और आलिया की बात करें तो दोनों आखिरी बार फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में साथ नजर आए थे।

रणबीर और आलिया ने इसी साल 14 अप्रैल को परिवार और कुछ खास दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी। 2017 में फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के सेट पर दोनों की पहली मुलाकात हुई थी। फिर उसके बाद कपल ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था। एक-दूसरे को 5 साल तक डेट करने के बाद उन्होंने इस साल शादी कर ली।

मुंबई एयरपोर्ट पर ड्रेडलॉक अवतार में आए नजर रॉकी भाई यश

जब केजीएफ के प्रमोशन को लेकर यश से कहा गया- तुम जो 10 करोड़ प्रमोशन में लगा रहे हो, वो बेकार जाएंगे

केजीएफ के हिन्दी वर्जन ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 40 करोड़ रुपये की कमाई की थी. जबकि केजीएफ चैप्टर 2 के हिन्दी वर्जन ने 400 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए हैं. यानी पहले से 10 गुना ज्यादा. इसपर यश ने कहा कि उनके लिए वो 40 करोड़, इस 400 करोड़ से ज्यादा मायने रखते हैं. उन्होंने बताया कि ऐसा क्यों है.

केजीएफ फिल्म फ्रैंचाइजी ने रॉकिंग स्टार यश को कन्नड़ सिनेमा के साथ-साथ देश और दुनियाभर में अलग पहचान दी है. कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम रहे यश ने केजीएफ में रॉकी भाई का किरदार निभाकर पूरे भारत में नाम कमाया. इसके अलावा दुनियाभर में भी उनके काम को खूब सराहा गया. लेकिन 2018 में जब यश अपनी फिल्म को प्रमोट करने पहली बार मुंबई आए थे तब माहौल कुछ अलग था.

एक इवेंट के दौरान यश से बोला गया कि वह वैल्यू लेकर आ रहे हैं. केजीएफ चैप्टर 1 के हिन्दी डब वर्जन ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 40 करोड़ रुपये की कमाई की थी. जबकि केजीएफ चैप्टर 2 के हिन्दी वर्जन ने 400 करोड़ से ज्यादा कमाए हैं. तो वह 10 गुणा मुनाफा दे रहे हैं. इसपर यश ने कहा कि उनके लिए वो 40 करोड़, इस 400 करोड़ से ज्यादा मायने रखते हैं. साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि उस समय उन्हें कहा गया था कि वो अपने पैसे मुंबई में फिल्म को प्रमोट करने में बर्बाद कर रहे हैं.

रॉकी भाई से पहले मुंबई और फैन्स के दिलों पर राज कर चुका है ये सुल्तान

यश कहते हैं, 'मुझे लगता है कि मेरे लिए वो 48 करोड़ रुपये की कमाई इस 400 करोड़ रुपये से ज्यादा है, क्योंकि तब समय अलग था. जब मैं उस समय में मुंबई आया था तब हमें जिस तरह का रिस्पॉन्स मिला करता था, वो आज के समय के एकदम अलग था. उस समय कई लोगों ने मुझे कहा था कि तुम यहां क्या कर रहे हो? तुम्हें ये 10 करोड़ रुपये वापस भी नहीं मिलेंगे, जो भी तुम फिल्म की पब्लिसिटी और प्रमोशन में लगा रहे हो. तो वो मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट थी, ये नहीं. ये तो फॉलोअप है. मैं 400 करोड़ के रिकॉर्ड को सेलिब्रेट नहीं कर रहा हूं. आने वाले समय में कोई भी आसानी से इसको तोड़ देगा. लेकिन वो शुरुआती चीज जरूरी है.'

यश से पूछा गया कि जब वो 2017-2018 में अपनी फिल्म केजीएफ को प्रमोट करने के लिए आए थे, तब हिन्दी फिल्म डिसट्रिब्यटर्स उनसे क्या कहा करते थे? इसपर उन्होंने कहा, 'बहुत लोगों को पता ही नहीं था कि केजीएफ नाम से कोई फिल्म भी है. तो हमें उन्हें बताना पड़ा था कि ये केजीएफ नाम से एक फिल्म है जो हम बना रहे हैं. जबकि ये कर्नाटक में बनी सबसे बड़ी फिल्म थी. सभी इसे लेकर उत्साहित थे. केजीएफ से पहले मैं वहां बड़ा स्टार था, मेरी फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज रामाचारी' बहुत बड़ी हिट हुई थी और उसने बड़ी कमाई की थी. तब भी यहां बहुत लोगों को कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के बारे में पता ही नहीं था.'उन्होंने आगे बताया, 'लोग बोलते थे- 'अच्छा, कन्नड़ इंडस्ट्री... 5 करोड़ में फिल्म बनाते हैं, 10 करोड़ में कलेक्शन होता है'. मैंने कहा, नहीं यार 50 करोड़ में. पॉइंट ये है कि हम जुड़े हुए नहीं थे. किसी को नहीं पता था कि कहां क्या हो रहा है. सारी बातें नंबर की हैं. नंबर ही आपको वैलिडेशन देते हैं. आज कन्नड़ इंडस्ट्री पर सबकी नजर हमारे बनाए नंबर की वजह से ही है. मैं किसी को इसके लिए गलत नहीं मानता, ये एक मौका था जो हमें मिला.'

नानी एडवाइस पर नव्या का रिएक्शन कहा- बिना शादी के बच्चा करने में मुझे कोई भी समस्या नहीं है

बॉलीवुड एक्ट्रेस जया बच्चन ने अपनी नातिन नव्या नवेली नंदा को हाल ही में एक रिलेशनशिप एडवाइस दी थी। नातिन के पॉडकास्ट व्हाट द हेल नव्या में नानी जया ने फिजिकल अट्रैक्शन और कंपैटिबिलिटी के बारे में खुलकर बात की। दिग्गज एक्ट्रेस ने पॉडकास्ट के दौरान बताया कि आजकल रिलेशनशिप में फिजिकल अट्रैक्शन बहुत जरूरी है। पहले के समय में ऐसे एक्सपेरिमेंट नहीं कर सकते थे, लेकिन आज की पीढ़ी ऐसा कर सकती है। इसके अलावा जया ने कहा था कि अगर नव्या बिना शादी के मां बनती हैं, तो इसमें उन्हें कोई इशू नहीं है। नानी के इस बयान पर अब नव्या नवेली नंदा का रिएक्शन सामने आया है। नव्या ने कहा कि उन्हें इस चीज से कोई भी परेशानी नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि उनके पॉडकास्ट में महिलाओं से जुड़े ऐसे ही मुद्दों पर बात की गई है। नव्या नवेली नंदा ने कहा- 'अगर बिना शादी के भी बच्चा है, मुझे इस बात से कोई समस्या नहीं है।' जया बच्चन के बयान से किसी हंगामे की उम्मीद के बारे में सवाल किए जाने पर नव्या ने कहा- मुझे लगता है कि इस पॉडकास्ट में हमारा मकसद महिलाओं के महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाना है और मुझे लगता है कि हम ऐसा कर सकते हैं। मैंने पॉडकास्ट में उनसे रिश्तों, दोस्ती जैसी कई चीजों के बारे डिस्कस किया, मैं उनसे हर तरह की बाते करने में खुद को कंफर्टेबल महसूस कर रही थी।

भारत की महिलाओं के लिए बेहतर माहौल है जरूरी

हमारा एक एपिसोड था, जिसमें हम महिलाओं की हेल्थ और हाइजीन के बारे में बात की है। इसलिए मुझे लगता है कि जब आप महिलाओं के लिए बेहतर महौला बनाते हैं, तो आप किसी भी तरह के मुद्दों पर बात करने में असहज महसूस नहीं करते हैं। इसलिए किसी भी पॉडकास्ट शो बहुत आरामदायक होना चाहिए, बातचीत आसान थी और मैंने अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर पॉडकास्ट तैयार किया है। मुझे लगता है कि जब आप खुद को दायरे से बाहर करते हैं, तो आपको यह समझना होगा कि आप लोगों के बीच जो भी शेयर करते हैं, उससे कई लोग सहमत भी हो सकते हैं और असहमत भी। मुझे लगता है कि इस पॉडकास्ट के पीछे की एक इंस्पिरेशन और पवित्रता छिपी है।

देबिना बनर्जी ने कराया बोल्ड फोटोशूट, यूजर बोला- 'बच्चों को क्या मुंह दिखाओगी?'

टीवी के फेमस एक्ट्रेस देबिना बनर्जी साल में दूसरी बार मां बनने वाली हैं, देबिना ने शादी के कई सालों बाद 3 अप्रैल 2022 को बेटी लियाना चौधरी का वेलकम किया था. लियाना के जन्म के कुछ महीने बाद ही देबिना ने फिर से प्रेग्नेंस की ऐलान किया था. हाल ही में उन्होंने अपना एक मैटरनिटी फोटोशूट कराया, जिसे लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोल किया जा रहा है. देबिना ने मैचिंग थाई-हाई स्टॉकिंग्स के साथ ब्लैक ट्यूब टॉप पहना था, उनका बोल्ड वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं.

देबिना से पहले एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने बेबी बंप के साथ एक फोटोशूट कराया, उन्हें भी तस्वीरों को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था. सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि ये भारत की संस्कृति नहीं है. बिपाशा के बाद अब देबिना ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं. उन्होंने अपने आउटफिट को व्हाइट ओवर-शर्ट और ब्लैक हाई हील्स के साथ कई तस्वीरों के लिए पोज दिया. फोटो में देखा जा सकता है कि देबिना स्टूल पर बैठी हुई हैं और अपने पेट पर हाथ रख कर स्टाइलिश पोज दिया. देबिना ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर अपने मैटरनिटी शूट की तस्वीरों के साथ बीटीएस का वीडियो भी पोस्ट किया. उनको पोस्ट पर लोगों की नजर पड़ते ही कमेंट की बारिश होने लगी. एक तरफ जहां कुछ यूजर्स ने उनकी तारीफ की, तो वहीं कुछ ने उनके फोटोशूट पर आपत्ति जताई. ट्रोलर्स ने लिखा, 'आपको अपना न्यूड बेबी बंप क्यों दिखाना है, ये अच्छा नही है.' दूसरे ने लिखा, 'देबी ये सब बकवास है, विदेशी ये सब करते हैं, इसलिए जरूरी नहीं कि यह भी करें. तुम पर शर्म आती है क्या तुम अपनी यो फोटो अपने बच्चों को दिखाओगी? भारत की मर्यादा कहां खो गई है.'

फिर रुबीना दिलैक को लगी चोट

झलक दिखला जा के सेट पर घायल हुईं एक्ट्रेस, बोलीं- ये शो मुझसे और क्या-क्या लेगा?

टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक इन दिनों डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 10' में नजर आ रही हैं। अब शो में लेटेस्ट डांस परफॉर्मेंस के दौरान उनके पैर में चोट लग गई है। हाल ही में रुबीना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दो लोग उनके पैर का नाखून उखाड़ रहे हैं। इस दौरान वो दर्द से कराह रही हैं और कह रही हैं कि ये शो मुझसे और क्या-क्या लेगा? इस वीडियो को रुबीना ने खुद शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि ये चोट उन्हें नया डांस फॉर्म करने के दौरान लग गई है। आपको बता दें कुछ दिन पहले भी रुबीना को पैर में चोट लग गई थी।

दिशा पाटनी को हुई थी मेमोरी लॉस की बीमारी

सिर पर चोट लगने की वजह से चली गई थी याददाश्त

एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने हाल ही में खुलासा किया है एक बार ट्रेनिंग के दौरान कंक्रीट की छत पर गिरने की वजह से उनके सिर पर चोट लग गई थी जिसकी वजह से करीब छह महीने तक उनकी याददाश्त चली गई थी। दिशा का कहना है कि ये हादसा तब हुआ जब वो भारत फिल्म की शूटिंग के दौरान जिमनास्ट खेलने का सीक्वेंस शूट कर रहीं थी। दिशा का कहना है कि पीछे की तरफ फ्लीप मारते वक्त सिर के बल गिरने से उन्होंने अपने आप को घायल कर लिया था।

फिटनेस को लेकर काफी सीरियस रहती है दिशा

दिशा पाटनी अपनी फिटनेस को लेकर काफी सीरियस रहती हैं। वो जिम में घंटो पसीना बहाने के अलावा जिमनास्ट में भी अपना हाथ आजमाती रहती है। हाल में ही जिमनास्ट प्रैक्टिस के दौरान बात करते हुए दिशा ने कहा - जब मैं किसी फिल्म की शूटिंग नहीं कर रही होती हूं तो मैं जरूर जिमनास्ट में हाथ आजमाती हूं। जिमनास्ट के लिए आपको नियमित और बहादुर दोनों होना चाहिए। मैं जहां हूं वहां पहुंचने में मुझे थोड़ा समय लगा है। आपको इसे हर दिन करना है। जब आप अपनी हड्डियों और घुटनों को तोड़ते हैं तब आप कहीं वहां पहुंच पाते हैं।

एम एस धोनी फिल्म से किया था बॉलीवुड में डेब्यू

दिशा के रिसेंट प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वो अभी जल्द ही मोहित सूरी की फिल्म एक विलेन रिटर्न में नजर आईं

थी। फिल्म में वो जॉन अब्राहम और अर्जून कपूर के साथ दिखीं थी। उन्होंने एम एस धोनी फिल्म से बॉलीवुड में करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनका रोल काफी छोटा था लेकिन छोटे से स्क्रीन टाइम में भी उन्होंने अपने एक्टिंग से ऑडियंस को काफी ज्यादा प्रभावित किया था।

क्या रियलिटी टीवी शो में कभी खुलेंगे शाहरुख खान के सीक्रेट?

बर्थडे के बाद शाहरुख खान ने फैंस को बड़ा सरप्राइज दे दिया. सोशल मीडिया स्क्रॉल कर ही रहे थे कि किंग खान के ट्वीट पर नजर पड़ी. ट्वीट में बॉलीवुड बादशाह ने फैंस को #AskSrk में उनसे मन की बात करने का मौका दिया. कई यूजर्स ने किंग खान से मजेदार सवाल किये. वहीं एक फैन ने शाहरुख खान से फैमिली टीवी शो के बारे में पूछ डाला. चलिये अब इस बात को थोड़ा डिटेल में समझ लेते हैं.

फैन ने किंग खान से किया बड़ा सवाल

शाहरुख खान अपने फैंस से कितना प्यार करते हैं, ये शायद ही शब्दों में बयां किया जा सकता है. इसलिये फैंस भी बेझिझक होकर उनसे दिल की बात कहना जानते हैं. #AskSrk में एक यूजर ने किंग खान से सवाल किया, 'अगर आपके और आपके परिवार के पास 'कर्दाशियां' जैसा टीवी शो होता, तो इसे क्या कहा जाता?' सवाल बड़ा था, लेकिन किंग खान ने जो जवाब दिया वो किसी ने नहीं सोचा होगा. शाहरुख लिखते हैं, 'वैसे तो ऐसा कभी नहीं होगा हम एक प्राइवेट फैमिली हैं लेकिन अगर हुआ तो मुझे लगता है कि 'खानदान' होगा??!'. मतलब बॉलीवुड बादशाह ने ये साफ कर दिया कि उनकी फैमिली खुद को काफी प्राइवेट रखती है. पर अगर कभी उनकी फैमिली पर टीवी शो बनने की गुजाइंश हुई, तो उसका नाम खानदान रखना ठीक होगा. बाकी आगे की कहानी वक्त आने पर पता चलेगी.

#AskSrk में शाहरुख खान ने उनके फेवरेट स्टार्स सलमान खान, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम पर भी बात की. इसके अलावा अपनी हॉटनेस का मजेदार सीक्रेट भी बताया. किंग खान सभी फैंस के सवाल का जवाब तो नहीं दे सके. पर हां उन्होंने वादा किया है कि जल्द ही वो फिर से फैंस को सवाल करने का मौका देंगे. #AskSrk सेशन का अंत उन्होंने फैंस को थैंक्स और लव यू बोलकर किया.

वहीं अगर बात करें 'कर्दाशियां' शो की, तो ये रियलिटी टीवी स्टार किम कर्दाशियां और उनकी फैमिली पर बना एक रियलिटी शो है. शो के जरिये फैंस को 'कर्दाशियां' फैमिली की अनकही कहानी जानने का मौका मिला. कर्दाशियां का पहला सीजन हिट रहा और अब इसके दूसरे सीजन का इंतजार है.

'ब्लैकमेल करती हैं शर्लिन चोपड़ा': राखी सावंत ने लगाया एडल्ट फिल्में बनाने का आरोप, किया मानहानि का केस!

एक तरफ जहां 'बिग बॉस 16' में कंटेस्टेंट्स के बीच घमासान जारी है वहीं, बीबी हाउस के बाहर साजिद खान को लेकर दो 'बिग बॉस' एक्स कंटेस्टेंट राखी सावंत और शर्लिन चोपड़ा के बीच जुबानी जंग चल रही है. शर्लिन और राखी के बीच शुरू हुआ ये आरोप-प्रत्यारोप अब कोर्ट तक पहुंच गया है. हाल ही में राखी सावंत का एक लेटेस्ट वीडियो सामने आया, जिसमें राखी ने बताया कि उन्होंने शर्लिन के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया है. वीडियो में राखी सावंत के साथ उनकी वकील फाल्गुनी भी नजर आईं.

दरअसल, सारा विवाद साजिद खान के 'बिग बॉस 16' में एंट्री को लेकर शुरू हुआ. शर्लिन चोपड़ा सहित उन पर मीटू का आरोप लगाने वाली कई महिलाओं ने साजिद को शो से बाहर करने की मांग की. इस बीच राखी सावंत ने साजिद का सपोर्ट करते हुए शर्लिन से सीधा पंगा ले लिया. दोनों ने वीडियो के जरिए एक-दूसरे पर कई संगीन आरोप लगाए, अब राखी सावंत ने दावा किया कि उन्होंने शर्लिन के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. राखी की वकील फाल्गुनी ने बताया कि उन्होंने सबूतों के आधार पर शर्लिन के खिलाफ मानहानि का केस दायर कराया है.

सामने आए वीडियो में सिर्फ राखी ही नहीं बल्कि वकील फाल्गुनी ने भी शर्लिन चोपड़ा को खूब भला-बुरा कहा. उन्होंने कहा कि शर्लिन चोपड़ा अपने न्यूड वीडियोज से पुरुषों को आकर्षित करती हैं. राखी ने भी अपनी लॉयर के साथ मिलकर शर्लिन के कई कथित पोर्न वीडियोज दिखाए. उन्होंने आरोप लगाया कि शर्लिन लोगों को ब्लैकमेल करती हैं. अपनी न्यूड तस्वीरों और वीडियो को बेचती हैं. उधर, शर्लिन ने भी राखी सावंत के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया है. उन्होंने भी कई वीडियो शेयर कर राखी सावंत पर कई आरोप लगाए.

इन टिप्स की मदद से अपनी प्रेजेंटेशन स्किल्स को करें इम्प्रूव

चाहे स्कूल-कॉलेज हो या ऑफिस, हर जगह आपको प्रेजेंटेशन देनी होती है इसलिए आपको अच्छी प्रेजेंटेशन देना आना चाहिए। कई लोगों को दूसरों के सामने प्रेजेंटेशन देने में घबराहट होती है और डर लगता है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे जिसकी मदद से आप प्रेजेंटेशन देते समय घबराहट महसूस नहीं होगी।

आज के समय में आप किसी भी फील्ड में हो, आपको अपनी बात दूसरों के सामने अच्छे ढंग में पेश करना आना ही चाहिए। चाहे स्कूल-कॉलेज हो या ऑफिस, हर जगह आपको प्रेजेंटेशन देनी होती है इसलिए आपको अच्छी प्रेजेंटेशन देना आना चाहिए। कई लोगों को दूसरों के सामने प्रेजेंटेशन देने में घबराहट होती है और डर लगता है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे जिसकी मदद से आप प्रेजेंटेशन देते समय घबराहट महसूस नहीं होगी -

प्रेजेंटेशन के विषय को समझें

आप अच्छी प्रेजेंटेशन तभी दे पाएंगे जब आपको अपने विषय

की अच्छी समझ होगी। प्रेजेंटेशन देने से पहले अपने विषय को अच्छी तरह समझें और उस पर रिसर्च कर लें।

प्रेजेंटेशन देने से पहले अच्छे से तैयारी करें

कई बार ख़राब प्रेजेंटेशन का कारण कम या अधूरी तैयारी होती है। अगर आप प्रेजेंटेशन देते समय नर्वस होते हैं तो प्रेजेंटेशन की अच्छी तैयारी करें। आप किसी एकांत जगह पर प्रेजेंटेशन की प्रैक्टिस करें। अगर आपकी तैयारी अच्छी होगी तो आप नर्वस नहीं होंगे।

व्यर्थ शब्दों का उपयोग ना करे

अपनी प्रेजेंटेशन के दौरान ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें, जिनका कोई मतलब न हो। अक्सर लोग प्रेजेंटेशन के दौरान अम्म, हम्म, आ जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे शब्दों के इस्तेमाल से दूसरों पर एक गलत इम्प्रेशन पड़ता है। इससे सामने वाले को लगता है कि आपने अपनी प्रेजेंटेशन के लिए अच्छी तैयारी नहीं की है।

एक अच्छा पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन कैसे तैयार करें

आप अपनी प्रेजेंटेशन को अच्छा बनाने के लिए पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन (ppt) की मदद ले सकते हैं। आप अपनी ppt में ग्राफ़िक्स, अलग फ़ॉन्ट्स,चार्ट्स आदि का प्रयोग कर सकते हैं। इससे सबको लगेगा कि आपने अपनी प्रेजेंटेशन के लिए अच्छी तैयारी की है और लोग आपकी प्रेजेंटेशन पर ज़्यादा ध्यान देंगे।

शीशे के सामने करें प्रैक्टिस

अगर आप प्रेजेंटेशन के दौरन नर्वस होते हैं तो शीशे के सामने खड़े होकर प्रैक्टिस करें। आप शीशे के सामने खड़े होकर बिल्कुल वैसे ही प्रेजेंटेशन दें, जैसा आप सबके सामने देंगे। इससे आपको अपनी गलतियां पता चलेंगी और आप अच्छी तैयारी कर पाएंगे। आप चाहें तो शीशे के अलावा किसी दोस्त या घर के किसी सदस्य के सामने भी प्रेजेंटेशन देने की प्रैक्टिस कर सकते हैं।

एमटेक डिग्री होल्डर्स के लिए करियर ऑप्शन्स

एमटेक डिग्री होल्डर्स ले सकते हैं डॉक्टोरल डिग्री (पीएचडी) में एडमिशन

अगर आप टीचिंग के प्रोफेशन में जाना चाहते हैं या आप किसी रिसर्च एवं डेवलपमेंट कंपनी में काम करने का शौक रखते हैं तो आप अपनी एमटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने पसंदीदा विषय में पीएचडी कर सकते है। जब आप एमटेक के बाद पीएचडी करने का इरादा कर लेते हैं तो आपका ऑब्जेक्टिव स्पष्ट होना चाहिए कि आप टीचिंग या रिसर्च को अपने करियर ऑप्शन के तौर पर चुन रहे हैं।भारत में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन्स (आर एंड डी) और आईआईटी तथा एन आईटी जैसी सेंट्रल यूनिवर्सिटीज को मंजूरी दी है। टीचिंग प्रोफेशन बेशक आकर्षक पेशा है लेकिन इसमें काफी चुनौतियां भी आती हैं। आप अपने जोश और रूचि के अनुसार, एमटेक के बाद अपना करियर चुन सकते हैं। आजकल के ट्रेंड को देखते हुए, आपको अपनी बीटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद जो जॉब प्रोफाइल मिलती है, वही जॉब एमटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद भी मिल सकती है। हालांकि, एमटेक की डिग्री मिलने के बाद आपके जॉब रोल और पोजीशन के तहत आपको ज्यादा जिम्मेदारियां सौंपी जायेंगी और आपका सैलरी पैकेज भी काफी अच्छा होगा। इसके अलावा, एमटेक की डिग्री हासिल करने के बाद क्योंकि आपको टेक्निकल प्वाइंट्स की ज्यादा अच्छी जानकारी और समझ होगी और आप अपने सुपूर्द

कार्यों के बारे में ज्यादा अच्छी तरह सोच-विचार कर सकेंगे, इसलिये आप अपने सभी काम ज्यादा बेहतरीन और फायदेमंद तरीके से करने में सक्षम होंगे। आप एमटेक की डिग्री हासिल करने के बाद, बड़ी सरलता से रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन्स, मैन्युफैक्चरिंग फर्म्स और IT कंपनियों में किसी प्रोजेक्ट मैनेजर, रिसर्च एसोसिएट और सीनियर इंजीनियर्स के तौर पर जॉब प्राप्त कर सकते हैं।

एमटेक प्रोफेशनल्स के लिए बढ़िया रहेगा टीचिंग प्रोफेशन भी

आमतौर पर, अधिकांश स्टूडेंट्स अपनी एमटेक की डिग्री प्राप्त करने के बाद एकेडेमिक जॉब्स करना पसंद करते हैं। आजकल, भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र का बड़ी तीव्र गति से विकास हो रहा है और इस कारण डीम्ड यूनिवर्सिटीज, शिक्षा संस्थानों और कॉलेजों में टीचर्स और प्रोफेसर्स की मांग काफी बढ़ रही है।एमटेक करने के बाद टीचिंग का पेशा ज्वाइन करने के लिए, स्टूडेंट्स को इस बात का ध्यान जरुर रखना चाहिए कि उनके पास इस पेशे के लिये बेहतरीन कम्युनिकेशन और प्रेजेंटेशन स्किल्स अवश्य होने चाहिए क्योंकि इन दोनों ही स्किल्स का टीचिंग प्रोफेशन में खास महत्व है।

भारत में एमटेक डिग्री होल्डर्स को मिलने वाले करियर ऑप्शन्स को निम्नलिखित 4 प्रमुख हिस्सों में बांटा जा सकता है:

पीएचडी/ रिसर्च डिग्री में एडमिशन

एमटेक की डिग्री मिलते ही तुरंत सूटेबल जॉब ज्वाइन करना

किसी इंजीनियरिंग कॉलेज में टीचिंग करना

अपनी कंपनी या स्टार्टअप शुरू करना

फेक यूनिवर्सिटीज में एडमिशन लेने से जरुर बचें

यह बहुत बढ़िया बात है कि आप किसी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से अपनी पीएचडी की पढ़ाई करने के बारे में प्लान कर रहे हैं। यद्यपि, कोई इंस्टिट्यूशन चुनते समय आप पूरी सावधानी बरतें और उस इंस्टिट्यूट की क्रेडिबिलिटी एवं एक्रीडिटेशन को डबल चेक करें। भारत में एआईसीटीई की तरह ही, यूएसए में एक्रीडिटेशन प्रोसेस को एबीईटी मेनटेन रखता है। इसलिये, स्टूडेंट्स संबद्ध यूनिवर्सिटी की एबीईटी एक्रीडिटेशन रेटिंग जरुर चेक करें और उसके बाद ही कोई निर्णय लें।

अक्सर थका हुआ महसूस करते हैं तो अपनाएं ये रेस्टिंग टिप्स

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ आपका मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होना बहुत जरूरी है। अगर आपका दिमाग स्वस्थ होगा तो आप कार्यों को और बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

काम के बीच आराम आपको ज्यादा प्रोडक्टिव बनाता है और आपके बेहतर मानसिक स्वास्थ्य में मदद करता है। इसलिए आप काम के बीच में समय निकाल कर थोड़ा रेस्ट भी लें इससे आपकी प्रतिभा और निखरेगी। आराम करने के 7 तरीकों से आपको नयी ऊर्जा मिल सकती है।

शारीरिक आराम

एक छोटी झपकी लेने से आपको ऊर्जा मिल सकती है, थकान कम हो सकती है और आपको सतर्क रहने में मदद मिल सकती है। आराम करना और तनाव से दूर रहना महत्वपूर्ण है। तनाव मुक्त करने के लिए बिस्तर पर जाने से पहले विश्राम अभ्यास

का अभ्यास कर सकते हैं।

मानसिक आराम

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ आपका मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होना बहुत जरूरी है। अगर आपका दिमाग स्वस्थ होगा तो आप कार्यों को और बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

रचनात्मक आराम

एक रचनात्मक गतिविधि करना आपकी इंद्रियों को ताज़ा कर सकता है और आपको एक नई ऊर्जा से भर देता है। पेंटिंग, पढ़ना, लिखना जो भी आपके लिए काम करता है वह करें।

भावनात्मक आराम

हम सभी को अपनी भावनात्मक बैटरी चार्ज करने की ज़रूरत है। आपको किसी भी कीमत पर भावनात्मक स्वास्थ्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। करीबी दोस्तों या परिवार से बात करना आमतौर पर ज्यादातर लोगों के लिए अच्छा होता है।

सामाजिक आराम

यदि आप एक अंतर्मुखी हैं और आपको दैनिक आधार पर बहुत सारे लोगों की संगति में रहना पड़ता है, तो आपको निश्चित रूप से आराम करने और रिचार्ज करने के लिए पर्याप्त मात्रा में 'मी टाइम' की आवश्यकता होती है। अकेले टहलने जाएं, एक किताब पढ़ें और अकेले चाय के एक अच्छे ब्रेक का आनंद लें।

सेंसरी रेस्ट

हम ऐसे समय में हैं जब हम लगातार अपने लैपटॉप और मोबाइल का यूज़ कर रहे हैं, जो हमारे दिमाग को शांत करने में असमर्थ हैं। अगर आपको लगता है कि आपको इस तरह के आराम (rest) की ज़रूरत है, तो बस एक दिन के लिए अपने सभी गैजेट्स को बंद कर दें और पूरी तरह से मौन में बैठें।

बीएससी नर्सिंग में सुनहरा अवसर, समझें पूरी प्रक्रिया

बीएससी नर्सिंग दो प्रकार का होता है। पहला बीएससी नर्सिंग बेसिक जो 4 साल का कोर्स होता है। दूसरा बीएससी नर्सिंग पोस्ट बेसिक 2 साल का कोर्स होता है।

बीएससी नर्सिंग 4 वर्ष का अंडर ग्रेजुएट प्रोफेशनल कोर्स होता है। बीएससी नर्सिंग कोर्स में मेडिकल स्टूडेंट को नर्सिंग सिखाया जाता है। इस कोर्स को पुरुष व महिलाएं दोनों कर सकते हैं। बीएससी नर्सिंग कोर्स करने के लिए अच्छे इंस्टीट्यूट में ऐडमिशन एंट्रेंस एग्जाम के जरिए होता है।

बीएससी नर्सिंग दो प्रकार का होता है। पहला बीएससी नर्सिंग बेसिक जो 4 साल का कोर्स होता है। दूसरा बीएससी नर्सिंग पोस्ट बेसिक 2 साल का कोर्स होता है। बीएससी नर्सिंग कोर्स साइंस स्ट्रीम के बायोलॉजी के स्टूडेंट्स ही कर सकते हैं।

बीएससी नर्सिंग कोर्स क्यों करें?

बीएससी नर्सिंग कोर्स करने के कई कारण हैं। यह एक प्रोफेशनल डिग्री कोर्स है जिसमें जॉब्स ऑपर्च्युनिटी बहुत ज्यादा हैं। इस कोर्स में कैंडिडेट को नर्सिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है। बीएससी नर्सिंग कोर्स करने के बहुत से फायदे हैं।

बीएससी नर्सिंग कोर्स द्वारा मेडिकल के क्षेत्र में स्टूडेंट के लिए रोजगार के बहुत अवसर हैं। इस 4 वर्ष के नर्सिंग कोर्स के द्वारा आप गवर्नमेंट जॉब भी कर सकते हैं। सरकारी या प्राइवेट हॉस्पिटल में जॉब कर सकते हैं।

स्टूडेंट बीएससी नर्सिंग के बाद आगे की पढ़ाई जैसे कि एमएससी नर्सिंग भी कर सकते हैं। बीएससी नर्सिंग के स्टूडेंट्स अगर मास्टर डिग्री नहीं करना चाहते तो वे सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन के पोस्ट ग्रैजुएट प्रोग्राम्स से जुड़ सकते हैं।

बीएससी नर्सिंग एक प्रोफेशनल डिग्री कोर्स है। बीएससी नर्सिंग में एडमिशन एंट्रेंस एग्जाम के अंक और मैरिट लिस्ट दोनों के आधार पर होता है। लेकिन टॉप मेडिकल

कॉलेज बीएससी नर्सिंग के लिए एंट्रेंस एग्जाम के द्वारा ही एडमिशन करते हैं।

बीएससी नर्सिंग के एप्लीकेशन फार्म अप्रैल व जून के बीच जारी किए जाते हैं। फॉर्म जारी करने की डेट बदल सकती है। बीएससी नर्सिंग के लिए कुछ पॉपुलर एंट्रेंस एग्जाम जैसे कि AIIMS, BHU, JIPMER, RUHS, PGIMER, CG BSc आदि हैं। जिन्हें क्वालीफाई कर के आप अच्छे कॉलेज में एडमिशन ले सकते हैं।

बीएससी नर्सिंग के लिए एलिजिबिलिटी

किसी कॉलेज में बीएससी नर्सिंग के लिए योग्यता क्या होनी चाहिए? बीएससी नर्सिंग दो प्रकार से पूरी की जाती है। एक तो बीएससी नर्सिंग बेसिक व दूसरा बीएससी नर्सिंग पोस्ट बेसिक।

बीएससी नर्सिंग वही स्टूडेंट कर सकते हैं जो साइंस स्ट्रीम के बायोलॉजी व अंग्रेजी सब्जेक्ट से हों। कैंडिडेट मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा कक्षा 12 पास होना चाहिए। स्टूडेंट के इंटर के बोर्ड एग्जाम में कम से कम 50% मार्क्स होने चाहिए। कैंडिडेट की आयु कम से कम 17 वर्ष होनी चाहिए। बीएससी नर्सिंग पोस्ट बेसिक कोर्स करने के लिए स्टूडेंट के पास जीएनएम (GNM) सर्टिफिकेट होना चाहिए।

बीएससी नर्सिंग के लिए प्रवेश परीक्षा

नीट

सीईएनटीएसी3

साट आईटीएम नेस्ट

बीएचयू इंट्रेंस

बीएससी नर्सिंग के बाद क्या करें

देश में हेल्थ सेक्टर बहुत तेजी से बढ़ रहा है। हेल्थ सेक्टर के विकास के साथ मेडिकल स्टूडेंट के लिए जॉब अपॉर्चुनिटी बहुत ज्यादा हैं। बीएससी नर्सिंग के बाद आप गवर्नमेंट सेक्टर व प्राइवेट सेक्टर दोनों में जॉब कर सकते हैं।

बीएससी नर्सिंग के बाद आपके पास निम्नलिखित जॉब अपॉर्चुनिटी होती है।

उप नर्सिंग अधीक्षक

नर्सिंग के शिक्षक

स्टाफ नर्स

नर्सिंग सेवा प्रशासक

नर्सिंग निदेशक

सैन्य नर्स

सहायक नर्सिंग अधीक्षक

औद्योगिक नर्स

नर्सिंग अधीक्षक

सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स

विभाग पर्यवेक्षक

बीएससी नर्सिंग के बाद गवर्नमेंट जॉब मेडिकल के विभिन्न क्षेत्रों में मिल सकती है। जैसे

अस्पताल

क्लीनिक और स्वास्थ्य विभाग में

नर्सिंग साइंस स्कूल

रक्षा सेवाओं में

प्रशिक्षण संस्थान में

सार्वजनिक क्षेत्र के चिकित्सा विभाग में

रेलवे चिकित्सा विभाग में नौकरी

औद्योगिक कारखाने और घर में

पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग कोर्स

पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग कोर्स 2 वर्ष का अंडरग्रेजुएट कोर्स है। बीएससी नर्सिंग बेसिक और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग में अंतर सिर्फ कोर्स की अवधि का अंतर है। पोस्ट बेसिक नर्सिंग कोर्स के द्वारा आपके लिए मेडिकल क्षेत्र में बहुत से जॉब हैं। जैसे कि स्टाफ नर्स, नर्सिंग अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स, औद्योगिक नर्स, नर्सिंग सेवा प्रशासक, मिलिट्री नर्स, नर्सिंग निदेशक आदि।

डी फार्मा करके दवा के क्षेत्र में बनाएँ सुनहरा भविष्य

डी फार्मा 2 वर्ष का पूर्णकालिक कोर्स है। इस कोर्स को कक्षा 12 पास करने के बाद किया जा सकता है। जिन स्टूडेंट को दवा विज्ञान के चिकित्सा क्षेत्र में अपना करियर बनाना होता है उनके लिये ये कोर्स बहुत अच्छा कोर्स माना जाता है।

इस कोर्स मे फार्माकोलॉजी, केमिस्ट्री, फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री, कैनेटीक्स, फार्मेसी मैनेजमेंट और कंपाउंडिंग मेडिसीन के सभी विषयों को पढ़ाया जाता है।

डी फार्मा कोर्स करने के लिये शैक्षिक योग्यताः

डी फार्मा कोर्स दवा विज्ञान का कोर्स है जिसको करने के लिये स्टूडेंट्स को 10+2 पास होना पड़ेगा। 10+2, भौतिक विज्ञान, केमस्ट्री और जीव विज्ञान या गणित से करने वाले स्टूडेंट इस कोर्स को कर सकते है। 10+2, में कम से कम 50% से ज्यादा मार्क्स होना चाहिए। और इस कोर्स को करने के लिये कम से कम आयु 17 वर्ष है। आरक्षित वर्ग के छात्रों को नियमानुसार छूट मिलती है।

डी फार्मा में अडमिशन कैसे ले?

डी फार्मा कोर्स मे दो तरीको से अडमिशन होता है। एक डायरेक्ट दूसरा इंटरेंस एक्जाम से। डी फार्मा में अडमिशन के लिए जेईई, जेईई फार्मेसी,यूपीएसईईए सीएमपीटी, जीएमपीटी, पीएमपीटी की परीक्षा देनी होती है ।

डी फार्मा की फीस कितनी होती है?

इस कोर्स की फीस चयन किये गये कॉलेज पर निर्भर करेंगा। आमतौर पर इस कोर्स मे 10 हजार से 1 लाख प्रति फीस लग सकता है। सरकारी कॉलेज में इसकी फीस 20 हजार से 25 हजार रुपये प्रति वर्ष हो सकता है। अब हम बात करते है की डी फार्मा करने के बाद आपकी नौकरी कौन सी कंपनीयो मे लग सकती है । कोई भी बडी मेडीकल कंपनी में या अस्पताल में।

सरकारी नौकरियां

डीयू के माता सुंदरी कॉलज फॉर वीमेन में 96 पदों पर निकली भर्ती

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध माता सुंदरी कॉलेज फॉर वीमेन ने भर्ती नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके अनुसार विभिन्न विभागों के लिए प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के खाली पदों पर भर्ती की जाएगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट mscw.ac.in पर जाकर ऑनलाइन मोड में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तारीख 15 नवंबर है।

पदों की संख्या : 96 योग्यता : मास्टर्स डिग्री, बेहतर कम्यूनिकेशन स्किल जरूरी। ओबीसी, ईडब्ल्यूएस श्रेणी के उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के रूप में 500 रुपये का भुगतान करना होगा। एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी और महिला उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के भुगतान से छूट दी गई है।

मध्य प्रदेश प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड में आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर के 305 पदों पर निकली भर्ती

मध्य प्रदेश प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड ने आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर के पद पर भर्ती निकाली है।एमपी व्यापमं की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर पद पर कुल 305 वैकेंसी है। यह भर्ती टेक्निकल एजुकेशन एंड स्किल डेवलपमेंट, मध्य प्रदेश सरकार में होगी। आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर भर्ती 2022 के लिए ऑनलाइन आवेदन की आखिरी तारीख 15 नवंबर 2022 है।

सिलेक्शन प्रोसेस : रिटन एग्जाम डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन :मेडिकल टेस्ट योग्यता :उम्मीदवारों को ग्रेजुएट/12वीं पास/आईटीआई पास होना चाहिए।

ऐसे करें आवेदन : आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर भर्ती परीक्षा 2022 का आयोजन 16 दिसंबर को किया जाना है। इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन ऑफिशियल वेबसाइट www.mponline.gov.in पर जाकर करना है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में ग्रुप सी और डी के 3932 पदों पर निकली भर्ती

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने ग्रुप सी और डी पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया ऑफिशियल वेबसाइट recruitment.nta.nic.in पर जारी की गई है। आवेदन की आखिरी तारीख : 13 नवंबर 2022

क्वालिफिकेशन

स्टेनोग्राफर ग्रेड 3 पदों के लिए ग्रेजुएशन के साथ स्टेनोग्राफर में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट होल्डर कैंडिडेट्स आवेदन कर सकते हैं। साथ ही हिन्दी और इंग्लिश में 25 व 30 शब्द प्रति मिनट की टाइपराइटिंग स्पीड होनी चाहिए।

ट्राइबल अफेयर्स डिपाटमेंट में प्राइमरी टीचर के 11098 पदों पर निकली भर्ती

जनजातीय कार्य विभाग ने प्राथमिक शिक्षक भर्ती के लिए रोस्टर जारी किया है। ये भर्तियां जिलेवार की जाएंगी। जनजातीय विभाग राज्य के 43 जिलों के स्कूलों में 11098 शिक्षकों की भर्ती करने के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित कर रहा है। इन पदों के लिए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस 17 नवंबर 2022 से शुरू होगी।

वैकेंसी डिटेल्स

मध्य प्रदेश में प्राथिमक शिक्षक के कुल 11098 पदों को भरा जाएगा। इसमें से 2790 पदों को गेस्ट टीचर और 8308 पदों पर सामान्य आवेदकों की भर्ती होगी। भोपाल में आठ प्राथमिक शिक्षकों और इंदौर में 2 पदों पर भर्तियां की जाएंगी। सबसे ज्यादा भर्तियां मंडला जिले में होंगी। मंडला में 1155, डिंडोरी में 1061, धार में 869, अलीराजपुर में 1379, झाबुआ में 1771, बडवानी में 1709, शहडोल में 551, खरगोन में 571 शिक्षकों की भर्ती होंगी।

डॉक्यूमेट्स करना होंगे अपलोड : कक्षा 10वीं, 12वीं की मार्कशीट और सर्टिफिकेट-बैचलर डिग्री की मार्कशीट -आरक्षण सर्टिफिकेट-स्थानीय निवासी प्रमाणपत्र-डीएएलएड का सर्टिफिकेट-बीएड की मार्कशीट।

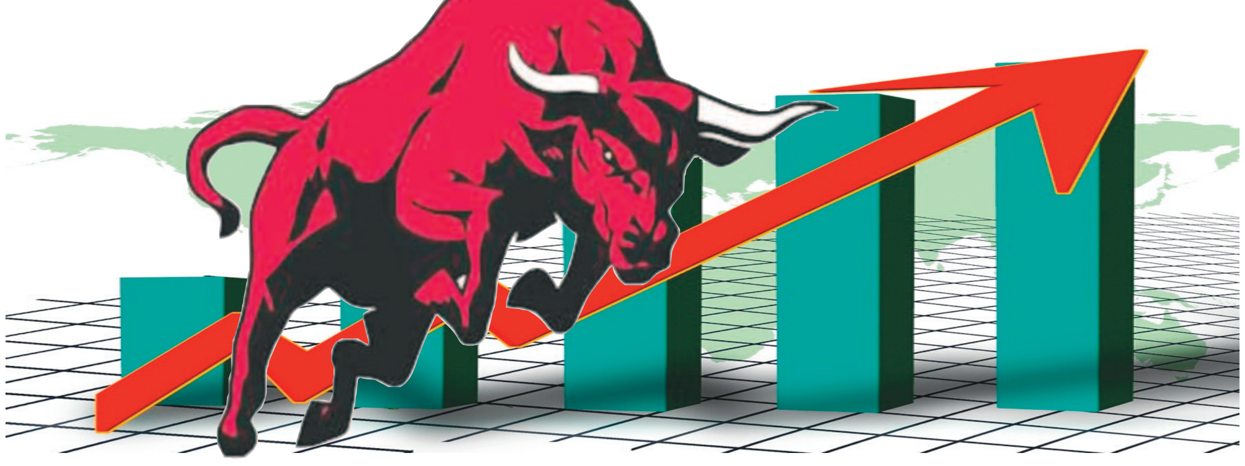

रिचार्ज और बिल पेमेंट्स पर पाएं 5% अनलिमिटेड कैशबैक

बस इन 2 क्रेडिट कार्ड से करना होगा पेमेंट

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आजकल हर कोई मोबाइल रिचार्ज डीटीएच रिचार्ज और बिल पेमेंट्स के लिए मार्केट में मौजूद अलग-अलग मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करता है. यूजर्स इन एप्स पर पेमेंट करते समय

कैशबैक की तलाश में रहते हैं. लेकिन हम आपको एक ऐसा तरीका बताने जा रहे हैं, जिसके तहत मोबाइल रिचार्ज, डीटीएच रिचार्ज या बिल पेमेंट्स पर 5 फीसदी अनलिमिटेड कैशबैक मिलेगा. दरअसल, रिचार्ज और बिल पेमेंट्स के लिए एक्सिस बैंक ऐस क्रेडिट कार्ड और एक्सिस बैंक फ्रीचार्ज क्रेडिट कार्ड एक बेहतरीन कार्ड साबित हो सकता है. इन दोनों कार्ड के जरिए आप रिचार्ज और बिल पेमेंट्स पर 5 फीसदी अनलिमिटेड कैशबैक पा सकते हैं. खास बात यह है कि इस कार्ड के जरिए मिलने वाले कैशबैक पर कोई कैपिंग नहीं है. उदाहरण के लिए अगर आप महीने (एक बिलिंग साइकिल) में एक लाख रुपये का रिजार्च और बिल पेमेंट्स करते हैं तो 5 फीसदी के हिसाब से आपको 5,000 रुपये कैशबैक मिलता है.

डिजिटल मुद्रा से आरबीआई की कैश मैनेजमेंट की लागत होगी कम

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना आसान होगा

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने 1 नवंबर से होलसेल सेगमेंट में डिजिटल रुपया लॉन्च करने के लिए एक पायलट परियोजना शुरू की है और बाद में एक महीने के भीतर रिटेल सेगमेंट में एक और प्रोजेक्ट लाने की योजना है। केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) को अपनाने के पीछे कई कारण हैं, जैसे वित्तीय समावेशन को बढ़ाना और कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना। माना जाता है कि डिजिटल रुपये की ओर बढ़ने का एक प्रमुख कारण भौतिक नकदी प्रबंधन से जुड़ी लागत को कम करना है। आरबीआई के एक कॉन्सेप्ट नोट में कहा गया है कि भारत में कैश मैनेजमेंट की लागत महत्वपूर्ण बनी हुई है। 1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 के दौरान सुरक्षा मुद्रण पर किया गया कुल खर्च 4,984.80 करोड़ रुपये था, जो पिछले वर्ष (1 जुलाई, 2020 से 31 मार्च, 2021) 4,012.10 करोड़ रुपये के मुकाबले अधिक है।

ऑपरेशनल लागत कम करने में मिलेगी मदद

यह लागत, जिसमें पैसे की छपाई की पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन (ईएसजी) लागत शामिल नहीं है, मुख्य रूप से चार स्टेकहॉल्डर्स आम जनता, व्यवसायों, बैंकों और आरबीआई द्वारा वहन किया जाता है। सीबीडीसी रुपए जारी करने वाले कार्य के समग्र मूल्य को प्रभावित करते हैं। यह मुद्रण, भंडारण, परिवहन, बैंक नोटों के प्रतिस्थापन आदि से जुड़ी लागतों से संबंधित ऑपरेशनल लागत को कम करता है। आरबीआई के कॉन्सेप्ट नोट में कहा गया है, शुरूआत

में, सीबीडीसी निर्माण या जारी करने की स्थिरता में महत्वपूर्ण निश्चित बुनियादी ढांचे की लागत हो सकती है, लेकिन बाद में मार्जिनल ऑपरेटिंग लागत बहुत कम होगी। फिजिकल करेंसी की तुलना में सीबीडीसी का उपयोग करते हुए कैश मैनेजमेंट की लागत-प्रभावशीलता एक सकारात्मक संकेत देती है, जिसे पर्यावरण के अनुकूल भी माना जा सकता है।

डिजिटलीकरण के उपयोग को आगे बढ़ाना

सीबीडीसी की शुरूआत के पीछे एक और महत्वपूर्ण कारण कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था को प्राप्त करने के लिए डिजिटलीकरण के उपयोग को आगे बढ़ाना है। सीबीडीसी महामारी कोविड-19 जैसी किसी भी अनिश्चित स्थिति में नकदी के बजाय केंद्रीय बैंक के पैसे रखने का एक पसंदीदा तरीका हो सकता है। इससे देश में डिजिटलीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। सीबीडीसी सीमा पार से भुगतान में इनोवेशन को बढ़ावा दे सकता है, लेनदेन को तात्कालिक बना सकता है और टाइम जोन, एक्सचेंज रेट के अंतर के साथ-साथ सभी न्यायालयों में कानूनी और नियामक आवश्यकताओं से संबंधित प्रमुख चुनौतियों को दूर करने में मदद कर सकता है। सीबीडीसी की इंटरऑपरेबिलिटी का मतलब है कि भुगतान प्रणाली के लिए एक एंकर के रूप में केंद्रीय बैंक के पैसे की भूमिका को मजबूत करते हुए क्रॉस-बॉर्डर और क्रॉस-करेंसी के खतरे को कम करना। इसलिए, सीमा पार से भुगतान में चुनौतियों को कम करने में सीबीडीसी का संभावित उपयोग एक बेहतर तकनीक है।

वित्तीय समावेशन में भी मदद

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल रुपया भी एक महत्वपूर्ण उपकरण हो सकता है। उपयुक्त डिजाइन विकल्पों के साथ, सीबीडीसी विभिन्न लेनदेन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जनता को डिजिटल मनी प्रदान कर सकता है। एक विकल्प के रूप में ऑफलाइन कार्यक्षमता सीबीडीसी को इंटरनेट के बिना लेन-देन करने की अनुमति देगी और इस प्रकार, खराब या बिना इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में पहुंच को सक्षम करेगी। साथ ही, उन लोगों तक पहुंच को सरल बनाएगी, जिन्हें ऋण की आवश्यकता है। आरबीआई नोट में कहा गया है कि सीबीडीसी की यूनिवर्सल एक्सेस विशेषताएं, जिसमें ऑफलाइन कार्यक्षमता, यूनिवर्सल एक्सेस डिवाइस का प्रावधान और कई डिवाइसों में संगतता शामिल है। यह लचीलापन, पहुंच और वित्तीय समावेशन के कारणों के लिए समग्र सीबीडीसी प्रणाली में सुधार करके गेम चेंजर साबित होगी।

गौतम अडानी ने खरीदी थी इस कंपनी में हिस्सेदारी

अब आ रहा आईपीओ, कमाई का मिलेगा मौका!

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीओ पर दांव लगाकर कमाई करने वाले निवेशकों के लिए नवंबर का महीना काफी अच्छा है। इस महीने में कई कंपनियों के आईपीओ आ रहे हैं। ऐसा ही एक आईपीओ विंड एनर्जी ऑपरेशन और मेंटेनेंस सर्विस प्रोवाइड करने वाली आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज का है। इस कंपनी का आईपीओ 11 नवंबर को खुलकर 15 नवंबर को बंद होगा। हालांकि, आईपीओ के लिए प्राइस बैंड की घोषणा अभी नहीं हुई है। आईपीओ की डिटेलः 740 करोड़ रुपये के आईपीओ से जुटाई गई रकम का उपयोग कंपनी द्वारा

ऋण चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। आईपीओ के लिए मर्चेंट बैंक- एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेज, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स, इक्विरस कैपिटल, आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज और सिस्टेमैटिक्स कॉरपोरेट सर्विसेज हैं। आईपीओ का रजिस्ट्रार लिंक इनटाइम इंडिया है। कंपनी के बारे में : आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज, आईनॉक्स विंड की एक सहायक कंपनी है और आईनॉक्स जीएफएल समूह की कंपनियों का हिस्सा है। आईनॉक्स विंड की वर्तमान में आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज में 93.84 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

हाल ही में आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज ने तीन स्पेशल यूनिट्स में अपनी समूची इक्विटी हिस्सेदारी गौतम अडानी की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी को बेच दी है। बीते अक्टूबर में आइनॉक्स विंड ने शेयर बाजार को बताया था कि उसने सब्सडियरी यूनिट आइनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड के जरिये विंड वन रिनर्जी लिमिटेड विंड थ्री रिनर्जी लि. और विंड फाइव रिनर्जी लि. में अपनी इक्विटी हिस्सेदारी अडानी ग्रीन एनर्जी को बेची है।

घर बनना होगा और महंगा

सीमेंट के दाम झटके में तीस रुपये प्रति बैग बढ़ेंगे!

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आने वाले दिनों में घर बनाना और महंगा होने वाला है। दरअसल सीमेंट उत्पादन करने वाली कंपनियां सीमेंट के दाम में प्रति बैग 10 रुपये से लेकर 30 रुपये तक की बड़ी बढ़ोतरी करने की योजना बना रही है। इस बढ़ोतरी के बाद घर के निर्माण की लागत बढ़ जाएगी। आसमान छूती महंगाई में यह आम से खास पर एक और बड़ा बोझ बढ़ाने वाला होगा। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने कहा है कि सीमेंट कंपनियां नवंबर में कीमतों में 10 रुपये से 30 रुपये प्रति बैग की बढ़ोतरी करने की योजना बना रही हैं। एमके ग्लोबल ने हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा कि अक्टूबर 2022 में औसत सीमेंट मूल्य वृद्धि लगभग 3-4 रुपये प्रति बैग थी। महीने-दर-महीने (एमओएम) के आधार पर, कीमतों में पूर्व और दक्षिण में 2-3 प्रतिशत और पश्चिम में लगभग एक प्रतिशत की वृद्धि हुई, रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में 1-2 फीसदी की गिरावट आई है। एमके ग्लोबल ने कहा, सीमेंट कंपनियां 22 नवंबर को सभी क्षेत्रों में 10-30 रुपये प्रति बैग की कीमतों में बढ़ोतरी का प्रयास कर रही हैं। इन कीमतों में बढ़ोतरी का खुलासा अगले कुछ दिनों में किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, मानसून की देरी से बाहर निकलने और त्योहारी छुट्टियों के कारण श्रमिकों की कमी ने 22 अक्टूबर की मांग को प्रभावित किया। आने वाले हफ्तों में मांग में सुधार की उम्मीद है, सभी प्रमुख त्योहार समाप्त हो रहे हैं और एक व्यस्त निर्माण सीजन की शुरूआत हो रही है। एमके ग्लोबल ने कहा कि, लागत में बढ़ोतरी, सीमेंट की कीमतों में बढ़ोतरी और आने वाली तिमाहियों में निर्माण गतिविधियों में तेजी के साथ आने वाली तिमाहियों में उद्योग के लोगों के लिए लागत दबाव कम होने की उम्मीद है और उद्योग मार्जिन दूसरी तिमाही में नीचे रहने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय पेटकोक की कीमतें 195 डॉलर प्रति टन के शिखर से करीब 30 फीसदी नीचे हैं। एमके ग्लोबल ने कहा कि इसके अलावा ईंधन की कीमतों में गिरावट से वित्त वर्ष 23 की तीसरी तिमाही से लागत में कम से कम 150-200 रुपये प्रति टन की बचत होने की उम्मीद है।

क्या पैन नंबर न अपडेट करने पर आपका एसबीआई खाता हो जाएगा ब्लॉक

जानें इस वायरल मैसेज का सच

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक के करोड़ों अकाउंट होल्डर्स के लिए काम की खबर है।अगर आप एसबीआई के अकाउंट होल्डर हैं और आपको पैन नंबर अपडेट करने के संबंध में कई तरह के मैसेज आ रहे हैं तो आप सतर्क हो जाएं।इस तरह के कॉल, व्हाट्सएप और मेल लिंक पर क्लिक करके अपनी जानकारी भेजने पर आप ठगी के शिकार हो सकते हैं।भारत में पिछले कई सालों में डिजिटलाइजेशन बहुत तेजी से बढ़ा है।इसके साथ ही साइबर अपराध की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है।आजकल कई साइबर अपराधी लोगों को पैन नंबर , आधार नंबर (केवाईसी अपडेट) करने के नाम पर मैसेज भेजते हैं।इसके

बाद ग्राहकों द्वारा निजी जानकारी शेयर करने के बाद वह खाते से लाखों रुपये निकाल लेते हैं।ऐसे में आप इस तरह के फर्जी मैसेज से खुद को सुरक्षित रखें।पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर स्टेट बैंक से जुड़ा एक मैसेज सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है।इस मैसेज में लोगों पैन से जुड़ी जानकारी अपडेट करने के लिए कहा जा रहा है।सरकारी एजेंसी प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो ने इस वायरल हो रहे मैसेज का फैक्ट चेक किया है।इस फैक्ट चेक में पीआईबी ने बताया है कि एसबीआई के बहुत से ग्राहकों को पैन नंबर अपडेट करने के लिए एक मैसेज भेजा जा रहा है।इस मैसेज में दावा किया जा रहा है कि अगर आप नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक नहीं करके इस जानकारी को अपडेट नहीं करते हैं तो आपके अकाउंट को ब्लॉक कर दिया जाएगा।इस मैसेज के बारे में पीआईबी ने कहा है कि यह पूरी तरह से फर्जी है।बैंक किसी भी ग्राहक को कॉल, मैसेज या ईमेल के जरिए अपनी जानकारी अपडेट करने के लिए नहीं कहता है।पीआईबी ने लोगों को यह बताया कि वह भूलकर भी अपनी निजी जानकारी किसी के साथ भी शेयर न करें।कई बार साइबर अपराधी आपको फॉर्म फिल करने को कहते हैं जिसमें आपके आपकी पर्सनल डिटेल्स जैसे नाम, आधार नंबर, पैन नंबर, अकाउंट डिटेल्स और क्रेडिट और डेबिट कार्ड की जानकारी मांगी जाती है।इस तरह की जानकारी बिल्कुल न शेयर करें।

रिलांयस टॉप 20 में शामिल, फोर्ब्स की लिस्ट में इन भारतीय कंपनियों को मिली जगह

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी पत्रिका फोर्ब्स ने बाजार मूल्यांकन, आय और मुनाफे के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को भारत का सबसे अच्छा नियोक्ता बताया है और अपनी फोर्ब्स वर्ल्ड बेस्ट एंप्लायर रैंकिंग 2022 में 20 वां स्थान दिया है। इस सूची में दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रानिक्स ने पहला स्थान हासिल किया है। इसके बाद अमेरिकी कंपनी माइक्रोसाफ्ट, आईबीएम, अल्फाबेट और ऐपल का नाम है। बता दें, इस सूची में 2 से लेकर 12वें स्थान तक अमेरिकी कंपनियों को जगह दी गई है। 13वें नंबर पर जर्मनी की ऑटो कंपनी बीएमडब्ल्यू ग्रुप, 14वें नंबर पर अमेजन और 15 वें नंबर पर फ्रेंच कंपनी डेकाथलान है। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास मौजूदा समय में 2.3 लाख कर्मचारी है। फोर्ब्स वर्ल्ड बेस्ट एंप्लायर रैंकिंग 2022 में 20वें नंबर के साथ रिलायंस को कोका- कोला, मर्सिडीज, होंडा, यामाहा और सऊदी अरामको जैसी बड़ी कंपनियों से ऊपर जगह दी गई है। फोर्ब्स के विश्व के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता 2022 में इन भारतीय कंपनियों को भी मिली जगह इस लिस्ट में रिलांयस टॉप 100 में आने वाली अकेली भारतीय कंपनी है। इसके बाद एचडीएफसी बैंक को 137वां, बजाज को 173वां, आदित्य बिरला ग्रुप को 240वां, हीरो मोटोकॉर्प को 333वां, एलएंडटी 354वां, आईसीआईसीआई बैंक 365वां, एचसीएल टेक्नोलॉजीज 455वां, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 499वां, अदाणी 547वां, इंफोसिस को 668वां स्थान दिया गया है।

चांस और स्किल के आधार पर तय होगी ऑनलाइन गेम्स की परिभाषा, फिर तय होगी जीएसटी दर

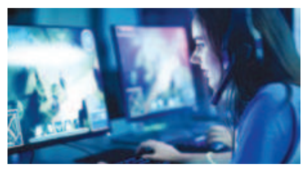

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सरकार ऑनलाइन गेम्स पर जीएसटी को लेकर तेजी से काम कर रही है। केंद्र और राज्य सरकार के जीएसटी अधिकारी, विशेषज्ञों के साथ मिलकर सभी ऑनलाइन गेम्स को 'गेम्स ऑफ स्किल' और 'गेम्स ऑफ चांस' में परिभाषित करने को लेकर काम कर रहे हैं, जिससे ऑनलाइन गेम्स पर टैक्स स्ट्रक्चर को बनाया जा सके। सूत्रों ने बताया कि जीएसटी काउंसिल की शनिवार को हुई बैठक में टेक्निकल विशेषज्ञों के साथ मिलकर 'गेम्स ऑफ स्किल' और 'गेम्स ऑफ चांस' की परिभाषा तय करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई थी। ऑनलाइन गेम्स को लेकर जो कमेटी केंद्र सरकार की ओर से बनाई गई है, उसमें सभी राज्य नहीं है। इस कारण ड्राफ्ट रिपोर्ट को उनका पक्ष जानने के लिए सभी राज्यों को भेजा गया है।

ऑनलाइन गेम्स जीएसटी पर फाइनल रिपोर्ट

सूत्रों ने आगे बताया कि मंत्रियों का समूह काउंसिल को ऐसी रिपोर्ट सौंपना चाहता है, जो कानूनी रूप में पूरी तरह से ठीक हो और कोई भी उसे अदालत में चुनौती न दे पाए। इसके लिए मंत्रियों का समूह सभी पक्षों के साथ बातचीत करना चाहता है। जैसे ही 'गेम्स ऑफ स्किल' और 'गेम्स ऑफ चांस' की परिभाषा तय हो जाएगी। ऑनलाइन गेम्स पर जीएसटी की दरों को तय कर लिया जाएगा।

दिसंबर में हो सकती है जीएसटी काउंसिल की बैठक

ऑनलाइन गेम्स, कैसिनो और हॉर्स रेसिंग पर टैक्स की दरों को तय करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हिमाचल प्रदेश और गुजरात चुनाव के बाद दिसंबर में जीएसटी काउंसिल की बैठक हो सकती है। इससे पहले जून में मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की अध्यक्षता में मंत्रियों के समूह सिफारिश की थी ऑनलाइन गेम्स पर 28 प्रतिशत टैक्स लगना चाहिए।

ऑनलाइन गेम्स पर टैक्स

मौजूदा समय में 'गेम्स ऑफ चांस' के तहत आने वाले गेम्स पर 28 प्रतिशत और स्किल गेमिंग पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाई जाती है। सेक्टर एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर पूरे ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगा दी जाती है, तो इससे प्रतिकूल असर होगा।

नोटबंदी के छह साल बाद लोगों के पास जितना कैश उतना पहले कभी नहीं रहा- करीब 31 लाख करोड़

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सरकार ने आठ नवंबर 2016 को नोटबंदी का ऐलान किया था। वहीं इसकी घोषणा के छह साल बाद देश में जितना कैश मार्केट में है, उतना कभी नहीं रहा है। इससे पता चलता है कि कैश के माध्यम से भुगतान का तरीका जनता को अभी भी रास आ रहा है। रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार 21 अक्टूबर 2022 तक देश में कुल 30.88 लाख करोड़ रुपये का कैश उपलब्ध है, जबकि 4 नवंबर 2016 को यह आंकड़ा 17.97 लाख करोड़ रुपये था। नोटबंदी के दो हफ्ते बाद 25 नवंबर 2016 को 9.11 लाख करोड़ रुपये जनता के पास

नकद थे लेकिन अब इसमें 239 फीसदी की वृद्धि हुई है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 21 अक्टूबर 2020 को समाप्त पखवाड़े में दिवाली की पूर्व संध्या पर जनता के पास नकदी के रूप में 25,585 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। साल दर साल इसमें 9.3 फीसदी यानी 2.63 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। नवंबर 2016 में नोटबंदी होने के बाद 4 नवंबर 2016 को जनता के पास 17.97 लाख करोड़ रुपये की नकदी थी लेकिन जनवरी 2017 में यह घटकर 7.8 लाख करोड़ रुपये रह गई। जनता के पास कैश की गणना कुल चलन (सीआईसी) मुद्रा से बैंकों के पास नकदी की कटौती के बाद की जाती है। सिस्टम में नकदी लगातार बढ़ रही है, भले ही सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कैश लेस समाज, भुगतान के डिजिटलीकरण और विभिन्न लेनदेन में नकदी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने पर जोर दिया है। हालांकि डिजिटल भुगतान हाल के वर्षों में धीरे-धीरे बढ़ रहा है। त्योहारी सीजन के दौरान नकदी की मांग अधिक रहती है क्योंकि बड़ी संख्या में व्यापारी अभी भी एंड-टू-एंड लेनदेन के लिए नकद भुगतान पर निर्भर हैं। लगभग 15 करोड़ लोगों के पास अभी भी बैंक खाता नहीं होने के कारण नकद लेन-देन का एक प्रमुख माध्यम बना हुआ है। इसके अलावा टियर चार शहरों में 90 प्रतिशत ई-कॉमर्स लेनदेन में भुगतान के लिए नकद का उपयोग करते हैं, जबकि टियर एक शहरों में यह आंकड़ा 50 प्रतिशत है।

पेट्रोल-डीजल पर रविवार को फिर मिली राहत, चेक करें लेटेस्ट रेट लिस्ट

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 93 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में रविवार को भी कोई बदलाव नहीं हुआ। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है।बता दें कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

चीनी निर्यात का सरकार ने तय किया कोटा अब इतनी चीनी विदेशों में भेज सकेंगे निर्यातक

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने चीनी के निर्यात को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने चीनी मिलों को 6 मिलियन टन चीनी निर्यात करने का अनुमति दे दी है। इससे चीनी मीलों को बड़ी राहत के रूप देखा जा रहा है। सरकार ने जानकारी दी कि देश में चीनी की कीमतों को स्थिर रखने और चीनी मिलों की वित्तीय स्थिति को ठीक रखने के लिए सरकार ने चीनी निर्यात करने का फैसला लिया है। सरकार ने गन्ने के उत्पादन के अनुमान के आधार पर ये निर्णय लिया है। फिलहाल सरकार की ओर से 6 मिलियन टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी है। भारत मौजूदा समय में चीनी का सबसे उत्पादक और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी का निर्यात देश है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन ने पिछले महीने कहा था कि वित्त वर्ष 2022-23 में चीनी का उत्पादन 36.5 मिलियन टन रह सकता है, जो कि पिछले साल के उत्पादन के मुकाबले 2 प्रतिशत अधिक है। आगे एसोसिएशन की ओर से कहा गया था कि उत्तर प्रदेश में 12.3 मिलियन टन, महाराष्ट्र में 15 मिलियन टन और कर्नाटक में 7 मिलियन टन चीनी का उत्पादन होने का अनुमान है। वैश्विक परिस्थितियां तेजी से बदलने के कारण भारत के चीनी निर्यात में तेज वृद्धि हुई है। पिछले वित्त वर्ष में (2021- 22) यह बढ़कर अपने सबसे उच्चतम स्तर 11 मिलियन टन पर पहुंच गया था। वहीं, इंडस्ट्री के एक्सपर्ट का अनुमान है कि सरकार दो किस्तों में 8 से 9 मिलियन टन चीनी निर्यात करने को लेकर मंजूरी दे सकती है। पहली किस्त में सरकार ने 6 मिलियन टन निर्यात की अनुमति दे दी है और दूसरी किस्त में 2 से 3 मिलियन टन निर्यात की अनुमति मिल सकती है।

फिलाडेल्फिया के बार में ताबड़तोड़ फायरिंग

12 लोगों को लगी गोली

फिलाडेल्फिया, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी शहर फिलाडेल्फिया के केंसिंग्टन और एलेघेनी इलाके स्थित एक बार में कुछ बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी जिसमें 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हालांकि अभी अमेरिकी पुलिस ने घटना की विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

पिछले महीने उत्तरी कैरोलिना में भी हुई थी गोलीबारी

अमेरिका में आए दिन गोलीबारी की खबरें सामने आ रही हैं। पिछले महीने 13 अक्तूबर को दक्षिणी अमेरिकी राज्य उत्तरी कैरोलिना से भी ऐसी ही खबर सामने आई थीं। जानकारी के मुताबिक, शाम पांच बजे के बाद यहां के एक रिहायशी इलाके में गोलीबारी हुई, जिसमें एक ऑफ-ड्यूटी पुलिसकर्मी सहित पांच लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने दुख भी जताया था।

इससे पहले फ्लोरिडा के टाम्पा शहर में भी हुई थी फायरिंग

वहीं इससे पहले फ्लोरिडा के टाम्पा शहर में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और छह घायल हो गए। गोलीबारी स्थानीय समयानुसार नौ अक्टूबर को सुबह करीब तीन बजे हुई थी।

तालिबान राज में हाशिए पर महिलाओं के अधिकार

कनकोर यूनिवर्सिटी के टॉपर्स में एक भी लड़की नहीं

काबुल, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के बाद से महिला अधिकारों के हनन और उनके उत्पीड़न के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। यहां तक कि उन्हें पढ़ने-लिखने से भी दूर रखा जा रहा है। इसका जीता-जागता सबूत सामने आया है। दरअसल, यहां की कनकोर यूनिवर्सिटी ने रिजल्ट जारी किया है, जिसमें टॉपर्स की लिस्ट में एक भी महिला नहीं है। यूनिवर्सिटी का रिजल्ट जारी होने के बाद तालिबान की एक बार फिर से आलोचना शुरू हो गई है। नेटिजन्स का कहना है कि यह निराश करने वाला है कि अफगानिस्तान के कनकोर विश्वविद्यालय की टॉप-10 सूची में एक भी महिला छात्र नहीं है।

अमेरिका के मैनहैटन की ऊंची इमारत में लगी भीषण आग

38 लोग झुलसे, दो की हालत गंभीर

न्यूयॉर्क, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर स्थित मैनहैटन की एक ऊंची इमारत में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। इस घटना में 38 लोग झुलस गए हैं जिनमें दो गंभीर रूप से घायल हो गए। रेस्क्यू के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर मौजूद थे। सोशल मीडिया पर घटना के साझा किए गए वीडियो में दिख रहा है कि लोग अपार्टमेंट की खिड़कियों पर लटके हैं और दमकलकर्मी रस्सियों के सहारे धुएं से भरी इमारत से नीचे उतार रहे हैं। दमकल अधिकारियों ने बताया कि इमारत की ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले कुछ लोग छत के रास्ते बाहर आए। न्यूयॉर्क की दमकल विभाग की आयुक्त लॉरा कवनाग ने बताया कि 20वीं मंजिल पर अज्ञात उपकरण में प्रयुक्त लिथियम बैटरी से आग लगी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में 38 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत नाजुक है और पांच गंभीर रूप से घायल हैं।

जब बर्फ में समा गई कई जिंदगियां

अमेरिका से लेकर रूस तक मोरबी जैसे 10 भयानक हादसे

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के मोरबी में सस्पेंशन ब्रिज हादसे ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। शासन-प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा 135 लोगों को अपनी जान देकर भुगतना पड़ा। ये पहली बार नहीं है, जब किसी ब्रिज के गिरने पर इतनी बड़ी तादाद में लोग मारे गए। भारत ही नहीं अमेरिका से लेकर ब्रिटेन और चीन से लेकर रूस तक इस तरह के तमाम हादसों से दुनिया का इतिहास भरा पड़ा है। हम आपको दुनिया में हुए ऐसे 10 हादसों के बारे में बता रहे हैं, जिनमें मरने वालों की संख्या को अगर जोड़ दें तो तादाद कई हजारों में पहुंच जाएगी। इनमें सबसे भयावह पुर्तगाल में हुआ पांटून ब्रिज का हादसा है, जिसमें 4 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। ये लोग अपनी जान बचाने के लिए ब्रिज के रास्ते से भाग रहे थे, लेकिन ब्रिज टूटने से ही उनकी जान चली गई।

अमेरिका: होटल का वॉकवे गिरने पर मारे गए 117 लोग

अमेरिका के मिसौरी राज्य का कैंसास शहर। 1980 की शुरुआत में यहां हयात रीजेंसी होटल की शुरुआत हुई। होटल की इमारत को इतनी खूबसूरती से डिजाइन किया गया कि लोग देखते रह गए। तीसरी और चौथी मंजिल पर होटल की लॉबी में दो वॉकवे बनाए गए, जो लोगों को सीधे होटल की दूसरी इमारत में ले जाते थे। कैंसास में होने वाले सभी बड़े आयोजन हयात होटल में ही होते थे। 17 जुलाई 1981 को भी ऐसा ही एक आयोजन था। पार्टी में करीब 2 हजार लोग मौजूद थे। कुछ हॉल में चल रहे नाच-गाने में व्यस्त थे तो कुछ लॉबी में खड़े होकर पार्टी का लुत्फ उठा रहे थे। अचानक चौथी मंजिल का वॉकवे ढह गया। इसका मलबा तीसरी मंजिल के वॉकवे पर गिरा और तीसरी मंजिल का वॉकवे भी भरभराकर ढह गया। 114 लोग मारे गए। बाद में जांच हुई। पता चला कि होटल संचालकों के कहने पर इंजीनियर ने डिजाइन में कुछ बदलाव किए थे, यही हादसे का कारण बना।

रूस: जब जहाज पर गिरने लगीं मालगाड़ी में रखी कारें

5 जून 1983 को सोवियत मेड अलेक्जेंडर सुवोरोव जहाज 330 यात्रियों और चालक दल के 30 सदस्यों को लेकर रोस्तोव से मास्को के लिए निकला। इस लग्जरी शिप के सबसे ऊपरी डेक पर एक सिनेमा हॉल था, जिसमें ठीक रात 10 बजे कार्यक्रमों का प्रसारण होता था। हादसे वाली रात भी प्रोग्राम देखने के लिए जहाज की छत पर सैकड़ों लोग जमा हुए। जहाज 25 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चल रहा था और शिप के कैप्टिन केबिन में आराम कर रहे थे। रात के अंधेरे में शिप को रेलवे ब्रिज के नीचे से गुजरना था, जूनियर कैप्टन जहाज और ब्रिज का सही कैलकुलेशन नहीं कर पाए और जहाज सीधे रेलवे ब्रिज से टकरा गया। ठीक इसी समय ब्रिज से एक मालगाड़ी गुजर रही थी, जिसमें कारें रखी हुई थीं। टक्कर लगते ही ट्रेन पटरी से उतर गई और ढेर सारी कारें जहाज पर आ गिरीं। 177 लोग मारे गए।

चीन: प्रकृति को बचाने की कीमत 41 लोगों की मौत

किसी भी नियम कायदे को माने बिना ताबड़तोड़ कंस्ट्रक्शन करने वाला चीन भी अतीत में ब्रिज हादसे का शिकार बना है। तारीख थी 15 अगस्त 2007। सेंट्रल चीन के हुनान प्रांत की फेनघुआंग काउंटी के फेनघुआंग हाईवे ब्रिज पर रोज की तरह गाड़ियां आ-जा रही थीं। तुओ नदी पर बना यह ब्रिज अचानक ढह गया। 41 लोग मारे गए। कम्युनिस्ट चीन से मामले की कोई स्पष्ट जांच रिपोर्ट तो सामने नहीं आई, लेकिन बाद में पता चला कि पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से ब्रिज स्टील और लोहे की जगह सिर्फ चट्टान और कंक्रीट की मदद से बना दिया गया था।

जापान: खर्च बचाने नहीं कराया मेंटेनेंस, गई 1400 लोगों की जान

भूकंप और सुनामी के कारण अक्सर तबाही झेलने वाला जापान भी ब्रिज हादसों से अछूता नहीं रहा। टोक्यो के बीचोंबीच से सुमिदा नाम की एक बड़ी नदी बहती है। इस नदी पर

1698 में लकड़ी का एक मजबूत पुल बनाया गया। ब्रिज की मजबूती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लोग इसे मामूली मरम्मत के साथ 100 साल तक इस्तेमाल करते रहे। साल 1807 में लंबे समय तक मेंटेनेंस ना होने के कारण पुल जर्जर हो गया। जीर्ण-शीर्ण हो चुके ब्रिज की मरम्मत सभी चाहते थे, लेकिन सवाल ये था कि पैसे कौन खर्च करेगा? दिन बीतने के साथ लोग मरम्मत की बात भूल ही गए। फिर आया 20 अक्टूबर। इस दिन जापान में एक बड़ा त्योहार था। लोग सजधज कर घरों से निकले। अचानक ब्रिज पर भीड़ कई गुना बढ़ गई और वह ढह गया। 1400 लोग नदी में डूबकर मर गए।

ब्रिटेन: 79 लोगों की मौत पर नदी किनारे बनाया स्मारक

दुनिया का इतिहास हादसों से भरा पड़ा है। ज्यादातर देश कुछ हफ्ते, महीने या साल में हादसों को भुला देते हैं। लेकिन ब्रिटेन (यूके) में इतिहास को इतनी आसानी से नहीं भुलाया जाता। ऐसा ही एक हादसा इंग्लैंड की रिसॉर्ट सिटी कहे जाने वाले ग्रेट यारमाउथ शहर में हुआ। यहां डेक चेयर (बीच के किनारे बैठी जाने वाली कुर्सी) का बिजनेस करने वालीं 8 बच्चों की दादी जूली स्टाफ बताती हैं, '2 मई 1845 का दिन था। नदी में एक बड़ी नाव पर जोकर अपना खेल दिखाने वाले थे। हजारों लोग जोकरों की मसखरी देखने इकट्ठा हुए। अच्छा व्यू लेने के लिए सैकड़ों लोग पुल पर चढ़ गए। जैसे ही जोकर सामने आए सभी उन्हें देखने ब्रिज के एक कौने पर चले गए। इतने लोगों का वजन पुल सह नहीं सका और ढह गया। 400 लोग नदी में गिर गए। 79 की मौत हो गई, जिसमें 59 बच्चे थे। इग्लैंड के लोगों ने मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए नदी के किनारे एक म्यूजियम बनाया, जिसे आज भी सैकड़ों लोग देखने आते हैं।

जर्मनी: बर्फीले पानी में जमकर 55 लोग की मौत

ब्रिज ढहने के ज्यादातर हादसे पुल पर भीड़ बढ़ने के कारण ही हुए हैं। जर्मनी में भी ऐसा एक दर्दनाक हादसा हो चुका है, जब निर्माण के 3 महीने बाद ही एक ब्रिज ढह गया और 50 से ज्यादा लोगों की मौत बर्फीले पानी में जमने के कारण हो गई। घटना 6 दिसंबर 1825 को हुई। आमतौर पर जर्मनी के ज्यादातर इलाकों में दिसंबर की शुरुआत में ही न्यूनतम तापमान शून्य डिग्री तक पहुंच जाता है। इस महीने में जर्मनी के निएनबर्ग में साले नदी पर एक ब्रिज बनरकर तैयार हुआ। खुशी के इस पल को यादगार बनाने के लिए रात के समय उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनुमान से ज्यादा भीड़ आ गई। लोग ब्रिज पर पहुंचकर सेलिब्रेट कर रहे थे कि अचानक पुल टूट गया। कंपकंपाती ठंड का मौसम होने के कारण 55 लोग नदी के बर्फीले पानी में जमकर मर गए।

फ्रांस: चेतावनी नजरअंदाज करना सैनिकों को पड़ा भारी

एक समय था, जब फ्रांस में सस्पेंशन ब्रिज का क्रेज हुआ करता था। 18वीं शताब्दी में एक के बाद एक पूरे देश में धड़ल्ले से सस्पेंशन ब्रिज बनाए गए। ऐसा ही एक ब्रिज पश्चिमी फ्रांस की मायेन नदी पर 1836 से 1839 के बीच बना। इसे एंगर्स ब्रिज नाम दिया गया। करीब 14 साल तक धड़ल्ले से इस ब्रिज का इस्तेमाल किया गया। 16 अप्रैल 1850 की सुबह इस पुल पर भीड़ रोज के मुकाबले कुछ ज्यादा ही थी। ब्रिज के पास फ्रांसीसी सेना का एक बेस कैंप था, इसलिए सैनिक भी इसे इस्तेमाल कर रहे थे। सैनिकों को चेतावनी दी गई कि ज्यादा भारी सामान एक साथ ब्रिज से ना लेकर जाएं। लेकिन सिपाहियों ने नजरअंदाज कर दिया। तेज हवाएं चल रही थीं और अचानक पुल टूट गया। इस हादसे में 200 से ज्यादा लोग मारे गए।

कनाडा: हादसे के 3 सप्ताह पहले हुई थी पुल की जांच

कनाडा का ओंटारियो शहर भी एक दर्दनाक हादसे का सामना कर चुका है। यहां रेलवे ब्रिज ढहने से 59 लोगों की मौत हो हुई थी। इस हादसे ने कनाडा के साथ अमेरिका के लोगों को भी हिलाकर रख दिया था। उस समय कनाडा रेलवे में काम करने वाले रिचर्ड बॉन्ड बताते हैं कि उन्होंने तकरीबन 20 साल तक रेलवे की नौकरी की, लेकिन इतना भीषण हादसा अपने कार्यकाल में पहले कभी नहीं देखा। रिचर्ड बताते हैं कि सब कुछ ठीक चल रहा था। हादसे से तीन सप्ताह पहले पुल की जांच की गई। जांच में पुल सुरक्षित पाया गया। हादसा 12 मार्च 1857 को हुआ, उस समय सर्दी का मौसम था। नहर में बने पुल में उस समय पानी नहीं था। टोरंटो से निकली एक ट्रेन जब पुल से गुजरी तो पुल अचानक टूट गया और 59 लोगों की मौत हो गई।

नीदरलैंड: गम में बदली खुशियां, 400 मौतों से मची चीख-पुकार

यह हादसा है 13वीं शताब्दी का। तब नीदरलैंड का दक्षिणी हिस्सा रोमन साम्राज्य के अधीन था। उस जमाने के रोम और अब के नीदरलैंड में मास्ट्रिच नाम का एक शहर है। मास्ट्रिच में बहने वाली मीजूय नदी पर पत्थरों की मदद से एक ब्रिज बनाया गया। प्राचीन काल से ही ईसाइयत का केंद्र रहे रोम के इस ब्रिज का नाम शहर के पहले बिशप सेंट सर्वाटियस के नाम पर रखा गया। सन् 1275 में इस शहर में एक जुलूस का आयोजन हुआ। रैली में सैकड़ों लोग शामिल हुए। सभी ब्रिज पार कर ही रहे थे कि अचानक पुल भरभराकर ढह गया। हादसे में 400 लोग मारे गए।

पुर्तगाल: एक गलत फैसले ने ले ली 4 हजार लोगों की जान

शानदार तकनीक और बेहतर मटेरियल की बदौलत आज इंजीनियर एक से बढ़कर एक पुल बनाने की क्षमता रखता है। लेकिन पहले ज्यादातर लकड़ी के पुल या पांटून (फ्लोटिंग) ब्रिज का ही चलन था। कम समय में तैयार हो जाने वाले पांटून ब्रिज सेना की भी पहली पसंद थे। ये पुल कई नाव या तैरते हुए स्ट्रक्चर पर तैयार किए जाते थे। पुर्तगाल के दूसरे सबसे बड़े शहर पोर्टो के नजदीक ब्रागा शहर है। यहां डोरो नदी पर भी ऐसा ही एक पांटून ब्रिज 15 अगस्त 1806 को शुरू हुआ। इसका नाम पोंटे दास बरकास रखा गया। पुर्तगाली में इसका मतलब होता है'नावों का पुल'। यह 20 नावों के ऊपर बना था, जिसे स्टील के तार की मदद से जोड़ा गया।

1807 में फ्रांस और स्पेन की सेना ने मिलकर पुर्तगाल पर कब्जे की नीयत से हमला कर दिया। लंबी लड़ाई के बाद 1809 में दोंनों सेनाएं ब्रागा पहुंची। सेना के अत्याचार से बचने के लिए हजारों लोग 29 मार्च को पांटून ब्रिज पर चढ़कर भागने की कोशिश करने लगे। भीड़ इतनी बढ़ गई की पुल टूट गया और 4 हजार लोग मारे गए।

जहन्नम की तरफ बढ़ रहा नया सऊदी अरब

रियाद में हुआ डब्लूडब्लूई का रेस्लिंग टूर्नामेंट, महिलाओं को देखकर भड़के कट्टरपंथी

रियाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब महिलाओं के अधिकारों को लेकर अक्सर आलोचनाओं का शिकार होता रहता है। हालांकि अपने पर्यटन क्षेत्र को मजबूत करने और निवेशकों को लुभाने के लिए खाड़ी देश कई बड़े बदलाव कर रहा है। लेकिन सऊदी अरब में महिलाओं को लेकर होने वाले हर बड़े बदलाव को कट्टरपंथियों के हमले का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही कुछ हुआ जब हाल ही प्रोफेशनल रेस्लिंग कंपनी डब्लू डब्लूई ने सऊदी अरब में अपने इवेंट का आयोजन किया। इसमें महिला रेस्लर्स ने भी हिस्सा लिया जिसे लेकर कट्टरपंथी भड़के हुए हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस इवेंट के विरोध में अपना गुस्सा जाहिर किया। एक वीडियो के नीचे कुछ यूजर्स ने, 'जहन्नम के लिए तैयार', 'जहन्नम के रास्ते पर बढ़ता नया सऊदी अरब' जैसे कमेंट किए। हालांकि कुछ लोग मुल्क के इस बदलाव के समर्थन में भी नजर आए। एक शख्स ने लिखा, 'सुधारों को लेकर दुनियाभर

के लिए वास्तविक रोल मॉडल'। सऊदी अरब में वोट देना और गाड़ी चलाना जैसे मूलभूत अधिकार भी महिलाओं के पास देर से पहुंचे हैं।

जब हेलोवीन से नाराज हो गए कट्टरपंथी

रेस्लिंग टूर्नामेंट की मेजबानी से पहले हेलोवीन पर सऊद अरब में हंगामा मच गया था। पिछले हफ्ते 31 अक्टूबर को सऊदी अरब में पहली बार हेलोवीन का त्योहार मनाया गया। इस मौके पर राजधानी रियाद के एक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। लोगों ने डरावनी वेशभूषा बना रखी थी जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की गई। तस्वीरों ने कुछ कट्टरपंथियों को नाराज कर दिया और इसे 'इस्लाम के खिलाफ' करार दिया गया।

लोगों ने कहा- अब कयामत दूर नहीं

एक यूजर ने लिखा, 'मैं इस साल बहुत से मुस्लिमों को हैलोवीन मनाते हुए देख रहा हूं। मुस्लिमों को हैलोवीन मनाना मना है। अल्लाह सही रास्ता दिखाए और हमें क्षमा करे।' वहीं एक यूजर ने लिखा, 'सऊदी अरब में हेलोवीन मनाया जा रहा है जो दिखाता है कि कयामत दूर नहीं है।' अरब न्यूज की खबर के अनुसार, पहली बार निकल रही रियाद की हेलोवीन परेड में शमिल अब्दुलरहमान ने कहा कि सच कहूं तो मुझे हराम या हलाल के बारे में नहीं पाता, लेकिन यहां हर कोई खुश है।

यूएन में रूस का प्रस्ताव बहुमत से पास

भारत ने पक्ष में डाला वोट; 52 देशों ने जताया विरोध

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस के प्रस्ताव पर मतदान हुआ। जिसमें भारत ने रूस के समर्थन में वोटिंग की। महासभा में रूस का मसौदा नाजीवाद के महिमामंडन का मुकाबला रिकॉर्ड वोटिंग के बाद बहुमत से पास हुआ और समिति ने मसौदे को औपचारिक मंजूरी दे दी है। मसौदे के समर्थन में 105 ने पक्ष में, 52 ने विपक्ष में वोट दिया। जबकि, 15 सदस्यों ने मतदान से परहेज किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में समिति ने कुल आठ मसौदों को हरी झंडी दिखाई। रूस की ओर से लाए गए मसौदे में स्वदेशी लोगों के अधिकारों, डिजिटल युग में गोपनीयता, नाजीवाद के महिमामंडन की निंदा शामिल है। इस मौके पर भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि यह इस समझ के साथ संकल्प पर आम सहमति से जुड़ता है क्योंकि स्वदेशी लोगों की अवधारणा देश के संदर्भ में लागू नहीं है।

रूस द्वारा लाए गए मसौदे के समर्थन में 105 ने पक्ष में मतदान किया, 52 ने विपक्ष में जबकि 15 सदस्यों ने वोटिंग से परहेज किया। समिति ने शुक्रवार को आठ मसौदे पारित किए। जिसमें मानवाधिकार के कई मुद्दे जिसमें साक्षरता से जुड़ा अधिकार और यौन शोषण से बच्चों की सुरक्षा से लेकर अपराध की रोकथाम और आपराधिक न्याय के मामलों आदि शामिल हैं। मसौदा प्रस्ताव में नाजी आंदोलन,

नव-नाजीवाद और वेफेन एसएस संगठन के पूर्व सदस्यों, स्मारकों को खड़ा करने और नाजी अतीत को महिमामंडित करने के लिए सार्वजनिक प्रदर्शनों को शामिल करने के बारे में समिति ने गहरी चिंता व्यक्त की थी। संयुक्त राष्ट्र ने अपने बयान में कहा कि रूसी संघ के प्रतिनिधि ने जातिवाद और जेनोफोबिक बयानबाजी में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की और इस्लामोफोबिया, एफ्रोफोबिया और विरोधीवाद के खिलाफ प्रवासियों और शरणार्थियों को निर्वासित करने का आह्वान किया।

चीन में सख्त पाबंदियों के बीच

दर्ज हुए पिछले छह महीनों के सबसे अधिक कोविड–19 मामले

बीजिंग, 6 नवंबर (एजेंसियां)। चीन में एक बार फिर कोरोना का प्रकोप बढ़ने लगा है। कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील की हालिया उम्मीदों के बावजूद, चीन ने रविवार को छह महीनों में कोविड-19 के सबसे अधिक नए मामले दर्ज किए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को 4,610 नए कोविड -19 संक्रमणों की सूचना दी, जिनमें 588 मामलों में कोरोना के लक्षण मिलें और 4,022 मामलों में कोरोना के कोई भी लक्षण नहीं पाए गए। 6 मई के बाद से सबसे अधिक और एक दिन पहले 3,837 नए मामलों की तुलना में, जिनमें से 657 मामलों में कोरोना के कोई भी लक्षण न पाए जाने वाले मरीज।

धीरे-धीरे होगा बदलाव

अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि कोई भी बदलाव धीरे-धीरे होगा और अगले साल कुछ समय तक बड़ी राहत की संभावना नहीं है। इस सप्ताह चीन में शेयर बाजारों में अटकलों का दौर चला, निवेशकों के साथ-साथ जनता ने भी संभावित बदलाव के किसी भी संकेत पर रोक लगा दी।

तीन साल के लड़के की मौत

क्वारंटाइन किए गए आवासीय परिसर में 3 साल के एक लड़के की मौत ने चीन के एंटी-वायरस नियंत्रणों के साथ बढ़ते असंतोष को हवा दी, जो दुनिया के बाकी हिस्सों के साथ तेजी से बाहर हो रहे हैं। देश भर में जारी कोरोना के कहर को देखते हुए यात्रा प्रतिबंध और लॉकडाउन जारी रखा गया है।

शनिवार को कोरोना के 3500 नए मामले

चीन ने शनिवार को पिछले दिन लगभग 3500 नए मामलों की पहचान करने की सूचना दी, जिनमें लगभग 3,000 शामिल हैं जिन्होंने कोई कोविड-19 लक्षण नहीं होने के बावजूद सकारात्मक परीक्षण किया। दक्षिण-पूर्व में ग्वांगझू शहर में, हाइजू जिले ने तीन दिनों के लिए बस और मेट्रो सेवा को निलंबित कर दिया और निवासियों से घर पर रहने का आग्रह किया।

रूसी सैनिकों के ही खून के प्यासे हो गए पुतिन सीधे गोली मारने का क्यों दे रहे ऑर्डर?

मॉस्को, 6 नवंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले कई महीनों से युद्ध जारी है। यूक्रेन में मिसाइलों और ड्रोन से हमलों के चलते कई इलाके पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। साथ ही, कई जगह बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं तक नहीं हैं। अब पुतिन ने ऐसे रूसी सेना के जवानों को गोली मारने के आदेश दिए हैं, जोकि यूक्रेन के युद्ध क्षेत्र से पीछे हट रहे हों। इस तरह पुतिन खुद ही अपने जवानों के खून के प्यासे हो गए हैं। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी कि रूस की सेना यूक्रेन में पीछे हटते हुए पकड़े गए सैनिकों को गोली मारने के उद्देश्य से यूनिट्स की तैनाती कर रही है।

खुफिया अपडेट में दी गई ये जानकारी

एक खुफिया अपडेट में, मंत्रालय ने कहा कि कम मनोबल और लड़ने की अनिच्छा के कारण, रूसी सेना ने शायद 'बैरियर सैनिकों' या 'अवरुद्ध यूनिट्स' को तैनात करना शुरू कर दिया है। इसमें कहा गया है, इन यूनिट्स ने अपने पीछे हटने वाले सैनिकों को गोली मारने की धमकी दी है और इसका इस्तेमाल पिछले कुछ संघर्षों में किया जा चुका है।''

सैनिकों का आत्मविश्वास हो रहा कमजोर

मंत्रालय ने यह भी कहा है कि रूसी जनरलों ने संभवतः अपने कमांडरों से कहा है कि वे यूक्रेन में रहने वालों के खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल करें। रिपोर्ट्स में यूक्रेन में युद्ध लड़ रहे रूसी सैनिकों के कमजोर आत्मविश्वास की ओर भी इशारा किया गया है। खासतौर पर सितंबर से जब से यूक्रेन ने वापस से अपने क्षेत्रों पर फिर से कब्जा जमाना शुरू कर दिया था। रूस की सेना यूक्रेन से पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र के लाइमैन शहर सहित देश के कुछ इलाकों में पीछे हट गई है।

लड़ने से इनकार कर रहे रूसी सैनिक

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने जून में कहा था कि रूसी सैनिकों के आदेशों से इनकार करने के मामले भी सामने आए हैं, जिसके कारण अधिकारियों और उनके सैनिकों के बीच सशस्त्र गतिरोध भी हुआ। यूक्रेन ने कई रूसी सैनिकों की कॉल को भी इंटरसेप्ट किया है, जिसमें वे रूसी नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं और यहां तक कह रहे हैं कि वे घायल होना चाहते हैं, जिससे घर वापस जा सकें। वहीं, कई युवाओं ने तो रूस भी छोड़ दिया है, ताकि यूक्रेन के साथ होने वाले युद्ध में हिस्सा न लेना पड़े।

पनडुब्बी से परमाणु बम दागने वाली मिसाइल से डरा चीन

निगरानी के लिए जासूसी जहाज भेजा, 1,000 किमी दूर की बातचीत सुन सकता है वांग-6

एक्सक्लूसिव डेस्क, 6 नवंबर। भारत ने 2 नवंबर 2022 को बंगाल की खाड़ी में एक इंटरसेप्टर मिसाइल की टेस्टिंग की। 11-12 नवंबर को लॉन्ग रेंज की बैलेस्टिक मिसाइल की टेस्टिंग की जानी थी। इसके लिए एनओटीएएम (नोटिस टू एयरमेन) भी जारी कर दिया गया यानी टेस्टिंग के दौरान नो-फ्लाई जोन की चेतावनी। यह पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलेस्टिक मिसाइल हैं जिसकी रेंज 3,200 किलोमीटर है यानी पूरा चीन जद में होगा।

इससे डरे चीन ने अपने मिसाइल ट्रैकिंग जहाज युआन वांग-6 को निगरानी के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में दौड़ा दिया। अब एक्सपर्ट कह रहे हैं कि भारत को अपना मिसाइल टेस्ट रोकना पड़ सकता है। चीन ने ऐसा ही खुफिया जहाज 3 महीने पहले श्रीलंका के हंबनटोटा भेजा था। उस वक्त भी भारत ने विरोध किया था।

भारत की मिसाइल टेस्टिंग का पता था, फिर भी आया वांग-6

भारत ने 11 से 12 नवंबर तक लॉन्ग रेंज की बैलेस्टिक मिसाइल टेस्ट के लिए बंगाल की खाड़ी से हिंद महासागर तक नो फ्लाई जोन बनाए जाने की घोषणा की है। यानी इस बीच भारत ओडिशा के अब्दुल कलाम द्वीप से मिसाइल टेस्ट करता। इस बीच चीन का जासूसी जहाज इंडोनेशिया के बाली तट पर आ धमका। ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस एक्सपर्ट डेमियन साइमन ने इसकी टाइमिंग पर सवाल उठाए हैं।

भारत ने इसीलिए वेस्ट में श्रीलंका और ईस्ट में इंडोनेशिया के बीच उस एरिया को ब्लॉक कर दिया गया है, जो मिसाइल की टेस्टिंग रेंज में है। 4 नवंबर को चीनी जासूसी शिप युआन वांग-6 ने इंडोनेशिया के लोम्बोक जलडमरूमध्य से इंडियन ओसियन रीजन में प्रवेश किया है। जब से चीनी सेना का ये जासूसी शिप इंडोनेशिया के रास्ते हिंद महासागर में आया है, भारतीय नेवी इस पर करीब से नजर रखे हुए है।

चीन के जासूसी जहाज के आने से भारत बैलेस्टिक मिसाइल का यूजर-ट्रायल टाल सकता है। एक्सपर्ट का मानना है कि चीन ने ऐसे समय में अपने जासूसी जहाज को हिंद महासागर क्षेत्र में भेजा है, जिससे वह मिसाइल की खुफिया जानकारी जैसे उसकी स्पीड, एक्यूरेसी और रेंज को चुराने की कोशिश करता है।

इंटेलिजेंस एक्सपर्ट डेमियन साइमन का कहना है कि इस जासूसी शिप की तैनाती चीन के सैटेलाइट लॉन्चिंग डेट से भी मैच करती है।

यह सैटेलाइट 15 से 20 नवंबर के बीच बंगाल की खाड़ी के ऊपर उड़ान भरेगा।

इससे पहले चीन ने 2022 में जब लॉन्ग मार्च 5बी रॉकेट लॉन्च किया था, तब युआन वांग-5 शिप निगरानी मिशन पर निकला था। हाल ही में यह चीन के तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के पहले लैब मॉड्यूल की लॉन्चिंग की समुद्री निगरानी में भी शामिल था।

के-4 के सफल परीक्षण से भारत चीन के किसी भी शहर पर हमला करने में सक्षम हो जाएगा

डिफेंस एक्सपर्ट लेफ्टिनेंट कर्नल (रिटायर) जेएस सोढी कहते हैं कि भारत 11-12 नवंबर 2022 को बंगाल की खाड़ी में अपना बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण करने वाला है। सभी संभावनाओं में परीक्षण के-4 सबमरीन बैलिस्टिक मिसाइल का होगा, हालांकि आधिकारिक तौर पर परीक्षण की जाने वाली मिसाइल के नाम की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

के-4 मिसाइल की मारक क्षमता 3500 किलोमीटर है और इसे भारत की अकेली परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत पर लोड किया जाएगा। यह परीक्षण अत्यधिक महत्व रखता है क्योंकि वर्तमान में आईएनएस अरिहंत के -12 पनडुब्बी बैलिस्टिक मिसाइल से भरा हुआ है, जो 750 किलोमीटर की दूरी पर है।

के-4 के सफल परीक्षण से भारत चीन के किसी भी शहर पर हमला करने में सक्षम हो जाएगा। इससे चीन चिंतित है और इसलिए उसने भारत द्वारा मिसाइल परीक्षण की निगरानी के लिए हिंद महासागर में अपना जासूसी जहाज युआन वांग 6 भेजा है। भारत चीन द्वारा उत्पन्न इस स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है और उसे अपना मिसाइल परीक्षण जारी रखना चाहिए।

युआन वांग-6 शिप को चीन की सेना ऑपरेट करती है

चीन के पास इस तरह के 7 जासूसी शिप हैं, जो पूरे प्रशांत, अटलांटिक और हिंद महासागर में काम करने में सक्षम हैं। ये शिप जासूसी कर बीजिंग के लैंड बेस्ड ट्रैकिंग स्टेशनों को पूरी जानकारी भेजते हैं। चीन युआन वांग क्लास शिप के जरिए सैटेलाइट, रॉकेट और इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल की लॉन्चिंग को ट्रैक करता है।

अमेरिकी रक्षा विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस शिप को चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी पीएलए की स्ट्रैटजिक सपोर्ट फोर्स यानी एसएसएफ ऑपरेट करती है। एसएसएफ थिएटर कमांड लेवल का आर्गेनाइजेशन है। यह पीएलए को स्पेस, साइबर, इलेक्ट्रॉनिक, इंफॉर्मेशन, कम्युनिकेशन और साइकोलॉजिकल वारफेयर मिशन में मदद करती है।

एयर डिफेंस सिस्टम की रेंज में आने से पहले मिसाइल की जानकारी

युआन वांग-6 मिलिट्री नहीं बल्कि पावरफुल ट्रैकिंग शिप है। ये शिप अपनी आवाजाही तब शुरू करते हैं, जब चीन या कोई अन्य देश मिसाइल टेस्ट कर रहा होता है। शिप में हाई-टेक ईव्सड्रॉपिंग इक्विपमेंट (छिपकर सुनने वाले उपकरण) लगे हैं। इससे यह 1 हजार दूर हो रही बातचीत को सुन सकता है।

मिसाइल ट्रैकिंग शिप में रडार और एंटीना से बना इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम लगा होता है। ये सिस्टम अपनी रेंज में आने वाली मिसाइल को ट्रैक कर लेता है और उसकी जानकारी एयर डिफेंस सिस्टम को भेज देता है। यानी, एयर डिफेंस सिस्टम की रेंज में आने से पहले ही मिसाइल की जानकारी मिल जाती है और हमले को नाकाम किया जा सकता है।

अगस्त में श्रीलंका में रुका था चीन का जासूसी जहाज

इस साल अगस्त में युआन वांग क्लास का जहाज युआन वांग-5 साउथ चाइना सी लौटने से पहले श्रीलंकाई के हंबनटोटा बंदरगाह पर रुका था। अगस्त की शुरुआत में भारत ने इस स्पाई शिप को लेकर श्रीलंका के सामने विरोध दर्ज कराया था। इसपर श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय ने पहले चीनी शिप के हंबनटोटा आने की खबरों को खारिज कर दिया था। लेकिन बाद में श्रीलंका ने इसे हंबनटोटा पोर्ट पर 16 से 22 अगस्त तक रुकने की अनुमति दे दी थी। भारत के साथ ही अमेरिका ने भी हंबनटोटा में चीनी जासूसी जहाज की मौजूदगी पर चिंता जताई थी। उस वक्त एक्सपर्ट ने कहा था कि हंबनटोटा पोर्ट पर पहुंचने के बाद इस शिप की पहुंच दक्षिण भारत के प्रमुख सैन्य और परमाणु ठिकाने जैसे कलपक्कम, कुडनकुलम तक होगी। साथ ही केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कई पोर्ट यानी बंदरगाह चीन के रडार पर होंगे। कुछ एक्सपर्ट ने कहा था कि चीन भारत के मुख्य नौसैना बेस और परमाणु संयंत्रों की जासूसी के लिए इस जहाज को श्रीलंका भेज रहा है।

भारत के लिए श्रीलंका का हंबनटोटा पोर्ट चिंता का सबब बना

भारत के लिए सबसे बड़ी रणनीतिक चिंता यह है कि चीन श्रीलंका के हंबनटोटा पोर्ट का उपयोग तेजी से ऐसी जासूसी गतिविधियों के लिए कर रहा है। श्रीलंका ने कर्ज न चुका पाने के बाद साल 2017 में साउथ में स्थित हंबनटोटा पोर्ट को 99 साल की लीज पर चीन को सौंप दिया था। ये पोर्ट एशिया से यूरोप के बीच मुख्य समुद्री व्यापार मार्ग के पास स्थित है। जो चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव प्रोजेक्ट के लिए काफी महत्वपूर्ण है। भारत और अमेरिका ने हमेशा ये चिंता जाहिर की है कि 1.5 अरब डॉलर की लागत से तैयार हुआ ये बंदरगाह चीन का नौसेना बेस बन सकता है। भारत के सिक्योरिटी एक्सपर्ट ने कई बार इसकी आर्थिक व्यवहार्यता पर सवाल उठाया है। साथ ही कहा है कि यह चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स स्ट्रैटजी में सही बैठता है। इसके तहत चीन जमीन के साथ ही समुद्र से भी हिंद महासागर के जरिए भारत को घेर सकता है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी

लखनऊ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की शुक्रवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है। शनिवार को मेदांता प्रशासन ने मेडिकल बुलेटिन जारी किया। उन्होंने बताया कि महंत को यूरिन की समस्या और कमजोरी की शिकायत के चलते एडमिट किया गया है। मेदांता लखनऊ के निदेशक प्रोफेसर राकेश कपूर ने बताया कि महंत का इलाज डॉ. दिलीप दुबे और उनकी टीम कर रही है। 24 घंटे उनकी निगरानी की जा रही है।

स्थापना दिवस पर झारखंड को मिलेगी 5 हजार करोड़ की योजनाओं की सौगात

राष्ट्रपति मुर्मू के साथ सीएम सोरेन करेंगे उद्घाटन

रांची, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड राज्य स्थापना दिवस के मौके पर 15 नवंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में सीएम सारथी योजना, गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना और एकलव्य स्किल स्कीम योजना का शुभारंभ करेंगे। वहीं, इंडसट्रियल पार्क एंड लॉजिस्टिक पॉलिसी-2022, इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी-2022 और झारखंड एथेनॉल प्रोडक्शन प्रमोशन पॉलिसी-2022 को लॉन्च करेंगे।

समारोह में चार नई योजनाओं और तीन नई पॉलिसी लॉन्च की जाएगी। इस दौरान पांच हजार करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्थापना दिवस के अवसर पर राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन के सिलसिले में हो रही तैयारियों की शनिवार को कांके रोड स्थित अपने आवासीय कार्यालय में समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने वरीय अधिकारियों के साथ इस उच्चस्तरीय बैठक में समारोह के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम की जानकारी ली और अहम निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां ससमय पूरी हो जानी चाहिए। उच्च स्तरीय बैठक में मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, कार्मिक विभाग की प्रधान सचिव वंदना डाडेल, सचिव अमिताभ कौशल, सचिव मनोज कुमार, एसयूडीए के निदेशक अमित कुमार, सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के निदेशक राजीव लोचन बक्सी और रांची के उपायुक्त राहुल सिन्हा मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में नई योजनाओं और पॉलिसी की लॉन्चिंग तथा उद्घाटन और शिलान्यास किए जाने वाले योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने इस मौके पर लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों के वितरण के बारे में भी अधिकारियों से जाना।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर होने वाले मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मौजूद होंगी। ऐसे में यहां सारी व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त होनी चाहिए। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हो और कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों की सहूलियत का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

नकली नोटों के सिंडिकेट का सबसे बड़ा खुलासा

5 लाख के जाली नोट मांगे तो तस्कर ने 500 की 11 गड्डियां पटक दीं

पटना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कोरोना की लहर थमते ही भारत-नेपाल बॉर्डर पर जाली नोटों का धंधा धड़ल्ले से चल पड़ा है। इस धंधे में दुबई, मलेशिया, बांग्लादेश और पाकिस्तान के लोग शामिल हैं। बड़ा अड्डा नेपाल का परसा और बारा जिला हैं। सरगना दुबई में है। करीब 80 करोड़ जाली नोट की खेप नेपाल पहुंच चुकी है। दीपावली-छठ के बाद होली तक बाजार में कैश बढ़ेगा। उसी अनुपात में जाली नोट भी खपा दिए जाएंगे। इस धंधे की पड़ताल के लिए भारत-नेपाल के बीच 1000 किमी का सफर तय किया। तस्करों तक पहुंचने के लिए टीम ने 30 लोगों से मुलाकात की। हमें कई ऐसे लोग मिले, जो इस कारोबार में जेल जा चुके थे। कई कोशिशों के बाद नकली नोटों के एक बड़े कारोबारी तक पहुंची। उससे अपराधी बनकर मुलाकात की गई। हमने कहा कि हम बड़ा काम करना चाहते हैं, जिसमें नकली नोटों का बड़ा अमाउंट लगेगा। उससे पूछा कि वह कितनी नकली करेंसी दे सकता है। जब कारोबारी को हम पर भरोसा हुआ तो उसने एक वीडियो दिखाया। इसमें दो सूटकेस में 100, 200, 500, 2000 के लगभग 80 करोड़ रुपए थे। उसने बताया कि नकली नोटों की प्रिंटिंग पाक, मलेशिया, दुबई और बांग्लादेश में होती है। वहां से खेप श्रीलंका, पाकिस्तान, थाईलैंड, सिंगापुर, यूएई और मलेशिया के रास्ते नेपाल पहुंचती है।

100 का पत्ता या फिर 100 रुपए का नोट। आईएसआई से भारत के बाजार तक पहुंचने में 100 रुपए के एक पत्ते में छह गुना फायदा होता है। आईएसआई 100 रुपए का नोट 25 रुपए में तस्करों तक पहुंचाती है। वहां से थोक तस्कर उसे 30 रुपए में फुटकर तस्करों को बेच देता है।

फ्रिज में रखे अंडे प्लास्टिक के तो नहीं

ऐसे चेक कर लें, नकली अंडे खाने पर उठाना होगा अस्पताल का खर्चा

एक्सक्लूसिव डेस्क, 6 नवंबर। शाम को ऑफिस से घर जाते और सुबह जल्दी आते वक्त ठंड रहती है। सुहाना कहती हैं कि ऐसे मौसम में उबले अंडे या ऑमलेट जैसी चीजें ब्रेकफास्ट में लेना बेहतर है। वहीं रवीना कहती हैं कि नवंबर के महीने से तो वो अंडे की कैरेट ही खरीद कर रख लेती हैं। ताकि बार-बार बाजार से खरीदने की झंझट ही खत्म हो जाए।

आगे बढ़ने से पहले रवि क्या कहते हैं

रवि कहते हैं कि मैं और मेरा परिवार सर्दियों के दिनों में हर रोज अंडे खाते हैं, लेकिन 2 साल पहले हमें एक घटना के दौरान पता लगा कि मैंने जो अंडें दुकान से खरीदे थे, वो नकली यानी प्लास्टिक के थे। अब मैं अंडे खरीदने के बाद उसकी क्वालिटी जरूर चेक करता हूं और दूसरों को सलाह दूंगा कि वो भी जरूर करें। एक बार फिर से मार्केट में अंडों की डिमांड बढ़ गई है। जिस दुकान से आप सफेद अंडे खरीदते हैं, वो नकली भी हो सकते हैं। जिसे आप हेल्दी समझ के खाते हैं, वो आपके लिए अनहेल्दी भी हो सकते हैं।

चलिए जानते हैं नकली अंडों से जुड़े सभी जरूरी सवालों के जवाब।

आज हमारी एक्सपर्ट हैं- नोएडा की न्यूट्रीनिस्ट रीमा हिंगोरानी।

रीमा हिंगोरानी- मार्केट में आजकल आर्टिफिशियल या सिंथेटिक अंडे बिक रहे हैं, जो आपको हेल्दी नहीं बल्कि बीमार कर सकते हैं। इनसे आपको प्रोटीन नहीं मिलता बल्कि आपका मेटाबॉलिज्म खराब होता है।

कैसे पता चलेगा कि दुकान से खरीदा अंडा सिंथेटिक का है या नेचुरल?

रीमा हिंगोरानी के अनुसार, आपको अंडा खरीदने के बाद थोड़ा ध्यान देना होगा। जैसे-

सिंथेटिक अंडे का सफेद पार्ट रफ होगा। नेचुरल चिकना होता है। अंडे को उबालकर, उसे छीलकर, जब कट करेंगे, तो उसका योक जरूरत से ज्यादा पीला दिखाई दे, तो इसका मतलब है अंडे में कुछ गड़बड़ है।

क्या बाजार में आर्टिफिशियल या सिंथेटिक अंडों के अलावा और भी किसी तरह के अंडे बिकते हैं?

जी बिल्कुल, बाजार में प्लास्टिक के अंडे भी बिकते हैं। ये चीन से आते हैं। जो आपकी सेहत बिगाड़ सकते हैं।

बाजार में आर्टिफिशियल, सिंथेटिक या प्लास्टिक जैसी चीजों से अंडे बनाकर बेचे जा रहे हैं, ऐसे में कैसे पता चलेगा कि हम जिस दुकान से अंडे खरीद रहे हैं, वो असली हैं या नकली?

इसके लिए नीचे दिए ग्राफिक्स को पढ़ें और दूसरों को भी शेयर करें-

नकली अंडे का सफेद और पीला पार्ट आपस में क्यों मिल जाता है?

नकली अंडे का पीला और सफेद हिस्सा, दोनों एक ही मटेरियल से बनाया जाता है। इसलिए वो मिक्स हो जाता है।

अगर हम दुकान से अंडे खरीदकर ला रहे हैं और उसकी क्वालिटी चेक किए बगैर खाएं, तो क्या इसका कोई साइड इफेक्ट हमारे हेल्थ पर होगा?

आर्टिफिशियल या प्लास्टिक के अंडे किसी भी इंसान के लिए खतरनाक हो सकते हैं। क्योंकि ये अलग-अलग तरीके के केमिकल कंपाउंड से बने होते हैं। आर्टिफिशियल अंडे खाने से आपको क्या नुकसान पहुंच सकता है, इसके लिए नीचे दिए ग्राफिक को पढ़ें-

नकली अंडे खाने का कोई लॉन्ग टर्म इफेक्ट भी है क्या?

बिल्कुल है। रीमा हिंगोरानी के अनुसार

आपकी जितनी लाइफस्टाइल इश्यूज हैं, वो धीरे-धीरे दिखनी शुरू होंगी।

अगर हॉर्मोन पर असर हो रहा है, तो लड़कियों को

पीरियड प्रॉब्लम

हेयर ग्रोथ जल्दी होना

एक्ने की समस्या आएगी।

आम लोगों को

डायबिटीज बढ़ना

थॉयराइड बढ़ना

हार्मोनल डिस्बैलेंस जैसी दिक्कत हो सकती है।

अंडे खरीदने के बाद उसकी क्वालिटी कैसे चेक करनी है, ये तो पढ़ लिया। अब बताइए कि अंडे खरीदने से पहले हमें किन बातों का ख्याल रखना चाहिए?

कोशिश करिए कि आप ऑर्गेनिक अंडे ही लें। जिस दुकान से ले रहे हैं, उस दुकान में अंडे कहां से आते हैं, ये पता कर लें।

आपकी भागदौड़ भरी जिंदगी में ऐसा करना थोड़ा मुश्किल है, फिर भी कोशिश करें कि किसी फर्म से कोई कॉन्टैक्ट है, तो उनसे खरीदें।

अब अंडे से जुड़े ऐसे सवालों के जवाब जान लें, जो अक्सर पूछे जाते हैं-

नेचुरल अंडे खाने से शरीर में किन-किन चीजों की कमी दूर हो सकती है?

अंडे प्रोटीन का सबसे बेस्ट सोर्स है। इसमें कुछ विटामिन और मिनिरल्स भी होते हैं। जैसे-

विटामिन ए

विटामिन बी

विटामिन बी12

विटामिन डी

आयोडीन

ओमेगा-3

एक अंडे में कितना प्रोटीन होता है?

एक अंडे में आमतौर पर 6 ग्राम प्रोटीन होता है। असली और नकली अंडे पर बहुत चर्चा हो गई। अब ये बताइए कि एक आम इंसान को 1 दिन में कितने अंडे खाने चाहिए?

अंडों की संख्या आपकी उम्र, जेंडर, पर्सनालिटी और लाइफ स्टाइल पर डिपेंड करती है। हर रोज कुछ किलोमीटर चलने के बाद भी बुजुर्गों का डाइजेस्टिव सिस्टम स्लो यानी धीमा होता है। वहीं जिम जाने वाला यंग इंसान अपनी कैलोरी को तेजी से बर्न कर सकता है। इसलिए हमसे पूछने की जगह आप अपने डॉक्टर से पूछकर ही अंडे खाने की संख्या तय करें।

बच्चों को बिगाड़ रहा मोबाइल!

बाल आयोग की अध्यक्ष बोलीं- मोबाइल में गलत चीजें देखते हैं इसलिए बच्चे पढ़ नहीं पाते

रायपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में मोबाइल फोन को प्रतिबंधित कर देना चाहिए। ये बच्चों को बिगाड़ रहा है। ये कहना है छत्तीसगढ़ राज्य बाल आयोग की अध्यक्ष तेजकुंवर नेताम का। रायपुर में रविवार को एक लग्जरी होटल में बाल अधिकारों, पाक्सो एक्ट, पुलिस की कार्रवाई, बच्चों से जुड़े कानून और कोर्ट की प्रक्रियाएं कैसे जल्दी पूरी की जाएं ऐसे विषयों पर वर्कशॉप का आयोजन था।

इसी कार्यक्रम में राज्य बाल आयोग की अध्यक्ष तेजकुंवार नेताम ने अहम बयान दिया। नेताम ने बताया कि प्रदेश के बच्चों का भविष्य संवारा जा सकता है। मगर मोबाइल से बच्चों को दूर करना होगा। ऑनलाइन क्लासेस की वजह से बच्चों की पढ़ाई अच्छी तरह से नहीं हो पाई है। रेगुलर क्लासेस में पढ़ाई अच्छी तरह हो पाती है।

मोबाइल कैसे बच्चों का भविष्य खराब कर रहा है ये पूछे जाने पर नेताम ने कहा- बच्चों के पास से मोबाइल न हो तो उनका भविष्य सुधरेगा। आज कल तो बच्चे मोबाइल में गलत चीजें भी देखते हैं। इसलिए पढ़ाई में ध्यान नहीं देते। इस वजह से हमारे बच्चे पढ़ नहीं पाए। इसका इस्तेमाल नियंत्रित होना चाहिए। माता-पिता भी ध्यान दें। ये भी होना चाहिए कि बच्चे मोबाइल फोन लेकर स्कूल में न जाएं। रेगुलर क्लासेस हों ये अच्छी बात है।

बाल आयोग ने रायपुर में प्रदेश स्तर की समीक्षा बैठक ली। इसमें ज्यूडशरी, पुलिस और सरकारी विभागों के लोग शामिल हुए। राज्य बाल आयोग ही इस समीक्षा बैठक और वर्कशॉप का आयोजक था। कार्यक्रम में खास तौर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष गौतम भादुड़ी, यूनिसेफ के राज्य प्रमुख जॉब जकारिया, आईजी पुलिस डॉ. संजीव शुक्ला और महिला एवं बाल विकास विभाग के विशेष सचिव पोषण चंद्राकर भी उपस्थित थे।

हाईकोर्ट जज गौतम भादुड़ी का एक्सपर्ट व्यू

न्यायाधीश भादुड़ी ने कहा कि सरकार द्वारा कानून बनाए गए है लेकिन उसका लाभ भी लोगों तक पहुंचना चाहिए। पहले नैतिक कहानियों की प्रेरक पुस्तकें बच्चों के हाथ में होती थी।

अब उसका स्थान मोबाइल ने ले लिया। मोबाइल के दुष्प्रभाव को रोकना होगा। इससे बचपन खत्म हो रहा है। उन्होंने न्यायाधीशों और संबंधित अधिकारियों से कहा लोगों की समस्या के निराकरण के लिए आगे बढ़े और नए रास्ते तैयार करें।

यूनिसेफ चीफ जॉब जकारिया ने कहा कि बच्चों का अधिकार सुरक्षित करना हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए व्यवहार और सोच में परिवर्तन का होना जरूरी है। बच्चों का अधिकार संरक्षण करने के लिए बड़ा निवेश होना चाहिए।

कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने कहा कि- लोगों को मानसिक रूप जागरूक करने की जरूरत है। समाज है तो अपराध होगा ही, जिसे रोक तो नहीं सकते लेकिन लोगों की मानसिकता बदली जा सकती है।

राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष तेजकुंवर नेताम ने आगे कहा कि इस कार्यशाला के बाद बच्चों के परिजनों को जागरूक करेंगे, जिसके लिए शिक्षा विभाग की मदद ली जाएगी और भी कई तरह के जागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा।

ओवैसी की काट के लिए गहलोत का प्लान

अल्पसंख्यक समुदाय बिगाड़ेगा 2023 में कांग्रेस का खेल !

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में चुनावों से पहले अशोक गहलोत ने हाल में ओबीसी समुदाय को साधने के लिए 3 बोर्ड के गठन को मंजूरी दी थी. वहीं गहलोत की नजर राज्य के अल्पसंख्यक वोटर्स पर भी है जिसके लिए कांग्रेस ने अब मुस्लिम बाहुल्य इलाकों पर फोकस करना शुरू कर दिया है.

राजस्थान में कांग्रेस के सियासी घमासान के इतर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार चुनावी मोड में दिखाई दे रहे हैं. गहलोत लगातार सूबे के कई जिलों का दौरा कर रहे हैं और वहां करोड़ों की लागत वाली योजनाएं और जनता को सौगात दे रहे हैं.

वहीं गहलोत जातिगत आधार पर भी वोट बैंक को बनाए रखना चाहते हैं इसी कड़ी में बीते दिनों ओबीसी समुदाय को साधने के लिए 3 बोर्ड के गठन को मंजूरी दी थी. वहीं गहलोत की नजर राज्य के अल्पसंख्यक वोटर्स पर भी है जिसके लिए कांग्रेस ने अब मुस्लिम बाहुल्य इलाकों पर फोकस करना शुरू कर दिया है. गहलोत ने हाल में अल्पसंख्यकों से जुड़े कई फैसले लिए हैं जिसके बाद माना जा रहा है कि कांग्रेस

ओवैसी के 2023 के चुनावों में आने से पहले अपने वोटबैंक को सुरक्षित करना चाहती है.

गहलोत ने अल्पसंख्यक समुदाय के लिए बीते दो महीने में 150 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी है जिसमें मदरसों के आधुनिकीकरण से लेकर वक्फ बोर्ड के कई ऐलान शामिल हैं. बताया जा रहा है कि कांग्रेस के चुनावी थिंक टैंक ओवैसी की काट के लिए मुस्लिम इलाकों पर फोकस कर रहे है. मालूम हो कि ओवैसी ने राजस्थान के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में हाल में प्रचार किया था और 2023 के लिए चुनावी बिगुल बजाया था.

ओवैसी की पार्टी 2023 में जयपुर और शेखावाटी अंचल की कई सीटों पर चुनाव लड़ेगी और सियासी जानकारों का कहना है कि ओवैसी कांग्रेस का वोट काटेंगे. ऐसे में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राज्य में सक्रिय होते ही गहलोत अब राजनीतिक दांवपेंच चल रहे हैं.

अल्पसंख्यक समुदाय को गहलोत की सौगात

मालूम हो कि गहलोत ने हाल ही में प्रदेश के विभिन्न मदरसों के आधुनिकीकरण के लिए 24. 84 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की है जहां इस स्वीकृति के बाद राज्य के विभिन्न मदरसों को कम्प्यूटराइज करने के साथ ही वहां फर्नीचर और अन्य सुविधाओं का विस्तार भी किया जाएगा. वहीं इससे पहले सीएम गहलोत ने प्रदेश के 500 मदरसों में स्मार्ट क्लास चलाने के लिए 13.10 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया था.

बता दें कि ओवैसी ने अपने पिछले राजस्थान दौरे के दौरान कहा था कि राजस्थान में मुस्लिम आबादी के लिए गहलोत सरकार अपने बजट में 100 करोड़ का प्रावधान भी नहीं कर सकी जिसके बाद गहलोत ने पिछले डेढ़ महीने के दौरान 150 करोड़ से अधिक की घोषणाएं अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कर दी है. जानकारों का कहना है कि कांग्रेस को लगता है कि ओवैसी के आने से उसका वोटबैंक खिसक सकता है.

40 सीटों पर कांग्रेस की पैनी नजर

गौरतलब है कि राजस्थान में 2023 के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं जहां बीजेपी और कांग्रेस के अलावा कई राजनीतिक दल इस बार किस्मत आजमाने जा रहे हैं. वहीं कांग्रेस के सामने बड़ी चिंता ओवैसी फैक्टर को कम करने की हैं.

जयपुर मेयर चुनाव से पहले बीजेपी की बाड़ेबंदी में सेंध

गायब हुए 25 पार्षद, दांव पर वसुंधरा की साख

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में नगर निगम ग्रेटर के मेयर पद पर चुनाव से पहले बीजेपी की बाड़ेबंदी में सेंध लग गई है. वहीं बीजेपी के पार्षदों को एकजुट करने के लिए वसुंधरा राजे गुट के विधायकों को जिम्मा दिया गया है. चौमू के एक रिजार्ट में बीजेपी के कई विधायक फिलहाल बाड़ेबंदी में नहीं है. जयपुर मेयर चुनाव से पहले BJP की बाड़ेबंदी में सेंध, गायब हुए 25 पार्षद, दांव पर वसुंधरा की साखपूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे

राजधानी जयपुर में नगर निगम ग्रेटर के मेयर पद पर चुनाव की घोषणा होने के साथ ही बीजेपी और कांग्रेस सक्रिय हो गई हैं. चुनावों में कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ नहीं है और संख्या बल के लिहाज से बीजेपी मजबूत दिखाई दे रही है लेकिन कांग्रेस आखिरी समय तक सभी राजनीतिक दांवपेंच आजमाना चाहती है. वहीं बीजेपी की ओर से 3 वर्तमान और 2 पूर्व विधायकों (कालीचरण सराफ, अशोक लाहोटी, नरपत सिंह राजवी, पूर्व विधायक राजपाल सिंह शेखावत और कैलाश वर्मा) की साख दांव पर लगी हुई है जहां इन विधायकों को 25 से ज्यादा पार्षदों को एकजुट रखना है लेकिन बताया जा रहा है कि चौमू के रिजार्ट में की गई बाड़ेबंदी से यह पार्षद दिखाई नहीं दे रहे हैं.

माना जा रहा है कि पार्षदों के मौजूद नहीं होने से चुनावों में क्रॉस वोटिंग हो सकती है. मालूम हो कि वर्तमान में 146 में से बीजेपी के 85 पार्षद हैं, जबकि 8 निर्दलीय उनके सपोर्ट में है जहां इन सभी 93 में से केवल 54 ही पार्षद फिलहाल बाड़ेबंदी में मौजूद हैं. इधर कांग्रेस के पास पार्षद हैं. बता दें कि पूर्व निगम आयुक्त के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार मामले में तीन पार्षदों और जयपुर ग्रेटर निगम की महापौर को निलंबित किए जाने के बाद फिर से महापौर का चुनाव हो रहा है जहां बीजेपी की ओर से रश्मि सैनी का नाम फाइनल हो गया जिन्होंने शनिवार को नामांकन दाखिल कर दिया. वहीं बीजेपी पार्षद शील धाभाई जो जयपुर की पूर्व महापौर रह चुकी हैं उनको टिकट नहीं मिलने से वह नाराज दिखाई दी. पार्टी की ओर से शील धाभाई का नाम नए महापौर के लिए तय किया गया था लेकिन धाभाई को कांग्रेस सरकार ने दो बार कार्यवाहक महापौर बनाया ऐसे में उन पर कांग्रेस से मिलीभगत के भी आरोप लगे.

सभी विधायकों से मिलेंगे पार्षद

बीजेपी ने चुनावों से पहले एक-एक दिन सभी विधायकों और सांसद का सेशन निर्धारित किया है जो सभी पार्षदों से मुलाकात करेंगे. वहीं पार्टी की ओर से सभी को एकजुट रहने के लिए कहा गया है. इधर जयपुर नगर निगम ग्रेटर इलाके में 5 विधानसभा क्षेत्र (विद्याधर नगर, झोटवाड़ा, मालवीय नगर, सांगानेर और बगरू) आते हैं जहां सबसे ज्यादा 26 पार्षद हैं. वहीं विधायक नरपत सिंह राजवी विद्याधर नगर से आते हैं और यहां के 12 से ज्यादा पार्षद रश्मि सैनी के विरोध में नजर आ रहे हैं. इसके अलावा झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के भी कुछ पार्षद सैनी से नाराज हैं.

रश्मि सैनी के लिए एकजुटता लाना बड़ी चुनौती

वहीं विद्याधर नगर, झोटवाड़ा और मालवीय नगर के अलावा 29 पार्षद बगरू और सांगानेर एरिया से आते हैं जहां अशोक लाहोटी और बगरू से पूर्व विधायक कैलाश वर्मा को आलाकमान ने जिम्मेदारी दी है. कैलाश वर्मा के इलाके में 9 पार्षद हैं लेकिन वह इन पार्षदों के संपर्क में नहीं हैं. ऐसे में ज्यादातर पार्षदों की नाराजगी को दूर करके सभी के वोट रश्मि सैनी के पक्ष में बीजेपी के सामने एक बड़ी चुनौती नजर आ रही है. इसके साथ ही सांगानेर से जीतकर आए 20 पार्षदों में कुछ पार्षद नाराज चल रहे हैं जिनकी नाराजगी दूर करने का जिम्मा अशोक लाहोटी के पास है.

सौम्या गुर्जर के खिलाफ था राजे गुट

नगर निगम मेयर का चुनाव इस बार राजे गुट की साख का सवाल बना हुआ है. इससे पहले 2020 में जब जयपुर में नगर निगम के चुनाव हुए तब ग्रेटर नगर निगम में बीजेपी को बहुमत मिलने के बाद जब पार्टी ने सौम्या गुर्जर का नाम तय किया तो वसुंधरा राजे गुट ने नाराजगी जताई थी लेकिन उस समय राजे की नहीं चल सकी. ऐसे में अब महापौर के उपचुनाव में राजे की चल रही है और राजे समर्थित विधायक और पूर्व विधायकों की लॉबिंग के आगे रश्मि सैनी का नाम फाइनल किया गया है.

खाचरियावास को नहीं मिला किसी मंत्री का साथ

राजस्थान सरकार में बहुत से मंत्री भर रहे आईएएस अफसरों की एसीआर

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आईएएस अफसरों की एसीआर (एनुअल कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट) भरने का अधिकार मंत्रियों को देने की मांग उठाने वाले खाद्य व रसद मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास अकेले पड़ते जा रहे हैं। असल में खाचरियावास को किसी और मंत्री का साथ नहीं मिला है। राज्य में आईएएस अफसरों की रिपोर्ट केवल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही भर रहे हैं, ऐसा भी नहीं है। बहुत से मंत्री भी आईएएस अफसरों की एसीआर भर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की सरकार में भी बहुत से मंत्री आईएएस अफसरों की एसीआर भर रहे थे।

वर्तमान सरकार के शीर्ष दो मंत्रियों में से एक मंत्री जो पिछले 40 वर्षों में 17-18 विभागों के मंत्री रह चुके हैं। वे एक बार आईएएस काडर के पैतृक कार्मिक विभाग के भी मंत्री रहे हैं। वे चार मुख्यमंत्रियों के साथ काम कर चुके हैं, नाम जाहिर न करने के आग्रह के साथ बताया कि वे अनावश्यक विवाद में नहीं पड़ना चाहते। उन्होंने मंत्री रहते हुए हर बार आईएएस अफसरों की एसीआर भरी है। इस कार्यकाल में भी भर रहे हैं। यह अधिकार मुख्यमंत्री ही मंत्रियों को देते हैं। मंत्री भी विधायकों के बीच से ही बनाए जाते हैं। यह भी मुख्यमंत्री ही तय करते हैं। मुख्यमंत्री किस मंत्री को क्या अधिकार दें और क्या नहीं, यह सिर्फ उन्हीं पर निर्भर करता है।

भैरोंसिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के शासन काल में दो बार मंत्री रहे और वर्तमान में राज्य सभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी ने कहा- हर राज्य में बिजनेस रूल्स बने हुए हैं। उनके तहत ही एसीआर भरी जाती है। मुख्यमंत्री ही तय करते हैं किस की क्या भूमिका होगी।

पिछली भाजपा सरकार में शिक्षा मंत्री रहे वासुदेव देवनानी ने बताया कि उन्होंने मंत्री रहते हुए तत्कालीन विभागीय प्रमुख शासन सचिव स्तरीय आईएएस अफसरों की एसीआर भरी थी। मंत्री पद की शक्तियां और अधिकार सब मुख्यमंत्री पर ही अंततः तय करते हैं।

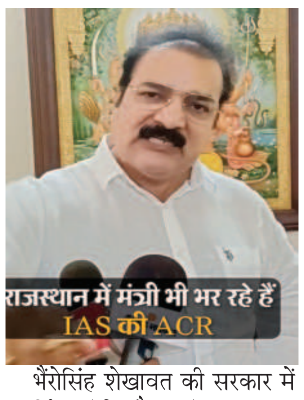

भैरोंसिंह शेखावत की सरकार में कार्मिक मंत्री और वसुंधरा सरकार में उद्योग मंत्री रहे राजपाल सिंह शेखावत बताया कि राजस्थान में आम तौर पर मंत्री ही भरते हैं आईएएस अफसरों की एसीआर। मैंने भी कार्मिक, आयोजना, नगरीय विकास, उद्योग आदि विभागों के मंत्री रहने के दौरान एसीआर भरी है। यह नैचुरल है कि कोई अफसर है, तो मंत्री ही उसकी एसीआर भरते हैं। अंतिम अधिकार हमेशा ही मुख्यमंत्री के पास रहता है। कांग्रेस सरकार में यह एक नया अनावश्यक विवाद खड़ा हो गया है।

सभी राज्यों में अंतिम अधिकार मुख्यमंत्री के पास

राज्यों में आईएएस अफसरों की एसीआर (वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट) भरने का अंतिम अधिकार मुख्यमंत्री के पास ही रहता है। यह मुख्यमंत्री की इच्छा और विवेक पर निर्भर करता है कि वे किसी मंत्री को यह अधिकार देते हैं या नहीं। सभी राज्यों में इस संबंध में अलग-अलग नियम भी बनाए हुए हैं, लेकिन किसी भी राज्य में स्पष्ट रूप से और पूरी तरह से आईएएस अफसरों की एसीआर भरने का अधिकार मंत्रियों के हवाले नहीं किया हुआ है। जिन राज्यों में मंत्री एसीआर भरते भी हैं, तो उसे भी पूरी तरह से बदलने का अधिकार अंततः मुख्यमंत्री के पास होता है।

मुख्य सचिव की रहती है खास भूमिका

आईएएस अफसरों में जूनियर कैडर की रिपोर्ट उनके सीनियर अफसर भरते हैं। जैसे कोई आईएएस अफसर संयुक्त शासन सचिव के पद पर या शासन सचिव के पद पर कार्यरत हैं तो उनकी रिपोर्ट शासन सचिव और प्रमुख शासन सचिव भरते हैं। फिर यह रिपोर्ट मुख्य सचिव के पास जाती है। मुख्य सचिव के बाद यह रिपोर्ट मुख्यमंत्री के पास जाती है। प्रमुख शासन सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव की रिपोर्ट मुख्य सचिव, विभागीय मंत्री (अगर सीएम ने अधिकार दे रखे हों) और मुख्यमंत्री भरते हैं। सभी आईएएस अफसरों की एसीआर एक बार मुख्य सचिव के समक्ष जरूर जाती है। ऐसे में इस पूरे सिस्टम में मुख्य सचिव की भूमिका अहम रहती है।

केन्द्र सरकार के मंत्रालयों में मंत्री ही भरते हैं एसीआर

केन्द्र सरकार के मंत्रालयों में कार्यरत आईएएस अफसरों की एसीआर संबंधित विभाग के मंत्री ही भरते हैं। केन्द्र सरकार में यह एक स्टैंडिंग ऑर्डर है, हालांकि वहां भी अंततः रिपोर्ट कार्मिक मामलात मंत्री और प्रधानमंत्री तक जरूर जाती है। केन्द्र में आम तौर पर प्रधानमंत्री एसीआर के मामलों में मंत्रियों की टिप्पणी को खारिज नहीं करते हैं।

मुख्य सचिव के दौरे से बंधी आस

4 साल से बंद पड़े विकास कार्यों को मिल सकती है गति

दौसा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य प्रशासनिक बेड़े की मुखिया उषा शर्मा के विजिट के बाद प्रसिद्ध धर्मस्थल मेहंदीपुर बालाजी में पिछले 4 साल से बंद पड़े विकास कार्यों को फिर से गति मिलने की उम्मीद जगी है। हालांकि इसका क्या रोडमैप रहेगा यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन स्वदेश दर्शन योजना के तहत बनी सुविधाओं का संचालन जल्द शुरू होगा। शनिवार शाम को विजिट के दौरान मुख्य सचिव ने यात्री प्रतिक्षालय व विश्राम गृह को शुरू करने को लेकर कलेक्टर कमर चौधरी को निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने भी ग्राम पंचायत के जरिए इनका संचालन शुरू करने की बात कही है।

सीएस ने बालाजी मंदिर की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर नवीनीकरण के बाद सुचारू हुए बंदोबस्त का निरीक्षण का संतोष जताया। इस दौरान सीएस का कहना था कि मंदिर में पहले से बेहतर व्यवस्थाएं हो गई। मुझे लगता है अब श्रद्धालुओं को सुलभ दर्शन होने में कोई परेशानी नहीं होगी। बता दें कि पूर्व में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरकार के स्तर पर कई बार कवायद की जा चुकी है। इसके बाद महंत नरेशपुरी महाराज के निर्देशन में मंदिर का नवीनीकरण करवाकर पहले से बेहतर इंतजाम किए गए हैं।

सुविधाओं विस्तार की मांग

वहीं स्थानीय लोगों ने सुविधाएं बढ़ाने को लेकर सीएस को ज्ञापन सौंपा। पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि भागीरथसिंह के नेतृत्व में दिए मांग पत्र में बताया है कि बालाजी मंदिर रोड़ को उदयपुरा रोड़ से लिंक कर बायपास बनाया जाना चाहिए।

जिससे उदयपुरा रोड़ पर जाने के लिए वाहनों को मुख्य बाजार से नहीं गुजरना पड़े। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उदयपुरा तिराहे के आसपास सुलभ कॉम्पलेक्स बनाया जाए। बालाजी मोड़ से मंदिर तक रोड़ लाईट लगाकर रोशनी की व्यवस्था की जाए, इसके साथ ही रोड़वेज बस स्टैण्ड का विकास करवाकर यात्रियों को सुविधाएं मुहैया करवाई जाएं। लोगों की इन मांगों पर सीएस ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

कमीशन के खेल में सभापति रेखा भाटी भाजपा से निलंबित

ठेकेदार हनुमान सिंह कर लिया था सुसाइड, अधिकारी भी कमीशनखोरी में शामिल

पाली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। नगर परिषद सभापति रेखा भाटी को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किया है। जिसमें उन्होंने हवाला दिया की ठेकेदार हनुमान सिंह राजपुरोहित ने सुसाइड करने से पहले एक पत्र लिखा जिसमें आरोप लगाया कि नगर परिषद में किए गए कार्यों का भुगतान करने के लिए सभापति व अन्य अधिकारियों द्वारा रिश्वत मांगी जा रही है। आरोप की गंभीरता को देखते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से सभापति रेखा भाटी को निलंबित किया जाता है।

इसके साथ ही भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पुनिया ने सभापति को 15 दिन का समय दिया है। इसमें वे इस घटनाक्रम को लेकर अपना पक्ष रख सकती है। कई पार्षदों ने जिलाध्यक्ष से सवाल किया कि पार्षद राकेश भाटी का नाम भी सुसाइड नोट में है। फिर उन्हें भाजपा की सदस्यता से निलंबित क्यों नहीं किया गया। मामले में भाजपा जिलाध्यक्ष मंशाराम परमार ने बताया कि नगर परिषद सभापति पद पर रेखा भाटी है।

बीजेपी प्रभारी बोले- उपचुनाव में सहानुभूति लहर रहती है

कहा- राजस्थान में दो मुख्यमंत्रियों में घमासान, एक शपथ लेकर, दूसरे आलाकमान से घोषित

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के चूरू जिले की सरदार शहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने जा रहा है। लेकिन बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने उपचुनाव में कांग्रेस के कैंडिडेट के लिए सहानुभूति की बात को खुद स्वीकार कर लिया है। सरदारशहर सीट 7 बार के कांग्रेस विधायक भंवरलाल शर्मा के निधन से खाली हुई है। जहां कांग्रेस पार्टी भंवरलाल शर्मा के बेटे अनिल शर्मा को टिकट देने की तैयारी कर रही है। उनका टिकट तय माना जा रहा है। विधायकों के निधन से राजस्थान में खाली हुई सीटों पर पिछले कई उपचुनाव में भी सहानुभूति लहर हावी रही है। अरूण सिंह ने कहा- उपचुनाव की बात अलग होती है। सहानुभूति लहर होती है। लेकिन बीजेपी चुनाव जीतने के लिए चुनाव लड़ती है। लेकिन हमारा मुख्य टारगेट 2023 का विधानसभा चुनाव है। उसी को देखकर पूरी रणनीति बना रहे हैं। 2023 चुनाव में कांग्रेस का पूरा सूपड़ा साफ हो जाएगा।

बीजेपी प्रभारी अरुण सिंह यह फैक्ट ऐसा ही नहीं स्वीकार किया है। पिछले विधानसभा उपचुनाव के ट्रेंड इस बात का सबूत हैं। वल्लभनगर से कांग्रेस के दिवंगत विधायक गजेंद्र सिंह शक्तावत की पत्नी प्रीति शक्तावत, सहाड़ा सीट से कांग्रेस के दिवंगत विधायक कैलाश त्रिवेदी की पत्नी गायत्री देवी, सुजानगढ से कांग्रेस के दिवंगत विधायक मास्टर भंवरलाल मेघवाल के पुत्र मनोज मेघवाल को मतदाताओं ने अपना विधायक चुना। इन सभी सीटों पर सहानुभूति वोट और सिम्पैथी फैक्टर हावी रहा। लेकिन जब बीजेपी ने धरियावद से पार्टी विधायक गौतमलाल मीणा के निधन से हुए उपचुनाव में उनके बेटे कन्हैयालाल मीणा का टिकट काटकर खेत सिंह को चुनाव लड़ाया, तो कांग्रेस के पूर्व विधायक नगराज मीणा के हाथों उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। सहानुभूति वोट लेने से बीजेपी चूक गई। बड़ा रणनीतिक फेलियर रहा। वह वोट कांग्रेस प्रत्याशी के खाते में चला गया। लेकिन जब बीजेपी ने राजसमंद से अपनी दिवंगत विधायक किरण माहेश्वरी की बेटी दीप्ति माहेश्वरी टिकट देकर चुनाव लड़ाया था, तो सिम्पैथी वोटों से उनकी जीत हुई थी।

अरुण सिंह बोले- बीजेपी संगठन और कार्यकर्ताओं आधारित पार्टी है। हम संगठन की ताकत से पूरी मजबूती के साथ राजस्थान की जनता के मुद्दों को उठाएंगे। जनता त्रस्त है। जनता त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही है। युवा और किसान परेशान है। उनके मुद्दों के साथ हम आगे बढ़ेंगे और गहलोत सरकार को उखाड़ फेंकेंगे।

सड़क हादसों में चार की मौत

एक ही सड़क पर एक घंटे में 200 मीटर दूरी पर हुए 2 एक्सीडेंट

बांसवाड़ा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात को जोड़ने वाली छोटा डूंगरा-जालिपुरा रोड (सिंगल पट्टी) पर रविवार तड़के दो हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। करीब एक घंटे के अंतराल में 200 मीटर दूरी के बीच हुए दो सड़क हादसों में चार युवा मौतों के अलावा एक महिला सहित तीन जने घायल भी हुए, जिनका यहां महात्मा गांधी जिला अस्पताल में उपचार जारी है। दुर्घटनाएं तड़के ठिठुरन वाली सर्दी के बीच हुई। पहला हादसा दो बाइक के टकराने से हुआ। यहां एक बाइक पर चार युवक थे, जबकि दूसरी बाइक पर दो युवक सवार थे। वहीं दूसरा हादसा इसी रोड पर हुआ जहां बाइक सवार सड़क किनारे खड़े वाहन में जाकर घुस गए। दर्दनाक घटनाओं में पुलिस ने तत्परता दिखाई और सभी घायलों को एंबुलेंस 108 से अस्पताल पहुंचाया। हादसे में कुछ ने मंजिल तक पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया, जबकि कुछ हॉस्पिटल में पहुंचने के बाद मरे। दुर्घटनाएं कसारवाड़ी थाने से करीब 12 किमी दूर हुई।

थानाधिकारी सीआई कालूराम मीणा ने बताया कि छोटा डूंगरा से जालिमपुरा को जोड़ने वाले सिंगल पट्टी रोड पर पहला हादसा सुबह करीब साढ़े 4 बजे हुआ। इसमें एक बाइक पर पंडवाल ऊंकार गांव निवासी जोहन (20) पुत्र लासू वाल्मीकि, विजय (17) पुत्र दिला एवं दो अन्य साथी सवार थे। ये सभी कुशलगढ़ में किसी शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। तभी युवाओं वाली बाइक की जालिमपुरा से सबलपुरा की ओर जा रही बाइक से खोरा घाटी में भिड़ंत हो गई।

सामने बाइक पर सबलपुरा निवासी नरबेश (22) पुत्र पारसिंग मईड़ा, उसकी पत्नी और पुष्पेंद्र नाम का युवक सवार था। बाइक के बीच जबरदस्त भिड़ंत हुई। इनमें दोनों बाइक पर सवार जोहन, विजय व नरबेश की मौत हो गई। घायल अंकित (14) पुत्र ढकला वाल्मीकि, बुलेट (18) पुत्र इलाश वाल्मीकि सहित कुल तीन यहां अस्पताल में भर्ती हैं।

कुछ देर बाद हुआ दूसरा हादसा

पहली घटना से करीब 200 मीटर दूरी पर दूसरा सड़क हादसा हुआ। इसमें जालिमपुरा निवासी प्रभुलाल (22) पुत्र जोहरेंग गरासिया बाइक पर इसी रोड पर आते हुए सड़क किनारे खड़े चौपहिया वाहन से भिड़ गए। हादसे में प्रभुलाल की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे कैलाश पुत्र कड़वा का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

राम रहीम के आगे नतमस्तक हो रहे नेता, कहा- 'कोर्ट भगवान से ऊपर नहीं, एक दिन न्याय होगा'

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। 40 दिन की पैरोल पर डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम जेल से बाहर आया है। वह यूपी के बागपत जिले से ऑनलाइन सत्संग कर रहा है। जिसमें उसके अनुयायी बड़ी संख्या में जुट रहे हैं। इनमें आम लोगों के साथ-साथ राजनीतिक पार्टियों के नेता भी शामिल हैं। दुष्कर्म के दोषी दोषी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम इन दिनों पैरोल पर जेल से बाहर है। इसके बाद से वह ऑनलाइन सत्संग भी कर रहा है। जिसमें आम लोगों के साथ-साथ कांग्रेस और भाजपा के नेता भी शामिल हो रहे हैं। जिसे लेकर सवाल भी उठ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा में कई नेता राम रहीम का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे गए। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियों के नेता राम रहीम के ऑनलाइन सत्संग में जुड़ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कांग्रेस नेता और पीसीसी सदस्य विनोद गोठवाल, पूर्व पालिका अध्यक्ष राजकुमार फंडा, पूर्व पालिका अध्यक्ष गंगराम खटीक सहित कई पार्षद, सरपंच और पार्टी के कार्यकर्ता सत्संग में शामिल हुए। इसके अलावा भाजपा विधायक धर्मेंद्र मोची व कैलाश मेघवाल समेत पार्टी के अन्य पार्षद और सरपंच भी मौजूद रहे।

सत्संग में राम रहीम से आशीर्वाद लेने पहुंचे नेताओं का कहना है कि वह बुराइयों से दूर रहने और उन्हें अपने से दूर करने की बात कर रहे हैं। उनके प्रवचन सुनने वाले लोगों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार होता है। राम रहीम को मिली सजा को लेकर कांग्रेस नेता विनोद गोठवाल ने कहा कि यह अदालत का मामला है।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज का दीपावली और छठ मिलन सम्पन्न

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज की ओर से सिकंदराबाद के आरके पुरम में आयोजित दीपावली सह छठ मिलन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। समाज के महासचिव निशिकांत पांडेय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दीपावली और छठ मिलन के बहाने आयोजित ब्रह्मर्षि समाज के समागम में नगरद्वय में रहने वाले बड़ी संख्या में यूपी-बिहार के प्रवासी भाई-बंधुओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने एक दूसरे को त्यौहारों की शुभकामनाएं दी, साथ ही समाज की बेहतरी और आपसी-भाईचारे की भावना को प्रगाढ़ करने का संकल्प दोहराया। आपसी परिचय के बाद गीत-संगीत का दौर चला। राम कुमार सिंह ने अपने मुधुर आवाज़ में एक से बढ़ कर एक गीत और भजन गा लोगो को मंत्रमुग्ध कर दिया। महिलाओं की मंडली की छाया रॉय, बिमला रॉय, शशि रॉय, नीलम रॉय ने एकल और सामूहिक गीतों के जरिये समारोह में समां बांध दिया। समाज से जुड़े पूर्व सैनिकों की सुंदरकांड मंडली ने भी मनभावन प्रस्तुति दी।

ब्रहमर्षि सेवा समाज की अध्यक्ष इंदिरा राय के मार्गदर्शन में पूरे कार्यक्रम संपादित हुए। मंच का संचालन विजय कुमार ने किया। मनोरम शर्मा ने स्वरचित कविता पाठ कर लोगों की खूब तलिया बटोरी।

शत्रुघ्न सिंह ने भी अपने भाषण में समाज के संगठित होने के महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह का सारा बंदोबस्त कमलेश राय, रवींद्र कुमार, एमवी सिंह, धर्मेंद्र और केके ठाकुर आदि की टीम ने संभाला। भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक ओंकार नाथ शर्मा ने भी इस समारोह में आकर अपने हर्ष व्यक्त किए। इस मौके पर उपस्थित रहने वालों में समाज के संयुक्त सचिव रघुवीर सिंह, प्रफुल प्रसन्ना, कोषाध्यक्ष भूषण सिंह, वीरेन्द्र रॉय, एसएन रॉय, यूके शर्मा, मनोज चौंधरी, ले. कर्नल आरके मिश्र, धनंजय ओझा, रमेश कुमार, भोलानाथ सिंह, ज्ञान प्रकाश शर्मा , सुनील सिंह, एसबी रॉय, अनिल प्रधान, उपेन्द्र नारायण सिन्हा, एसके शुक्ला, शशि भूषण रॉय, इंद्रदेव रॉय आदि प्रमुख थे।

महिला मंडली ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। उपस्थिति प्रमुख महिलाओं में शीला चौधरी, शालिनी मिश्रा, रानी निशा मिश्रा, सुषमा, विजया पांडेय, मिथिलेश झा, निशा पराशर आदि शामिल रहीं।

कोविड-19 कोवैक्सीन की पांच करोड़ खुराक बर्बाद होने की कगार पर

हैदराबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारत बायोटेक ने कोरोना वैक्सीन के बारे में एक अहम जानकारी दी है। कंपनी ने कहा है कि उसके पास पड़ी हुई कोरोना वैक्सीन की पांच करोड़ खुराक 2023 की शुरुआत में एक्सपायर होने जा रही है। कंपनी ने कहा कि खराब मांग के कारण कोई खरीदार नहीं मिल पा रहा है जिससे चलते भारी नुकसान की आशंका है।

कंपनी ने कहा कि हमने अपने आपूर्ति दायित्व पूरे कर लिए हैं और टीके की मांग में आई कमी को देखते हुए अस्थाई रूप से इसके उत्पादन को फिलहाल बंद करने का फैसला लिया है।

हमारे पास अभी पर्याप्त मात्रा में खुराक मौजूद हैं बल्कि पांच करोड़ से अधिक खुराक एक्सपायर होने की कगार पर हैं। कंपनी ने कहा कि

आने वाले समय में कंपनी लंबित सुविधा रखरखाव, प्रक्रिया और सुविधा अनुकूलन गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेगी। इसने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के रूप में आए स्वास्थ्य आपातकाल के दौरान कंपनी की सभी मौजूदा सुविधाओं को कोवाक्सिन के उत्पादन के लिए उसी के अनुसार बदला गया था। पिछले साल लगातार इसका उत्पादन हुआ था।

संक्रमण दर में तेजी से गिरावट के चलते मांग में आई कमी

राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक कोवाक्सिन सहित कोविड-19 टीकों की 219.71 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। चूंकि वैश्विक स्तर पर संक्रमण दर में तेजी से गिरावट आ रही है, इसलिए कोवाक्सिन के निर्यात पर विदेशी देशों द्वारा खराब उठान का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार अब कोविड-19 को विश्व स्तर पर खतरा नहीं माना जा रहा है। वहीं इससे पहले अप्रैल 2022 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि उसने संयुक्त राष्ट्र की खरीद एजेंसियों के माध्यम से कोवाक्सिन की आपूर्ति के निलंबन की पुष्टि की और सिफारिश की कि वैक्सीन का उपयोग करने वाले देश उचित कार्रवाई करें।

ब्राजील सरकार ने भी आयात पर लगाई थी रोक

वहीं जब 2021 के दौरान कोविड-19 संक्रमण अपने चरम पर था, ब्राजील सरकार ने विवाद के बाद कोवाक्सिन की दो करोड़ खुराक आयात करने के अपने निर्णय को निलंबित कर दिया था।

शाहअलीबांडा हनुमान मंदिर में अन्नकूट कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को परदीवाड़ा, शक्करगंज, शाहअलीबांडा, हैदराबाद के श्री हनुमान मंदिर में अन्नकूट कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर हनुमान प्रतिमा का अभिषेकम, विशेष अलंकार, अर्चना पूजा और महाआरती की गई।

इस अन्नकूट में लगभग 300 भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर मंदिर समिति के प्रतिनिधि ए. सतीश कुमार, राजेश अग्रवाल, एस.पी.क्रांति कुमार, पी.महेश, बी.अजय, ईशांत सूरी, के. साईनाथ, बी.अजय, एल.अरुण, जे.श्रीकांत, मनीष, रोहित, तनिश सूरी, शुभम सूरी, प्रणव, कौशिक आदि ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बिहार समाज सेवा संघ का दिवाली व छठ पूजा मिलन समारोह

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार समाज सेवा संघ ने दिवाली और छठ पूजा के उपरांत मिलन समारोह का आयोजन किया। रविवार को बिहार समाज सेवा संघ ने अपने पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं की बैठक अपने केंद्रीय कार्यालय रानीगंज में की। इस अवसर पर संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने सभी पदाधिकारि व कार्यकर्ताओं का उनके अमूल्य योगदान की सराहना की। बैठक में आयोजन से संबंधित कार्यो की समीक्षा भी की गयी। समाज के कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति ने आयोजन में हुए खर्चो का व्योरा सामने रखा। इस अवसपर बिहार के लोक गीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बैठक के उपरांत एक मैत्री भोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें बिहार के प्रतिष्ठित व्यंजन लिट्टी चोखा मुख्य आकर्षण था। वीरेन्द्र पाठक के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष पप्पू सिन्हा, उपाध्यक्ष प्रताप गौरव सिंह, कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति, महामंत्री मनीष तिवारी, संयुक्त सचिव पप्पू सिंह आदि उपस्थित हुए।

एनएमडीसी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी मुख्यालय में "विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत' विषय पर आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022 (वीएडब्ल्यू-2022) का समापन समारोह और पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों, कर्मचारियों के बच्चों और स्कूल/कॉलेज के छात्रों के लिए नारा लेखन, पोस्टर बनाना, भाषण, निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जैसी कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। कर्मचारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें एसवीपी राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद और सीवीसी, नई दिल्ली के प्रख्यात मुख्य वक्ताओं ने वीएडब्ल्यू-2022 के विषय पर व्याख्यान दिए। सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कर्मचारियों, प्रशिक्षुओं, कर्मचारियों की संतानों एवं छात्रों ने काफी उत्साह के साथ भाग लिया किया।

वीएडब्ल्यू-2022 के समापन दिवस पर सोमनाथ नंदी, निदेशक (तकनीकी) मुख्य अतिथि के रुप में और दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन) समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि रहे । मुख्य अतिथि सोमनाथ नंदी, निदेशक (तकनीकी), एनएमडीसी ने सभी कर्मचारियों और नागरिकों के बीच नैतिक मूल्यों और अखंडता की भावना की संस्कृति बनाए रखने पर बल दिया। उन्होंने वीएडब्ल्यू-2022 के दौरान सभी गतिविधियों के सफल संचालन के लिए सीवीओ, एनएमडीसी और सतर्कता टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने वीएडब्ल्यू-2022 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को भी बधाई दी। डी.के.मोहंती, निदेशक (उत्पादन) ने अपने भाषण में दैनिक आधार पर जीवन के हर क्षेत्र में सतर्क रहने की आदत बनाने पर जोर दिया। इस समारोह में मुख्यालय एवं अनु एवं विकास के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के साथ-साथ स्कूलों / कॉलेजों के छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया जहां प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। निदेशक (तकनीकी), निदेशक (उत्पादन) और अधिशासी निदेशक /मुख्य महा प्रबंधक एनएमडीसी के द्वारा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। मुकेश पांडेय विभागाध्यक्ष, सतर्कता विभाग ने अपनी सतर्कता टीम के साथ मिलकर समापन समारोह का आयोजन किया। एम. जावेद, उप महाप्रबंधक (सतर्कता) ने समापन समारोह का संचालन किया और आरवी पुरोहित, सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन किया।

माधापुर हाईटेक सीटी में आयोजित गेमिंग फेस्टिवल में भाग लेते हुए चेस खिलाड़ी।

जियागुड़ा स्थित विट्ठल रुकमाई मंदिर में तेलंगाना भावसार समाज द्वारा आयोजित विट्ठल रुक्माई के विवाह में उपस्थित प्रमुख समाजसेवी गोपाल बल्दवा, पंडित गणेश जोशी, पंडित मुरारी व भावसार क्षत्रिय समाज के सभी गणमान्य उपस्थित थे।

चंद्रशेखर स्पोर्ट्स कांप्लेस, हिंदीनगर में फेंसिंग कोचिंग सेंटर के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल। उपस्थित हैं रामकृष्ण, संदीप कुमार, राम सिंह, नवीन, सागर व अन्य।

दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में सामूहिक सत्यनारायण पूजा संपन्न

मदनूर, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व शाखा के असिस्टेंट कमिश्नर सोमया के आदेशानुसार मदनूर मंडल सलब्तपुर दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष कार्तिक मास के उपलक्ष्य में दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर मैदान में समूहिक 303 जोडियों द्वारा सत्यनारायण पूजा आयोजित किया गया। इस समय तेलंगाना के साथ-साथ महाराष्ट्र, कर्नाटक से भक्त बड़ी संख्या में भाग लिया। इस समय मंदिर सचिव श्रीधर, वेणु कुलकर्णी, कल्पना, स्थानीय सरपंच गफार, कृषि बाजार समिति अध्यक्ष साईगौड, दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर पूर्व अध्यक्ष नरसिंहलू गौड़ के साथ बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

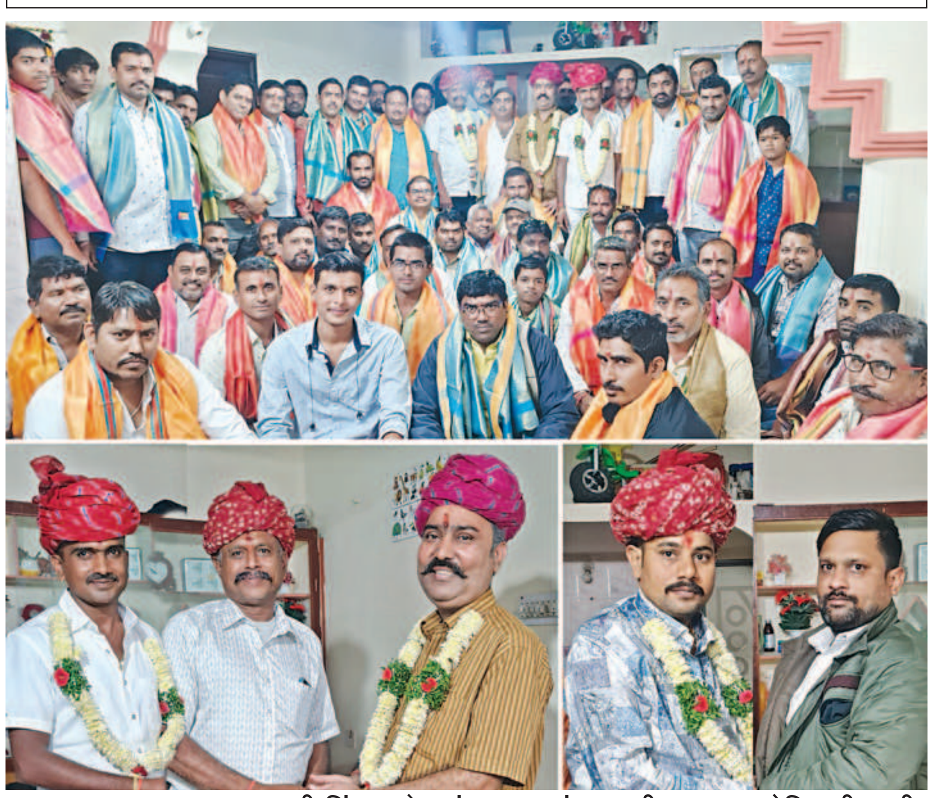

कुमावत समाज उप्पल काचवानी सिंगारम के सरंक्षक अमरचंद अड़ाणीया द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी व समाज बंधु।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

मुनुगोडु में कड़ी टक्कर ....

हरियाणा के हिसार जिले में आदमपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में बीजेपी कैंडिडेट भव्य बिश्नोई जीत गए हैं। उन्हें 16,606 वोटों से जीत मिली है। भव्य पूर्व सीएम भजनलाल परिवार की तीसरी पीढ़ी से हैं, जो चुनाव लड़े। जीत का पता लगते ही भव्य के समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए पटाखे फोड़कर जश्न मनाना शुरू कर दिया है। पिछली बार उनके पिता कुलदीप बिश्नोई यहां से जीते थे। हालांकि कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद यह उपचुनाव करवाने पड़े।

बिहार में उपचुनाव में महागठबंधन और बीजेपी की लड़ाई बराबर पर रही। मोकामा में राजद के कैंडिडेट और गोपालगंज में भाजपा की कैंडिडेट की जीत हुई है। मोकामा में बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी ने बीजेपी की सोनम देवी को 16,707 वोटों से हराया है। यहां आरजेडी को 79,646 और बीजेपी को 62,939 वोट मिले। पिछली बार की जीत की मार्जिन कम हुई है।

गोपालगंज में बीजेपी की कुसुम देवी ने आरजेडी के मोहन गुप्ता को आखिरी राउंड में 2183 वोट से हरा दिया। आखिरी राउंड तक यहां पर कांटे की टक्कर रही। गोपालगंज में बीजेपी की कुसुम देवी शुरू से ही बढ़त बना ली थीं। 20वें राउंड में आरजेडी के मोहन गुप्ता आगे निकल गए। उन्होंने 1135 वोट की बढ़त ले ली, लेकिन 22वें राउंड में फिर बीजेपी आगे निकल गई। आखिरी 24वें राउंड तक बीजेपी ने बरकरार रखी और जीत दर्ज की।

योग्य व्यक्ति जज बने, न कि वो ...

मैं न्यायपालिका या जजों का आलोचक नहीं मगर सुप्रीम कोर्ट के कलीजियम सिस्टम से मैं नाखुश हूं। कोई भी सिस्टम परफेक्ट नहीं होता और हमें इसे बेहतर बनाने की कोशिश करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिस्टम को जवाबदेह और पारदर्शी होना चाहिए। अगर यह अपारदर्शी रहा तो इसके खिलाफ कानून मंत्री के अलावा और कौन आवाज उठाएगा। उन्होंने साथ ही जोड़ा कि मेरी कही हुई बातें वकील समुदाय और कुछ जजों की राय को भी जाहिर करती हैं। रिजिजू ने कहा कि जब जजों की नियुक्ति के लिए नैशनल जुडिशियल अपॉइंटमेंट्स कमिशन ऐक्ट बना तो सुप्रीम कोर्ट ने उसे नामंजूर कर दिया।

श्री राम व्यायामशाला के विनायक राज सिंह ने स्वीजरलैंड में आयोजित सुमो रेजलिंग के लिए स्वर्ण पद प्राप्त किया। इस पर खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी।

मुनुगोडु में टीआरएस. की जीत पर खुशी नमाते हुए पार्टी के युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित, किशोर, विजयसिंह राजपुरोहित, सत्यनारायण यादव, श्रीनिवास यादव, आनन्द व अन्य।

गौलीपुरा ललिताबाग पटेल नगर स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित अंकित पूजा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेते हुए एम. आनंद कुमार गौड़, महिला नेता रेणुका देवी, वेणुगोपाल, योगेश, गोपाल दास, प्रभाकर चारी, गजानंद चौधरी, बजरंग गोप, राजू व अन्य।

भारत सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा

जिम्बाब्वे को 71 रन से हराया, अश्विन के 3 विकेट; सूर्या और राहुल के अर्धशतक

मेलबर्न, 6 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। रविवार को आखिरी लीग मैच में भारत ने जिम्बाब्वे को 71 रन से हरा दिया। अब सेमीफाइनल में भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 10 नवंबर को एडिलेड में खेलेगी।

कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया था। 20 ओवर में 5 विकेट खोकर भारत ने 186 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव ने 25 बॉल में 61 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 244 रहा। इस दौरान 6 चौके और 4 छक्के लगाए। केएल राहुल ने भी 35 बॉल में 51 रन बनाए। जिम्बाब्वे के लिए सबसे ज्यादा 2 विकेट शॉन विलियम्स ने लिए।

जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 17.2 ओवर में 115 रन पर ऑलआउट हो गई। अश्विन ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और मोहम्मद शमी को 2-2 विकेट्स मिले। भारत ने ग्रुप-2 में अपने 5 में से 4 मुकाबले जीते और 8 अंक के साथ नंबर-1 पर रही। इस ग्रुप से क्वालिफाई करने वाली दूसरे टीम पाकिस्तान रही। उसके 5 मैच में 6 अंक हैं। ग्रुप 1 में न्यूजीलैंड पहले और इंग्लैंड ने दूसरे स्थान पर रही।

केएल राहुल की लगातार दूसरी फिफ्टी

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। कप्तान रोहित शर्मा 13 गेंद पर 15 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद दूसरे ओपनर केएल राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्होंने 35 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्के की मदद से 51 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 145.71 का रहा। यह राहुल की इस वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी फिफ्टी है।

राहुल-विराट की पार्टनरशिप

विराट कोहली इस मैच में सिर्फ 26 रन बना सके। उनका स्ट्राइक रेट 104 का ही रहा। लेकिन, उन्होंने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 60 रन की पार्टनरशिप कर भारतीय पारी को बिखरने से रोक लिया। विराट इस वर्ल्ड कप में 5 मैचों में सिर्फ दूसरी बार आउट हुए हैं। इससे पहले वे साउथ अफ्रीका के खिलाफ आउट हुए थे। पाकिस्तान, नीदरलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ विराट नॉटआउट रहे थे।

सूर्या की 360 डिग्री बल्लेबाजी

13.3 ओवर तक भारत का स्कोर 101/4 था। यहां अगर और विकेट जल्दी गिर जाते तो टीम इंडिया के लिए 150 तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाता। लेकिन, इस वर्ल्ड कप के सबसे तूफानी बल्लेबाज साबित हुए सूर्य कुमार यादव के इरादे कुछ और ही थे। उन्होंने विकेट के चारों ओर करारे प्रहार कर जिम्बाब्वे के आक्रमण को तहस-नहस कर दिया। भारत ने आखिरी 39 गेंद पर 85 रन बना दिए। सूर्या ने 244 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और सिर्फ 25 गेंदों पर 61 रन बनाए। इसमें 6 चौके और 4 छक्के शामिल रहे।

भुवी-अर्शदीप का शानदार ओपनिंग स्पेल

186 रन खाने के बाद जिम्बाब्वे से फाइट बैक की उम्मीद कम ही थी। फिर भुवनेश्वर कुमार और अर्शदीप सिंह ने बेहतरीन ओपनिंग स्पैल के जरिए जिम्बाब्वे की पारी को बिखेर कर रख दिया। भुवी ने पहला ओवर मेडन डाला। इस वर्ल्ड कप में उनका यह दूसरा मेडन है। इसमें उन्होंने एक विकेट भी लिया। फिर अर्शदीप ने भी अपने पहले ओवर में विकेट लिया। इन दोनों पहले 5 ओवर में सिर्फ 21 रन खर्च किए और दो विकेट हासिल कर लिए।

शमी का फायर पावर, अश्विन की फिरकी, पंड्या का कमाल

भुवी और अर्शदीप के बेहतरीन ओपनिंग स्पेल के बाद मोहम्मद शमी ने कमाल संभाली। उन्होंने जिम्बाब्वे की पारी का तीसरा और चौथा विकेट निकाला। पांचवां विकेट हार्दिक पंड्या ने लिया। 36 रन तक जिम्बाब्वे की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। रही सही कसर रविचंद्रन अश्विन ने पूरी कर दी। उन्होंने तीन विकेट लिए।

पलट गई पाकिस्तान की किस्मत

बांग्लादेश को हराकर नॉकआउट में पहुंची बाबर की टीम, साउथ अफ्रीका की हार से मिला फायदा

एडिलेड, 6 नवंबर (एजेंसियां)। 2009 की चैंपियन पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप 2022 कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। रविवार को उसने करो या मरो वाले लो-स्कोरिंग मैच में बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया।

एक समय पाकिस्तान टीम टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर थी। लेकिन, रविवार को जब नीदरलैंड ने साउथ अफ्रीका को हरा दिया तो पाकिस्तान की किस्मत पलट गई। नीदरलैंड की जीत ने बाबर की टीम को एक और मौका दिया। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराते हुए इसे बखूबी भुना भी लिया।

पाकिस्तान का सामना न्यूजीलैंड से होगा या इंग्लैंड से इसका फैसला मेलबर्न में खेले जा रहे भारत-जिम्बाब्वे मुकाबले के बाद ही हो सकेगा। भारत ने पहले ही टॉप-4 में जगह बना ली है। पहले इस रेस में साउथ अफ्रीका थी, लेकिन अब पाकिस्तान है। तय सिर्फ इतना होना है कि सेमीफाइनल में कौन-किससे भिड़ेगा। बहरहाल, एडिलेड में बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए 127 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने 18.1 ओवर में 5 विकेट खोकर यह टारगेट हासिल कर लिया।

2 गेम चेंजर

1. शाहीन शाह अफरीदी

शाहीन शाह अफरीदी ने कमाल गेंदबाजी की। शाहीन ने 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट चटकाए। उन्होंने लिटन दास (10), मोसादेक हुसैन (5), नुरुल हसन (0) और तस्कीन अहमद (1) को सस्ते में पवेलियन का रास्ता दिखाया।

2. मोहम्मद हारिस

मोहम्मद हारिस ने टीम की धीमी शुरुआत के बाद तेजी से रन बनाए। हारिस ने 18 गेंदों में 31 रन की पारी खेली। उन्होंने मो. नवाज के साथ 20 गेंद में 31 और शान मसूद के साथ 14 गेंदों पर 29 रनों की साझेदारी की।

मेलबर्न में भारत-जिम्बाब्वे के बीच सुपर-12 का आखिरी मुकाबला चल रहा है। हालांकि, यह एक औपचारिक मुकाबला है। क्योंकि, टीम इंडिया पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। उसके बाद भी भारत इस मुकाबले को जीत कर टेबल टॉपर रहना चाहेगा। अभी भारत के 4 मैचों के बाद 6 अंक हैं।

ऐसे आउट हुए पाकिस्तान के बल्लेबाज

बाबर आजम (25) नसुम अहमद की गेंद पर स्वीप करना चाहते थे। टॉप एज लगा और शार्ट थर्ड मैन पर खड़े मुस्तफिजुर ने कैच कर लिया।

मोहम्मद रिजवान (32) इबादत होसैन की गेंद पर शांतो को कैच दे बैठे। मोहम्मद नवाज रन आउट हुए। लिटन दास का डायरेक्ट थ्रो विकेट पर लगा।

ऐसे गिरे बांग्लादेश के विकेट

शाहीन शाह अफरीदी की ऑफ स्टंप से बाहर जाती बॉल पर लिटन दास कट करने गए। पॉइंट पर खड़े शान मसूद ने कैच कर लिया। दास ने 8 बॉल पर 10 रन बनाए।

सौम्य सरकार शादाब खान की बॉल पर रिवर्स स्वीप खेलने गए और पॉइंट पर शान मसूद को कैच दे बैठे।

शादाब ने कप्तान शाकिब अल हसन को फुल लेंथ बॉल पर एलबीडब्ल्यू कर दिया।

ओपनर नजमुल शांतो को इफ्तिखार अहमद ने बोल्ड कर दिया। मोसादेक हुसैन को शाहीन ने यॉर्कर पर बोल्ड कर दिया।

नूरुल हसन को अफरीदी ने डीप पॉइंट पर मोहम्मद हारिस के हाथों कैच कराया।

तस्कीन अहमद को शाहीन ने बाबर आजम के हाथ कैच कराया। नसूम अहमद को हारिस रऊफ ने मोहम्मद वसीम के हाथ कैच कराया।

हाईलो ओपन 2022: श्रीकांत ने स्टार खिलाड़ी को चौंकाया

फाइनल में पक्की की जगह

खेल डेस्क, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने हाईलो ओपन के फाइनल में पहुंच गए हैं. सिंगल्स वर्ग में कोई और भारतीय सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने दुनिया में 7वें नंबर के खिलाड़ी जॉनाथन क्रिस्टी को सीधे गेम में हराकर हाइलो ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया. श्रीकांत का अगला मुकाबला विश्व में छठे नंबर के खिलाड़ी एंथनी सिनिसुका गिनटिंग से होगा.

दुनिया में 11वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी ने अपना आखिरी खिताब 2017 में जीता था, लेकिन इस बार उन्होंने इंडोनेशियाई खिलाड़ी को 39 मिनट में 21-13 21-19 से हराकर चैंपियन बनने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए. इस जीत से श्रीकांत का क्रिस्टी के खिलाफ रिकॉर्ड 6-5 हो गया है.

कॉमनवेल्थ गेम्स की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने शुक्रवार को महिला डबल्स के मैच में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करके हाईलो ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई. त्रीसा और गायत्री की विश्व में 28 से नंबर की जोड़ी ने चीनी ताइपे की सू या चिंग और लिन वान चिंग को 21-17 18-21 21-8 से हराया.

पुरुष डबल्स में भारत की स्टार जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी बेन लेन और सीन वेंडी से सीधे गेम में 17-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा.

महिला सिंग्लस में मालविका बंसोड़ भी इंडोनेशिया की विश्व में 21वें नंबर की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग से 17-21, 10-21 से हार गईं. भारत के स्टार खिलाड़ी सेन पहले ही राउंड में बाहर हो गए थे.

नीदरलैंड ने किया बड़ा उलटफेर

द. अफ्रीका को वर्ल्ड कप से बाहर किया, ग्लोवर ने पलटा मैच

एडिलेड, 6 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप में रविवार को खेले गए पहले मैच में नीदरलैंड ने साउथ अफ्रीका को 13 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया। नीदरलैंड की जीत से ग्रुप-2 के समीकरण बदल गए। भारत सीधे सेमीफाइनल में पहुंच गया है। जबकि दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई है। एडिलेड में नीदरलैंड ने पहले 158 रन का स्कोर खड़ा किया। उसके बाद अफ्रीकी बल्लेबाजों को 145 रन पर रोक दिया।

देखें ग्रुप-2 के 2 समीकरण

1. पॉइंट टेबल पर नजर डालें तो टीम इंडिया टॉप पर है। टीम सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकी है। 4 मैचों में से 3 जीतने के बाद टीम के खाते में 6 अंक हैं। आज भारत का मुकाबला जिम्बाब्वे से है।

2. नीदरलैंड से हारने के बाद साउथ अफ्रीका के खाते में 5 अंक हैं। टीम टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है।

साउथ अफ्रीका की हार के 3 कारण...

1. पेसर्स का फ्लॉप शो

साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज फ्लॉप रहे। एनरिच नोर्त्या को छोड़ दें तो कोई दूसरा तेज गेंदबाज विकेट नहीं ले सका। जबकि टीम में कगिसो रबाडा, वेन परनेल और लुंगी एंगिडी जैसे गेंदबाज हैं। हालांकि, स्पिनर्स ने 3 विकेट चटकाए। तब तक नीदरलैंड के बल्लेबाज अपना काम कर चुके थे।

2. नीदरलैंड की बल्लेबाजी

नीदरलैंड ने अच्छी शुरुआत की। उसके ओपनर्स ने 58 रन जोड़े। उसके बाद दूसरे विकेट के लिए भी 39 रन की साझेदारी हुई। आखिर में 5वें विकेट के लिए एकरमैन और एडवर्ड्स ने 35 रन जोड़े। ओपनर स्टीफन मायबर्ग ने 37 रन बनाते हुए बड़ी शुरुआत दिलाई। एकरमैन ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए।

3.साउथ अफ्रीका ने लगातार विकेट गंवाए

159 के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने लगातार विकेट गंवाए। टीम की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी 26 रनों की हुई।

जीत के 3 हीरो

1. ब्रैंडन ग्लोवर -शानदार गेंदबाजी की। 2 ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट चटकाए। पहले टूर्नामेंट के शतकवीर राइली रूसो (25) और डेविड मिलर (17) को आउट कर साउथ अफ्रीका की कमर तोड़ दी। फिर अहम मौके पर वेन परनेल को शून्य पर चलता कर दिया।

2 कॉलिन एकरमैन - नंबर-4 पर खेलने आए। मजबूत शुरुआत के बाद टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। 41 रनों की अहम पारी खेली।

3 स्टीफन मायबर्ग - ओपन करने आए और मैक्स ओ'डॉड के साथ मिलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 58 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप हुई।

यहां देखिए कैसे गिरे साउथ अफ्रीका के विकेट

क्विंटन डिकॉक (13) को क्लासेन ने विकेटकीपर स्कॉट एडवर्ड्स के हाथ कैच कराया। बॉल हल्के एज के साथ एडवर्ड्स के पास पहुंची।

फास्ट मीडियम वैन मीकेरेन ने टेंबा बावुमा (20) को बोल्ड कर दिया। ब्रैंडन ग्लोवर की लेग कटर बॉल पर राइली रूसो डीप स्क्वैयर में ओ'डॉड के हाथ कैच हुए। क्लासेन की गेंद को एडेन मार्करम (17) शार्ट कवर में खड़े मायबर्ग के हाथ में मार बैठे। मिलर के बल्ले से टॉप एज लगा और मेर्वे ने शार्ट फाइन लेग पर कैच किया। ग्लोवर की बॉल परनेल के बल्ले का एज लेकर विकेटकीपर एडवर्ड्स के ग्लव्स में पहुंच गई। डी लीड की बॉल को हेनरिक क्लासेन डीप मिड विकेट में फ्रेड क्लासेन के हाथ मार बैठे।

ऐसे गिरे नीदरलैंड के विकेट

स्टीफन मायबर्ग (37) एडेन मार्करम की गेंद को डीप मिडविकेट की दिशा में खेला। लेकिन, बाउंड्री पार नहीं करा सके और राइली रूसो के हाथ कैच दे बैठे। केशव महाराज की गेंद को ओ'डॉड हिट करना चाहते थे। लेकिन, लॉन्ग ऑन में रबाडा ने कैच किया। टॉम कूपर विकेटकीपर के हाथ कैच हुए। डिकॉक की बॉल टॉप एज लेकर खड़ी हो गई। बास डी लीड को एनरिच नोर्त्या क्लीन बोल्ड कर दिया।

हरमनप्रीत सिंह का धमाल

भारत की न्यूजीलैंड पर बड़ी जीत

खेल डेस्क, 6 नवंबर (एजेंसियां)। घरेलू टीम ने 28 अक्टूबर को हुए पहले चरण के मुकाबले में इसी प्रतिद्वंद्वी को 4-3 से पराजित किया था. भारत ने 1-3 से पिछड़ने के बाद आक्रामक हॉकी खेलकर शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए यहां एफआईएच पुरूष प्रो लीग के रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड पर 7-4 से जीत दर्ज की. भारत दूसरे चरण के मैच में स्पेन से भिड़ेगा. भारत को 30 अक्टूबर को यूरोपीय टीम से 2-3 से हार मिली थी.

घरेलू टीम ने 28 अक्टूबर को हुए पहले चरण के मुकाबले में इसी प्रतिद्वंद्वी को 4-3 से पराजित किया था. टीम पहले 15 मिनट में जूझती नजर आयी जिसमें उसने तीन गोल गंवा दिये थे लेकिन अगले तीन क्वार्टर में दो दो गोल कर टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया.

न्यूजीलैंड ने पहले क्वार्टर में दबदबा बनाया लेकिन भारत के बार बार हमलों के आगे दबाव में आ गयी और फिर अगले तीन क्वार्टर में केवल एक गोल ही कर सकी. कप्तान हरमनप्रीत सिंह (सातवें और 19वें मिनट, दोनों पेनल्टी कॉर्नर), कार्ति सेलवम (17वें और 38वें मिनट), राज कुमार पाल (31वें मिनट), सुखजीत सिंह (50वें मिनट) और जुगराज सिंह (53वें मिनट) ने भारत के लिये गोल दागे. न्यूजीलैंड की ओर से साइमन चाइल्ड (दूसरे), सैम लेन (नौंवे), स्मिथ जेक (14वें) और निक वुड्स (54वें) ने गोल किये. भारत को मैच के दौरान 11 पेनल्टी कॉर्नर मिले जिसमें से तीन गोल में तब्दील हुए. भारतीयों ने आक्रामक हॉकी खेलते हुए 29 बार सर्कल में सेंध लगायी जबकि इसकी तुलना में न्यूजीलैंड की 13 बार ही ऐसा कर पायी. भारत का गेंद पर दबदबा 56 प्रतिशत रहा और विपक्षी टीम के गोल में 12 शॉट लगाये जबकि दौरा करने वाली टीम ऐसा छह बार ही कर सकी.

श्रीलंकाई बल्लेबाज दनुष्का पर रेप का आरोप

इंग्लैंड-श्रीलंका मैच के बाद होटल से सिडनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

29 साल की महिला ने लगाए रेप के आरोप

सिडनी, 6 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप के बीच श्रीलंकाई बल्लेबाज दनुष्का गुणाथिलका को रेप केस के आरोप में शनिवार को सिडनी से गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीलंकाई टीम शनिवार को इंग्लैंड से हार कर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल से बाहर हो गई थी। दनुष्का की गिरफ्तारी इंग्लैंड-श्रीलंका मैच के बाद हुई।

दनुष्का फिलहाल श्रीलंकाई टीम के 15 खिलाड़ियों के स्क्वाड में शामिल नहीं है। वह क्वालिफाइंग राउंड में इंजरी की वजह से टीम से बाहर हो गए थे। हालांकि वह टीम के साथ ही ट्रैवल कर रहे थे। द ऑस्ट्रेलियन की रिपोर्ट के अनुसार उन पर रेप के चार आरोप लगाए गए हैं। 29 साल की महिला ने उन पर बिना सहमति के सेक्स करने के आरोप लगाए हैं। महिला की मुलाकात गुणाथिलका से डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी।

कब की है घटना

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेप की घटना इस हफ्ते के शुरुआत में सिडनी के एक आवास पर हुई थी। दनुष्का को रात को होटल से गिरफ्तार किया गया और उन्हें आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पहले भी रहा है विवाद

दनुष्का पहले भी इस तरह के विवाद में फंस चुके हैं। साल 2018 में दनुष्का और उनके दोस्त पर नॉर्वे की दो महिलाओं को होटल में लाने का आरोप लगा था। उस होटल में श्रीलंका टीम भी रुकी हुई थी।

उनमें से एक महिला ने उनके दोस्त पर रेप का आरोप लगाया था। बाद में उनके दोस्त को पुलीस ने गिरफ्तार किया था, जबकि दनुष्का को टीम से निलंबित भी कर दिया गया था। हालांकि दनुष्का पर महिला ने तब कोई आरोप नहीं लगाया था।

श्रीलंका टीम दनुष्का के बिना वापस लौटी

श्रीलंका टीम टी-20 वर्ल्ड कप में क्वॉलिफाइंग राउंड के तहत सुपर-12 में पहुंची थी। सुपर-12 में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, अफगानिस्तान और आयरलैंड के साथ श्रीलंका ग्रुप वन में शामिल था। ग्रुप स्टेज के 5 मैचों में टीम ने 2 जीते, वहीं 3 में उसे हार का सामना करना पड़ा था।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी को मिला नया चैंपियन

मुंबई पहली बार चैंपियन, फाइनल में हिमाचल प्रदेश को 3 विकेट से हराया

कोलकाता, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी को नया चैंपियन मिल गया है। मुंबई पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी अपने नाम किया है। फाइनल में मुंबई ने हिमाचल प्रदेश को 3 विकेट से हराया। दोनों ही टीमें पहली बार फाइनल में पहुंची थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए हिमाचल प्रदेश ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 143 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई ने 7 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य को हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी हिमाचल की खराब शुरुआत रही। उनके 2 विकेट 20 रन के अंदर ही पवेलियन चले गए। हिमाचल का पहला विकेट 10 रन के स्कोर पर गिरा। ओपनर अंकुश बिन्स 3 गेंदों का सामना कर 4 रन बनाकर अवस्थी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। वहीं उसके बाद बल्लेबाजी करने आए सुमित वर्मा भी 7 गेंदों पर 8 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं पावर प्ले में हिमाचल प्रदेश ने 2 विकेट के नुकसान पर 38 रन ही बनाए। हिमाचल की ओर से सबसे ज्यादा इकांत सेन ने 37 रन बनाए। उन्होंने 29 गेंदों का सामना कर 37 रन बनाए। वहींआकाश वशिष्ठ हिमाचल के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 22 गेंदों का सामना कर 25 रन बनाए।, मुंबई की ओर से मोहित अवस्थी ने 4 ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं तनुश कोटिन ने 4 ओवर में 15 रन देकर 3 विकेट लिए।

1983 वर्ल्ड कप की यादें ताजा

नीदरलैंड के मर्व ने कपिल जैसा कैच लिया, इसकी वजह से साउथ अफ्रीका सेमी की रेस से बाहर

खेल डेस्क, 6 नवंबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीकी टीम का सफर रविवार को खत्म हो गया। नीदरलैंड ने ग्रुप-2 के एक मैच में अफ्रीका को 13 रन से हराकर उन्हें सेमीफाइनल की रेस से बाहर कर दिया। खास बात यह है कि अफ्रीका को बाहर करने में सबसे बड़ा हाथ उनके ही देश में जन्में, लेकिन नीदरलैंड से खेलने वाले 37 साल के ऑलराउंडर रोल्फ वान डेर मर्व का रहा।

मर्व ने बेहद अहम मौके पर डेविड मिलर का करिश्माई कैच पकड़ा था। इस कैच ने 1983 के वनडे वर्ल्ड कप के भारत बनाम वेस्ट इंडीज फाइनल की यादें ताजा कर दीं। तब कप्तान कपिल देव ने सर विवियन रिचर्ड्स का करिश्माई कैच लेकर वेस्ट इंडीज की बादशाहत खत्म कर दी थी। कपिल की उस कैच के चलते टीम इंडिया ने क्लाइव लॉयड की कप्तानी वाली वेस्ट इंडीज को फाइनल में हराया था।

मिलर के कैच से पलट गया मैच

रोल्फ ने डेविड मिलर का कैच तब पकड़ा, जब उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी। अफ्रीकी टीम 4 विकेट पर 90 रन के स्कोर पर थी। टीम को जीत दिलाने की जिम्मेदारी मिलर पर थी। मिलर ने भारत के खिलाफ ग्रुप मैच इसी तरह की सिचुएशन में आकर मैच जितवाया था।

नीदरलैंड के खिलाफ मिलर जब आउट हुए उस समय टीम को जीत के लिए 5 ओवर में 48 रन चाहिए थे। ऐसे में मिलर अगर क्रीज पर रहते तो अफ्रीकी टीम 159 रन के टारगेट को हासिल कर सकती थी। उसी समय में रोल्फ ने मिलर का कैच पकड़ कर बाजी पलट दी।

अफ्रीकी पारी के 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर मिलर ने बड़े शॉट की कोशिश की। गेंद उनके बल्ले का ऊपरी किनारा लेते हुए हवा में चली गई। बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर फील्डिंग कर रहे रोल्फ वान डेर मर्व ने पीछे की ओर भागते हुए कैच लपक लिया। मिलर के आउट होते ही दक्षिण अफ्रीका की पारी पटरी से उतर गई। आखिर में नीदरलैंड ने मैच 13 रन से अपने नाम किया।

कपिल देव के कैच की दिलाई याद

रोल्फ ने जिस तरह से कैच पकड़ा, वैसा ही कैच भारत के कप्तान कपिल देव ने 1983 में पकड़ा था। विवियन रिचर्ड्स के इस कैच के बाद भारत ने पहली बार वनडे वर्ल्ड कप जीता था। दरअसल, वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं थी। पहला विकेट गॉर्डन ग्रीनिज के रूप में महज 5 रन पर गिर गया था। तीन नंबर पर आए दिग्गज विवियन रिचर्ड्स और डेसमंड हेंस ने 45 रन की साझेदारी की। इसके बाद हेंस आउट हो गए

उसके बाद कप्तान क्लाइव लॉयड बल्लेबाजी करने आए। विवियन रिचर्ड्स 7 चौके लगाकर 33 रन पर खेल रहे थे और उनका साथ दे रहे थे लॉयड। उस वक्त यही लग रहा था कि वेस्टइंडीज की टीम आसानी से लक्ष्य हासिल कर लेगी, क्योंकि रन रेट साढ़े तीन रन प्रति ओवर से भी कम था।

मुनुगोडु उपचुनाव में टीआरएस के प्रभाकर रेड्डी जीते

बीजेपी उम्मीदवार को 10,309 से अधिक मतों से हराया * जीत के बाद टीआरएस कैडर उत्साह से गुलजार

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति ने नालगोंडा जिले में मुनुगोडु उपचुनाव में जीत हासिल की है। टीआरएस उम्मीदवार के प्रभाकर रेड्डी ने 10,309 से अधिक मतों के बहुमत से सीट जीती। टीआरएस उम्मीदवार को भाजपा उम्मीदवार के राजगोपाल रेड्डी से कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा और अंत में जीत हासिल की। अधिकारियों के मुताबिक, प्रभाकर रेड्डी को 97,006 वोट मिले और बीजेपी उम्मीदवार राजगोपाल रेड्डी को 86,697 वोट मिले जबकि कांग्रेस उम्मीदवार पलवई श्रावंती को 23,906 वोट मिले। अन्य उम्मीदवारों को 15,875 मत मिले है। 3 नवंबर को हुए उपचुनाव में 93 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था। बीते अगस्त माह में कांग्रेस के मौजूदा विधायक कोमटीरेड्डी राज गोपाल रेड्डी के पार्टी से इस्तीफे के कारण उपचुनाव आवश्यक हो गया था। वह भाजपा में शामिल हो गए। कुल 2,41,805 मतदाताओं में से 2,25,192 मतदाताओं ने मतदान किया। हालांकि कुल 47 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन मुख्य मुकाबला तीन प्रमुख खिलाड़ियों टीआरएस, भाजपा और कांग्रेस के बीच था।

मुनुगोडु के लोगों का ऋणी हूं : प्रभाकर

हैदराबाद, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुनुगोडु उपचुनाव को टीआरएस उम्मीदवार कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी ने जीत लिया। जीत के बाद कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी ने मीडिया से बात की। उन्होंने मुनुगोड़े के निवासियों के समर्थन और विश्वास के लिए उनका आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री केसीआर और मंत्री केटीआर के समर्थन को बड़ी ताकत बताते हुए श्री कुसुकुंतला ने घोषणा की कि वह हमेशा मुनुगोड़े के लोगों का आभारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि सभी मोर्चों पर निर्वाचन क्षेत्र को बढ़ावा देने का काम करेंगे। उन्होंने दावा किया कि यह लोकतंत्र की जीत है।

टीआरएस की जीत के बाद मंत्री, विधायकों ने किया सामूहिक नृत्य

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने मुनुगोड़े विधानसभा सीट को कांग्रेस से दूर ले जाकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को सीधे मुकाबले में हरा दिया। मुनुगोड़े उपचुनाव चुनाव में कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी की जीत के बाद टीआरएस कैडर उत्साह से गुलजार है। इस आयोजन को मनाने के लिए, तेलंगाना के मंत्री मल्ला रेड्डी, विधायक विवेकानंद रेड्डी और मैनमपल्ली हनुमंत राव ने ढोल की थाप के बीच एक सामूहिक नृत्य किया। वीडियो वायरल हो गया है पूर्व विधायक और भाजपा उम्मीदवार कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी दूसरे नंबर पर रहे। तीसरे स्थान पर कांग्रेस के उम्मीदवार पलवई श्रावंती रही।

चुनाव आयुक्त का व्यवहार संदिग्ध : बंडी संजय

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख बंडी संजय ने आरोप लगाया कि जिस दौर में भाजपा आगे चल रही है, उसके नतीजे घोषित करने में अत्यधिक देरी हो रही थी। उन्होंने सीईओ से देरी के कारणों का खुलासा करने की मांग की। बंडी संजय ने आगे संदेह व्यक्त किया कि सीईओ का रवैया संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि अगर कोई विसंगति है तो वह सीईओ के खिलाफ भारत के चुनाव आयोग के पास शिकायत दर्ज करने में संकोच नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी टीआरएस लीड राउंड के नतीजे तुरंत घोषित कर रहे हैं लेकिन बीजेपी लीड राउंड के नतीजे घोषित करने में देरी कर रहे हैं।

मुनुगोडु के लोगों ने विकास व स्वाभिमान के लिए किया वोट : केटीआर

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडु उपचुनाव में पार्टी की जीत की सराहना करते हुए टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने कहा कि लोगों ने उपचुनाव में विकास और स्वाभिमान के लिए मतदान किया था। उपचुनाव में टीआरएस उम्मीदवार कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी की जीत के बाद रविवार को यहां तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए, पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष ने सत्ताधारी पार्टी को अपना समर्थन देने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि जीत तेलंगाना में पूरी चुनावी प्रक्रिया का मखौल उड़ाने वाले भाजपा नेताओं के चेहरे पर एक थप्पड़ होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने उपचुनाव जीतने के लिए हर संस्था का दुरुपयोग किया और टीआरएस को हराने के लिए कई बाधाएं पैदा कीं।

केटीआर ने कहा, "हमने भारी बहुमत की उम्मीद की थी, लेकिन यह कम हो गया है। केंद्र सरकार के समर्थन से भाजपा नेताओं द्वारा बाधा उत्पन्न करने के बावजूद, वे टीआरएस पार्टी की जीत को रोक नहीं पाए।" नौ राज्यों में चुनी हुई सरकारों को गिराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने भी तेलंगाना में सरकार गिराने के लिए व उपचुनाव जीतने के लिए तेलंगाना भाजपा नेताओं के खाते में विभिन्न चैनलों के माध्यम से सैकड़ों करोड़ रुपये भेजे थे। "राजगोपाल रेड्डी, इटेला राजेंद्र और विवेक सहित भाजपा नेताओं को नई दिल्ली से उनकी व्यापारिक कंपनियों के नाम पर करोड़ों रुपये प्राप्त हुए। उन्होंने मतदाताओं को पैसे से खरीदने की कोशिश की और उपचुनाव जीतने के लिए पानी की तरह पैसा खर्च किया। हालांकि, लोगों ने राजगोपाल रेड्डी को हराकर उन्हें एक उचित सबक सिखाया है। टीआरएस की आपत्तियों के बावजूद निर्दलीय उम्मीदवारों को रोड रोलर और चपाती मेकर चिन्ह आवंटित करने के लिए भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के निर्णय को गलत बताते हुए कहा कि 6,000 से अधिक वोट उन प्रतीकों को गए जो टीआरएस के पार्टी कार प्रतीक के समान हैं।

मुनुगोडु उपचुनाव में बीजेपी के राजगोपाल रेड्डी ने मानी हार

कहा, हारने के बावजूद मैं नैतिक रूप से चुनाव जीता हूं

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के मुनुगोडु उम्मीदवार कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने हार मान ली है और जनादेश को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने यह घोषणा तब की जब दो और राउंड की मतगणना बाकी थी। मुनुगोडु में मीडिया से बात करते हुए, राजगोपाल रेड्डी ने आरोप लगाया कि वह चुनाव हार गए हैं, क्योंकि सत्तारूढ़ टीआरएस नेताओं ने लोगों को पैसे और शराब का लालच दिया और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए आधिकारिक मशीनरी का भी दुरुपयोग किया। उन्होंने दावा किया कि भले ही मैं चुनाव हार गया हूं, लेकिन नैतिक रूप से मैं जीता हूं। उन्होंने कहा कि वह निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के फैसले का सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के मंत्रियों सहित सत्ताधारी पार्टी के 100 विधायकों ने उन्हें हराने के लिए मुनुगोडु में डेरा डाला। उपचुनाव में एक भाजपा उम्मीदवार को हराने के लिए, मुनुगोडु पर पूरी कैबिनेट, विधायक और टीआरएस नेता उतरे। मतदाताओं को लुभाने के लिए उन्होंने करोड़ों रुपये बांटे। आधिकारिक मशीनरी ने भी टीआरएस का समर्थन किया। लोगों के पास टीआरएस उम्मीदवार को वोट देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। उन्होंने आरोप लगाया कि टीआरएस नेतृत्व ने चुनाव आयोग के अधिकारियों पर इस हद तक दबाव डाला कि उन्हें चुनाव में हेरफेर करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

टीआरएस कार्यकर्ताओं ने मुनुगोडु उपचुनाव में जीत का जश्न मनाया

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय तेलंगाना भवन में मुनुगोडु उपचुनाव में जीत का जश्न मनाया। मतगणना में पार्टी प्रत्याशी कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी के भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के खिलाफ हर दौर में आगे बढ़ने के साथ, पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में टीआरएस भवन में एकत्र हुए और ढोल-नगाड़ों और पटाखे फोड़कर जश्न मनाना शुरू कर दिया। वे "जय केसीआर, जय तेलंगाना" और "देश की नेता केसीआर" के नारे लगाते रहे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगडा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

अविभाजित नलगोंडा जिले से कांग्रेस पार्टी गायब, कांग्रेस प्रत्याशी ने जमानत खो दी

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी मौजूदा विधानसभा सीट मुनुगोडु को बरकरार रखने की उम्मीद रखने वाली देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस अपने मजबूत मैदान अविभाजित नलगोंडा जिले से पूरी तरह गायब हो गई। उसे सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के हाथों अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी की उम्मीदवार पलवई श्रावंती ने चुनाव में अपनी जमानत खो दी। पार्टी प्रत्याशी की जीत के लिए प्रदेश पार्टी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी के चुनावी अभियान का क्षेत्र के मतदाताओं पर कोई असर नहीं पड़ा।

पार्टी 2018 के विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में हुए किसी भी उपचुनाव में जीत हासिल नहीं कर सकी। वह दुब्बाका, हुजूरनगर, नागार्जुन सागर और हुजुराबाद उपचुनावों में हार गई। मुनुगोडु विधानसभा चुनाव में पार्टी सत्ताधारी पार्टी को कड़ी टक्कर देने में भी नाकाम रही। पार्टी इस क्षेत्र के मजबूत गढ़ों जैसे संस्थान नारायणपुर और चंदूर में वोट हासिल करने में विफल रही। दो विधानसभा क्षेत्रों हुजूरनगर और मुनुगोडु को छोड़कर सत्तारूढ़ दल ने 2018 के विधानसभा चुनावों में अविभाजित नलगोंडा जिले की सभी विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की। हालांकि हुजूरनगर विधानसभा क्षेत्र से पार्टी विधायक एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने 2019 के आम चुनाव में नलगोंडा के सांसद बनने के बाद अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। बाद में, सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के उम्मीदवार सनमपुडी सैदी रेड्डी ने निर्वाचन क्षेत्र के लिए हुए उपचुनावों में हुजूरनगर से जीत हासिल की।

तेलंगाना में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए प्रशांत भूषण

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कार्यकर्ता-वकील प्रशांत भूषण रविवार को तेलंगाना में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा के 60वें दिन में शामिल हुए। पार्टी सूत्रों ने बताया कि अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण के लिए संघर्ष करने वाले संगठन मादिगा आरक्षण पोराटा समिति (एमआरपीएस) के नेता मंदाकृष्ण मादिगा भी आज सुबह मेदक जिले के अल्लादुर्ग से फिर से शुरू हुई रैली में शामिल हुए।

कांग्रेस महासचिव व संचार प्रभारी जयराम रमेश ने ट्वीट किया कि यह भारत जोडो यात्रा का 60वां दिन है और यह हर सुबह की तरह मैसूर के सेवा दल के प्यारे जन के साथ राष्ट्रीय गीत, ध्वज गीत और राष्ट्रगान के गायन के साथ शुरू हुआ। आज हम मेदक से कामारेड्डी जिले की ओर बढ़ते हैं। शनिवार को मेदक जिले के पेद्दापुर गांव में एक सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि देश में 2014 से बेरोजगारी और महंगाई बढ़ रही है।

सूत्रों ने बताया कि पैदल मार्च 23 अक्टूबर को राज्य में प्रवेश किया और तेलंगाना चरण का समापन सोमवार को होगा। वायनाड के सांसद कामारेड्डी जिले में सोमवार को एक जनसभा को संबोधित करेंगे। भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी।

मुजरा पार्टी में देर रात छापेमारी, 52 गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशंस टीम शमशाबाद ने एक फार्म हाउस में आयोजित मुजरा पार्टी में छापा मारा। इस दौरान 52 लोगों को गिरफ्तार किया और चार खंजर, हुक्का बर्तन और 49 मोबाइल फोन जब्त किए। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, टीम ने शमशाबाद में सलीम फार्म हाउस पर छापा मारा, जहां एक व्यक्ति बाबा खान ने जश्न मनाने के लिए पार्टी का आयोजन किया था। उसने पार्टी में प्रदर्शन करने के लिए चार किन्नरों को आमंत्रित किया था। पुलिस ने जिन 52 लोगों को गिरफ्तार किया है, उनमें यासीन, महबूब, अजहर और सोहेल हैं, जिनके खिलाफ मैलारदेवपल्ली थाने में पहले से ही मामले दर्ज है। इन सभी लोगों को शमशाबाद थाने के हवाले कर दिया गया।

परिणाम घोषित करने में देरी स्वीकार्य नहीं : इटेला

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक इटेला राजेंदर ने आज भारत के चुनाव आयोग द्वारा मुनुगोडु उपचुनाव परिणामों की घोषणा के मुद्दे पर कड़ी आपत्ति जताई।

इटेला ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने राउंड-वाइज परिणामों की घोषणा में देरी की, यह उन्हें स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर नैतिक आधार पर उपचुनाव हार गए हैं और कहा कि सीएम ने दुब्बाका और हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव परिणामों से सबक नहीं सीखा। उन्होंने कहा कि सीएम के पास अगले विधानसभा चुनाव में मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने के लिए केंद्रित तरीके से काम करने की शर्तें नहीं होंगी। यह कहते हुए कि राज्य में पैसे और शराब का उपयोग करके लोगों को प्रभावित करने का समय चला गया है, इटेला ने कहा कि भाजपा ने मुनुगोडु में नैतिक जीत दर्ज की है। उन्होंने दावा किया कि मुनुगोडु में सड़कों और नालों के निर्माण के सीएम के वादों की अनदेखी कर निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने भाजपा को वोट दिया था।

उधर, मतगणना शुरू होने के कुछ घंटे बाद केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी सहित भाजपा नेताओं ने मतगणना की धीमी गति की अपडेट की आलोचना की। उन्होंने देरी को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारियों के समक्ष विरोध भी दर्ज कराया।

देश को केसीआर के नेतृत्व की जरूरत : भाकपा

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव कुनामनेनी संबाशिव राव ने आज कहा कि देश के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केसीआर के पास देश में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को टक्कर देने की शक्ति है और विश्वास व्यक्त किया कि सीएम केसीआर साहसी तरीके से मोदी का सामना करेंगे। उन्होंने चुनाव में टीआरएस पार्टी की जीत पर खुशी जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने मुनुगोडु उपचुनाव में भाजपा को हराने के उद्देश्य से टीआरएस पार्टी का समर्थन किया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने मुनुगोडु को एक प्रयोग प्रयोगशाला बनाने की कोशिश की और कहा कि भगवा पार्टी के पास निर्वाचन क्षेत्र में ताकत नहीं है। वाम दलों के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि जब उन्होंने टीडीपी के साथ गठबंधन किया तो उन्हें निर्वाचन क्षेत्र में 20,000 वोट मिले।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लड़ रही है और कहा कि केंद्र सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भेज रहा है क्योंकि यह उन्हें चलाने में विफल रहा है। भाकपा नेता ने कहा कि राज्य के किसान मुख्यमंत्री केसीआर के शासन में खुश हैं और कहा कि राज्य के लोग स्वरोजगार के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। नलगोंडा जिले की फ्लोराइड समस्या पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर के प्रयासों से समस्या का समाधान हुआ है।

दामाद ने महिला की चाकू मारकर हत्या कर दी

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर के शाहलीबांडा में रविवार दोपहर एक बुजुर्ग महिला की उसके दामाद ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, पीड़िता 62 वर्षीया विजयलक्ष्मी शाहअलीबंडा स्थित हनुमान मंदिर के पास रुकी थी। उसने लगभग 22 साल पहले अपनी बेटी की शादी सेनापति चंद्र गुप्ता से की थी और दंपति के दो बेटे हैं। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों से कथित तौर पर असामाजिक आदतों के आदी होने के बाद, चंद्र गुप्ता ने काम पर जाना बंद कर दिया और घर पर ही रहे, जबकि उनकी पत्नी ने अपनी आजीविका कमाने के लिए एक कपड़े की दुकान पर काम करना शुरू कर दिया।

चंद्र गुप्ता के व्यवहार से तंग आकर उसकी पत्नी कथित तौर पर अपनी मां के घर चली गई और वहीं रहने लगी। हालाँकि, उसे यह पसंद नहीं आया और आज दोपहर, वह विजया लक्ष्मी के घर आया और यह कहकर उससे झगड़ा किया कि वह अपनी बेटी की रक्षा कर रही है और उसका जीवन बर्बाद कर रही है। एसीपी फलकनुमा, सैयद जहांगीर ने कहा कि उसने फिर एक चाकू निकाला जिसे वह ले जा रहा था और विजया लक्ष्मी को चाकू मार दिया, जिससे गंभीर रक्तस्राव हुआ जिससे उसकी मौत हो गई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.